रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित www.lagatar.in रांची, मंगलवार 06 अगस्त 2024 ● श्रावण शुक्ल पक्ष 02 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~8~~ ● वर्ष : 2, अंक : 119 आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

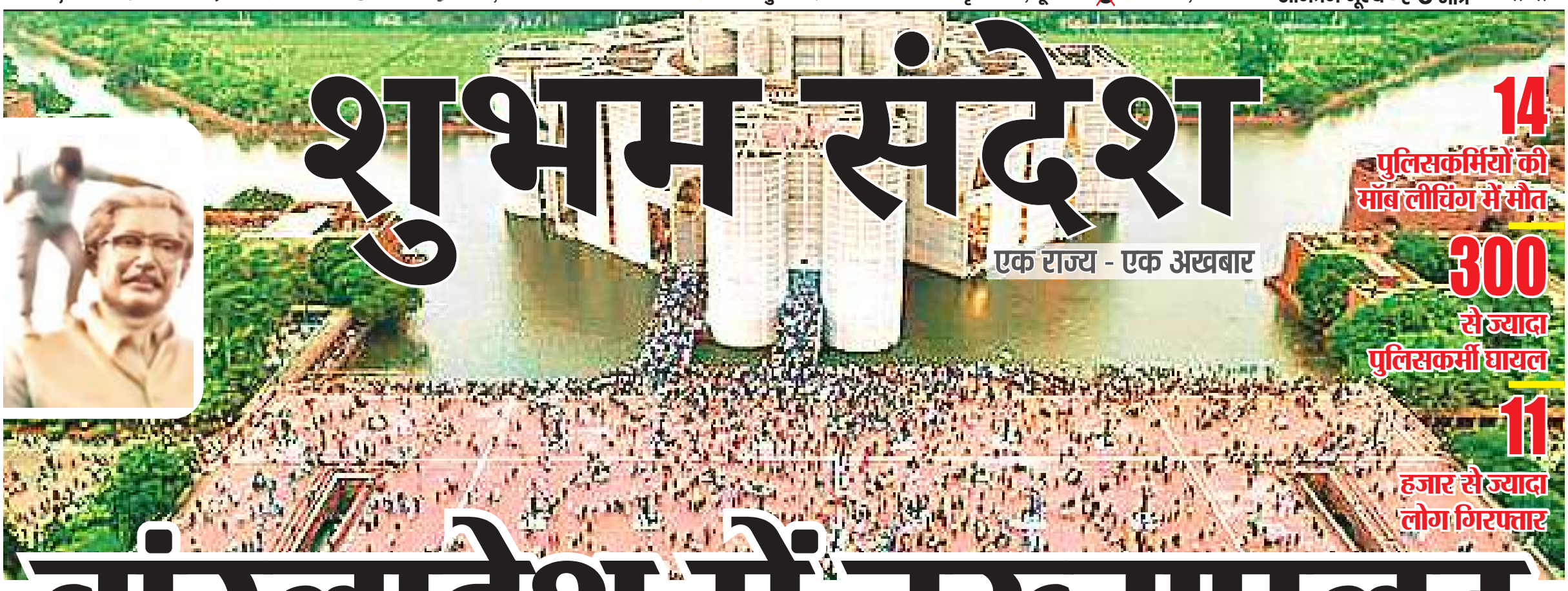

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

14
पुलिसकर्मियों की मॉब लीविंग में मौत

300
से ज्यादा पुलिसकर्मी घायल

11
हजार से ज्यादा लोग गिरफ्तार

बांग्लादेश में तख्तापलट

सेना ने संभाला सरकार का काम, पूरे देश में लोग मना रहे जीत का जश्न

पीएम शेख हसीना ने इस्तीफा दिया, दिल्ली पहुंची, ब्रिटेन ने किया शरण देने से इन्कार

बिगड़े हालात

पीएम हाउस पर आंदोलनकारियों का कब्जा, लूटपाट, तोड़फोड़, बंग बंधु की प्रतिमा पर चला हथौड़ा

हसीना की पार्टी के नेताओं के घरों पर भी हो रहे हमले, जगह-जगह लूटपाट और आगजनी

आंदोलन को कुचलने की कोशिश पड़ी भारी

पहले आंदोलन को कुचलने की कोशिश की.
फिर कहा- आंदोलनकारी देशद्रोही हैं.
फिर कहा- आंदोलन विपक्ष की साजिश है.
फिर कहा- आंदोलनकारी आतंकी हैं.

और अंततः
शेख हसीना को सत्ता और देश दोनों छोड़ना पड़ा.

शेख हसीना पर जो बड़े आरोप हैं

लोकतंत्र की चादर ओढ़ कर तानाशाही चलाई.
मीडिया की आजादी खत्म कर दी.
चुनावों में धांधली कर जीत हासिल की.
वंचितों के लिए आवाज उठाने वालों को गायब कराया.
विपक्ष के नेताओं को गिरफ्तार कराया.
कानून के दायरे से बाहर जाकर हत्याएं कराईं.
मानवाधिकारों का तेजी से हनन बढ़ा.

एजेंसियां। ढाका/नयी दिल्ली

बांग्लादेश में तख्तापलट हो गया है. पाकिस्तान के बाद एक और पड़ोसी देश में सेना का शासन हो गया है. सोमवार को बांग्लादेश के सेना प्रमुख वकार-उज-जमां की तरफ से 45 मिनट में देश छोड़ देने के अल्टीमेटम के बाद प्रधानमंत्री शेख हसीना ने पद से इस्तीफा दे दिया और देश छोड़ कर भारत आ गईं. पहले दिल्ली से उनके लंदन जाने की चर्चा थी. अब कहा जा रहा है कि वह कुछ दिन भारत में ही रहेंगी. उधर, बांग्लादेश में अंतरिम सरकार कार्यभार संभालेगी. बांग्लादेश के सेना प्रमुख जनरल वकार-उज-जमां ने सोमवार को यहां यह घोषणा की. यह घोषणा ऐसे समय में की गई है, जब पिछले दो दिनों में हसीना की सरकार के खिलाफ बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए हैं, जिनमें 100 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है.

इस बीच, दिल्ली में एनएसए अजीत डोभाल ने हिंडन एयरपोर्ट पर हसीना से डेढ़ घंटे की मुलाकात की. पीएम मोदी ने अपने ऑफिस में गृह मंत्री अमित शाह, राजनाथ सिंह, अजीत डोभाल, वित्त मंत्री, विदेश मंत्री आदि के साथ उच्च स्तरीय बैठक करके बांग्लादेश की स्थिति पर मंत्रणा की. हालांकि भारत ने अभी तक इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है. उधर, शेख हसीना को हिंडन के सेफ हाउस में ठहराया गया है.

हसीना के देश छोड़ देने के बाद सेना प्रमुख ने टीवी पर दिए गए अपने संबोधन में कहा, मैं सारी जिम्मेदारी ले रहा हूं. कृपया सहयोग करें. सेना प्रमुख ने कहा, मैंने नेताओं से मुलाकात की. उन्हें बताया कि सेना कानून-व्यवस्था संभालेगी. शेख मुजीबर रहमान की 76 वर्षीय बेटी हसीना 2009 से बांग्लादेश की बागडोर संभाल रही थीं. उन्हें जनवरी में हुए आम चुनाव में चौथी बार और पांचवीं बार पीएम चुना गया. पिछले दो दिनों में हसीना सरकार के खिलाफ हुए विरोध प्रदर्शनों में 300 से अधिक लोग मारे गए हैं.

पीएम आवास में घुसे प्रदर्शनकारी, तोड़फोड़

इस बीच, बांग्लादेश में हजारों प्रदर्शनकारियों ने सोमवार को राजधानी ढाका में शेख हसीना के सरकारी आवास में लूटपाट और तोड़फोड़ की, उनके पिता मुजीबुर रहमान की प्रतिमा को हथौड़ों से तोड़ दिया और उनकी पार्टी के कार्यालयों में आग लगा दी. प्रदर्शनकारी प्रधानमंत्री के रूप में हसीना के जाने का जश्न मना रहे थे. सेना प्रमुख जनरल वकार-उज-जमां द्वारा प्रधानमंत्री शेख हसीना के इस्तीफे की घोषणा के बाद, देश भर में उत्साही भीड़ अपनी जीत का जश्न मनाने के लिए सड़कों पर उतर आई. हसीना के इस्तीफे के साथ ही सत्ता में उनके 15 साल का शासन समाप्त हो गया. हजारों प्रदर्शनकारियों ने सैन्य कर्फ्यू का उल्लंघन करते हुए उनके सरकारी आवास पर धावा बोल दिया. हालांकि, वह अपने आवास पर नहीं थीं. वीडियो फुटेज में प्रदर्शनकारियों को राजधानी ढाका में हसीना के आधिकारिक आवास गणभवन में तोड़फोड़ और लूटपाट करते हुए दिखाया गया है. वे गणभवन परिसर में हाथ हिला कर जश्न मनाते देखे गए. उनमें से कई लोग गणभवन का सामान लेकर जाते भी नजर आए.

300 से ज्यादा मौतें

क्या है मामला?

बता दें कि बांग्लादेश में हाल ही में पुलिस और छात्र प्रदर्शनकारियों के बीच हिसंक झड़पें हुईं हैं. दरअसल, प्रदर्शनकारी छात्र विवादित आरक्षण प्रणाली को समाप्त करने की मांग कर रहे हैं. इसके तहत बांग्लादेश के लिए वर्ष 1971 में आजादी की लड़ाई लड़ने वाले स्वतंत्रता संग्रामियों के परिवारों के लिए 30 प्रतिशत सरकारी नौकरियां आरक्षित की गईं हैं. इसके बाद शुरू हुए विरोध प्रदर्शनों से 11 हजार से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है. संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त वोल्कर तुर्क ने देश के राजनीतिक नेतृत्व और सुरक्षा बलों से जीवन के अधिकार और शांतिपूर्ण सभा और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की रक्षा के लिए अपने दायित्वों का पालन करने को कहा. –शेष पेज 07 पर

शेख़ हसीना : दो दशकों से सियासत के शीर्ष पर रहने के बाद पतन की कहानी

लगातार न्यूज नेटवर्क

बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख़ हसीना 1947 में पूर्वी बंगाल के एक मुसलमान परिवार में पैदा हुईं शेख़ हसीना को राजनीति विरासत में मिली. उनके पिता राष्ट्रवादी नेता शेख़ मुजीबुर्रहमान थे. वो बांग्लादेश के संस्थापक और राष्ट्रपिता थे. 1975 में सैन्य तख़्तापलट के दौरान, मुजीबुर्रहमान और उनके परिवार के अधिकतर लोगों को मार दिया गया था. सिर्फ़ शेख़ हसीना और उनकी छोटी बहन की जान बची थी क्योंकि उस समय वो विदेश यात्रा पर थीं. भारत में निर्वासित जीवन बिताने के बाद शेख़ हसीना 1981 में बांग्लादेश लौटीं और अपने पिता के राजनीतिक दल अवामी लीग की नेता बन गईं. जनरल हुसैन मुहम्मद इरशाद के सैन्य शासन के ख़िलाफ़ उन्होंने अन्य राजनीतिक दलों के साथ मिलकर सड़कों पर प्रदर्शन किया और लोकतंत्र की मांग की. देश में उठे विद्रोह ने तेज़ी से शेख़ हसीना को राष्ट्रीय आईकॉन बना दिया. वो सबसे पहले साल 1996 में चुनकर सत्ता तक पहुंचीं. एक समय दुनिया का सबसे ग़रीब देश रहा मुस्लिम बहुल बांग्लादेश, उनके नेतृत्व में 2009 के बाद से विश्वसनीय आर्थिक प्रगति हासिल कर चुका है. सत्ता संभालने के बाद से, शेख़ हसीना के सामने आया सबसे गंभीर संकट ताज़ा विरोध प्रदर्शन ही है. ये प्रदर्शन बेहद विवादित चुनाव नतीजों के बाद हुए हैं. विवादित आम चुनावों में लगातार चौथी बार उनकी पार्टी को चुन लिया गया था. इस्तीफ़ा देने की बढ़ती मांगों के बीच शेख़ हसीना डटी हुई थीं, लेकिन व्यापक सरकार विरोधी आंदोलन के कारण उन्हें इस्तीफा देकर देश छोड़ना पड़ा. – पेज 12 भी देखें

सर्राफा

सोना (बिक्री)	65,400
चांदी (किलो)	83,000

ब्रीफ खबरें

डाल्टनगंज स्टेशन का नाम मेदिनीनगर

रांची। डालटनगंज रेलवे स्टेशन का नाम अब मेदिनीनगर होगा. इसके प्रस्ताव को सीएम हेमंत सोरेन ने सहमति प्रदान कर दी है. अब आगे की कार्यवाही के लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय को भेजा जाएगा. इसकी मांग कई वर्षों से हो रही थी. –पेज 7 भी देखें

डेथ सेंटर बन गए कोचिंग सेंटर: सुप्रीम कोर्ट

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली के कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में पानी भरने से परीक्षा की तैयारी कर रहे तीन बच्चों की मौत के मामले का स्वतः संज्ञान लिया और केंद्र और दिल्ली सरकार को नोटिस जारी करके जवाब तलब किया. कहा, कोचिंग सेंटर डेथ सेंटर बन गए हैं.

कश्मीर के लोगों की आकांक्षा पूरी होगी

नयी दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी मोदी ने जम्मू एवं कश्मीर और लद्दाख के लोगों को विश्वास दिलाया कि केंद्र सरकार उनके लिए काम करती रहेगी और आने वाले समय में उनकी आकांक्षाओं को पूरा करेगी. धारा 370 हटाने के पांच वर्ष पूरे होने पर पीएम मोदी ने यह प्रतिक्रिया दी है.

केजरीवाल की बेल याचिका खारिज

नयी दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने सोमवार को कथित आबकारी नीति घोटाले से उपजे भ्रष्टाचार के मामले में सीबीआई द्वारा मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी को बरकरार रखा. कोर्ट ने कहा कि केजरीवाल की गिरफ्तारी सही है.

हाईकोर्ट ने राज्य सरकार और एसीबी से पूछा

अब तक इस पर क्या कार्रवाई हुई?

संवाददाता। रांची

तत्कालीन रघुवर सरकार के पांच मंत्रियों के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति मामले की जांच को लेकर दायर जनहित याचिका पर सोमवार को झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई हुई. इस दौरान अदालत ने राज्य सरकार और एसीबी को चार सप्ताह के भीतर एफिडेविट के माध्यम से जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है. एसीबी को इस मामले में अब तक हुई कार्रवाई और जांच की दिशा के बिंदु पर जवाब दाखिल करना है.

हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस रंगोन मुखोपाध्याय और जस्टिस प्रदीप कुमार श्रीवास्तव की खंडपीठ में इस जनहित याचिका की सुनवाई हुई. इस मामले की अगली सुनवाई चार सप्ताह बाद होगी. बता दें कि वर्ष 2020 में प्रार्थी पंकज यादव ने जनहित याचिका दायर कर पूर्व मंत्री अमर कुमार बाउरी, नीरा यादव, नीलकंठ सिंह मुंडा, लुइस मरांडी और रणधीर सिंह के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति होने का आरोप लगाते हुए एसीबी से जांच की मांग की थी.

तत्कालीन रघुवर कैबिनेट के पांच मंत्रियों के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति का मामला

- चार सप्ताह के भीतर एफिडेविट के माध्यम से देना है जवाब
- वर्ष 2020 में पंकज यादव ने दायर की थी जनहित याचिका

हेमंत सरकार ने एसीबी को सौंपी थी जांच की जिम्मेदारी

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने 26 जुलाई 2023 में कैबिनेट से पांचों पूर्व मंत्रियों के खिलाफ एसीबी जांच की स्वीकृति दे दी थी. इसके बाद एसीबी की प्रारंभिक जांच में पूर्व मंत्रियों के खिलाफ प्रार्थी की शिकायत को सत्य पाया था और इस बात का जिक्र किया था कि सभी पांचों पूर्व मंत्रियों की संपत्ति में अप्रत्याशित इजाफा हुआ है. एसीबी ने इस मामले में पीई दर्ज कर पूर्व मंत्रियों तथा शिकायतकर्ता को नोटिस भी भेजा था. सभी पीई की जांच की जिम्मेदारी पांच डीएसपी को सौंपी गई थी. अब देखना यह है कि इस मामले की सुनवाई झारखंड हाईकोर्ट में शुरू होने के बाद एसीबी की जांच और कार्रवाई कितनी तेज होती है. –शेष पेज 07 पर

ब्लैक मंडे बाजार धड़ाम, 17 लाख करोड़ खाक

अमेरिका, जापान, ताइवान के बाजार में कोहराम, मंदी की आहट से 57 साल की सबसे बड़ी गिरावट

एजेंसी। मुंबई

भारतीय शेयर बाजार के लिए हफ्ते का पहला कारोबारी सत्र ब्लैक मंडे साबित हुआ. अमेरिकी अर्थव्यवस्था में मंदी की आहट से भारत, जापान, ताइवान सहित दुनिया के तमाम देशों के शेयर बाजार सोमवार को बिखर गए. बीएसई सेंसेक्स 2,222.55 अंक का गोता लगाकर 78,759.40 और एनएसई निफ्टी 662.10 अंक टूट कर 24,055.60 अंक पर बंद हुए.

इस दौरान बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन 17 लाख करोड़ रुपए घट कर 440.16 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया. दरअसल, अमेरिका के हाल में जारी आंकड़े दिखाते हैं कि वहां की कंपनियों के सकल मैन्युफैक्चरिंग आंकड़े (पीएमआई) में कमी आई है. इसका अर्थ है कि अमेरिका में निर्माण में कमी आ रही है. इसका सीधा असर वहां की कुछ बड़ी कंपनियों में छंटनी के रूप में सामने आ सकता है. यदि ऐसा होता है तो अमेरिका में बेरोजगारी का दौर बढ़ेगा. इसके कारण वहां की प्रमुख कंपनियों के उत्पादों की खपत में कमी आ सकती है. इसका एक असर भारत से एक्सपोर्ट होने वाली वस्तुओं के निर्यात में कमी के रूप में भी सामने आ सकती है. यानी अमेरिका में मंदी आई, तो इसका असर केवल वहीं तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि उसके कारण दुनिया भर से अमेरिका को होने वाले एक्सपोर्ट पर असर पड़ सकता है. इससे मंदी का असर वैश्विक रूप ले सकता है.

भारत पर बड़े असर की संभावना नहीं

यदि अमेरिका में मंदी आती है, तो इसका भारत पर क्या असर पड़ सकता है? इस प्रश्न के जवाब में आर्थिक मामलों के विशेषज्ञ कहते हैं कि अमेरिकी अर्थव्यवस्था इस ओर संकेत कर रही है कि वह मंदी की चपेट में आ सकता है. यह कितना व्यापक और कितना गहरा होगा, इसका आकलन अगली दो तिमाही के पीएमआई के आंकड़े ही बता पाएंगे. लेकिन शुरुआती लक्षण ठीक नहीं है, इसका अर्थ है कि यदि अमेरिकी सरकार ने दखल नहीं दिया, तो भविष्य में स्थिति ज्यादा खराब हो सकती है. जहां तक भारत पर इसके कारण पड़ने वाले असर की बात है, इसका सीधा असर भारत के उन क्षेत्रों पर पड़ सकता है जिनसे अमेरिका को निर्यात किया जाता है. इसमें खाने-पीने वाली चीजों के निर्यात, फल-फूल और सब्जी के निर्यात, डेयरी उत्पादों और कृषि-प्रसंस्कृत कंपनियों के क्षेत्र में काम करने वाली कंपनियों के निर्यात में कमजोरी आ सकती है. यदि निर्यात में कमी होती है तो तो भारतीय कंपनियों पर भी इसका असर पड़ सकता है. उत्पादन कमजोर होने से यहां भी छंटनी का सामना करना पड़ सकता है. जो लोग अमेरिकी कंपनियों के लिए काम कर रही बीपीओ कंपनियों में काम कर रहे हैं, वहां मंदी होने का सीधा असर उन पर पड़ सकता है. इसी तरह जो भारतीय अमेरिका में रहकर नौकरी कर रहे हैं, उनकी नौकरियों पर भी खतरा पैदा हो सकता है. ऐसे में ऐसे लोगों के द्वारा भारत को भेजा जाने वाला धन और उन पर आश्रित लोगों के जीवन पर भारत में भी असर पड़ सकता है.

राजनीति धुरंधर सरयू राय के जदयू में आने से बढ़ी सुदेश महतो की दोहरी टेंशन

भाजपा के लिए विस चुनाव में आसान नहीं सीटों का बंटवारा

कौशल आनंद। रांची

सरयू राय के बड़े दांव से आजसू सुप्रीमो सुदेश कुमार महतो की टेंशन दोहरी हो गयी है. सुदेश महतो पहले से ही झारखंड की राजनीति में एक नए कुरमी टाइगर जयराम महतो के उदय से टेंशन में हैं, वहीं अब सरयू राय के अचानक जदयू में शामिल होने के बाद झारखंड में जदयू की भी राजनीतिक तपीश बढ़ गयी है.

जदयू फिलहाल झारखंड में विधायक विहीन पार्टी के रूप में जानी जा रही थी, मगर सरयू राय के आ आने से पार्टी को बैठे-बिठाए एक विधायक मिल गया है, वहीं पार्टी का एक राज्यसभा सांसद भी खीरू महतो के रूप में है. आने वाले विधानसभा में नीतीश कुमार और सरयू राय ने बड़े खेल की तैयारी शुरू कर दी है. कल तक राजनीतिक रूप से कमजोर संगठन के रूप में माने जाने वाले जदयू संगठन में अचानक से प्राण वायु आ गई है.

फंसेगा पेंच

- कुर्मी बहुल सीटों के अलावा अब पलामू, धनबाद, जमशेदपुर एवं बोकारो पर दावेदारी कर सकता है जदयू
- आजसू 25, जदयू 11 पर दावेदारी की तैयारी में, भाजपा 65 से नीचे नहीं करेगी समझौता, एक सीट कमलेश सिंह के लिए भी छोड़ना होगी

अब आजसू 20-25 सीटों पर कैसे करेगी दावेदारी

सरयू राय के पार्टी में आ जाने से कई सीटों का समीकरण भी अचानक से बदला-बदला नजर आ रहा है. जदयू का वोट बैंक कुर्मी और कोयरी-महतो के बीच ही रहा है. मगर सरयू के आने से धनबाद, जमशेदपुर और बोकारो में पार्टी की दावेदारी मजबूत हुई है. सरयू के आने के पूर्व ही जदयू हजारीबाग, रामगढ़, मांडू, डुमरी, टुंडी आदि सीटों पर दावेदारी कर रहा था. अब सरयू राय के आने के बाद धनबाद, बोकारो और जमशेदपुर की भी कई सीटों पर जदयू दावेदारी कर सकता है. जानकारी के अनुसार जदयू कम से कम 11 सीटों पर दावेदारी करेगा. वहीं आजसू ने भी

पहले से 20 से 25 सीटों पर दावेदारी का मन बना रखा है. ये भी बातें सामने आई हैं कि सुदेश महतो केंद्रीय मंत्रिमंडल में आजसू को बर्थ नहीं मिलने पर इसी शर्त पर तैयार हुए कि विधानसभा चुनाव में भाजपा उन्हें सम्मान देगी. अब यह सम्मान कितनी सीट तक रहेगा, यह भी आने वाले दिनों में पता चलेगा.

भाजपा रघुवर की सीट सरयू के लिए छोड़ेगी !

अभी यह तय नहीं है कि सरयू राय अपनी पुरानी सीट जमशेदपुर पश्चिम से चुनाव लड़ते है या मौजूदा जमशेदपुर पूर्वी से. क्योंकि 2019 के चुनाव में सरयू राय ने अपना सीट बदल कर पूर्व सीएम रघुवर दास की सीट जमशेदपुर पूर्वी से चुनाव मैदान में उतर गए थे. राय का मकसद रघुवर दास को हराना था, जिसमें वे सफल भी हुए. मगर राय की परंपरागत सीट तो जमशेदपुर पश्चिम ही है. जहां से अभी बन्ना गुप्ता विधायक हैं. एनसीपी शिंदे गुट अब एनडीए का हिस्सा है. –शेष पेज 07 पर

जुबान पर ताला लगाना चाहती है सरकार: प्रियंका

- प्रसारण सेवा विधेयक तुरंत वापस ले सरकार
- केंद्र सरकार का यह प्रयास पूरी तरह अस्वीकार्य है

एजेंसी। नयी दिल्ली

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने सोमवार को आरोप लगाया कि केंद्र सरकार प्रसारण सेवा (विनियमन) विधेयक से डिजिटल, सोशल मीडिया व निजी हैसियत में लिखने-बोलने वालों की जुबान पर ताला लगाना चाहती है. ये मंजूर नहीं है.

उन्होंने यह भी कहा कि सरकार का यह प्रयास अस्वीकार्य है. प्रियंका गांधी ने महात्मा गांधी और पंडित नेहरू के प्रेस की आजादी से जुड़े कथनों का हवाला देते हुए एक्स पर पोस्ट किया, ये दो उदाहरण बताते हैं कि नागरिकों को अभिव्यक्ति और प्रेस की स्वतंत्रता यूं ही नहीं मिली है. इसके लिए वर्षों तक लाखों लोगों ने लड़ाई लड़ी है. नागरिक स्वतंत्रता और प्रेस की आजादी शहीदों और स्वतंत्रता सेनानियों की विरासत है. आजाद भारत के इतिहास में किसी सरकार ने नागरिकों को मिली स्वतंत्रता को कुचलने का कभी प्रयास नहीं किया. प्रियंका का कहना है, एक तरफ सत्ता के जोर से पूरे मीडिया को सरकारी भोंपू बना दिया गया.दूसरी तरफ, सरकार प्रसारण बिल लाकर डिजिटल, सोशल मीडिया, ओटीटी मंचों और यहां तक कि निजी हैसियत में लिखने-बोलने वालों की जुबान पर ताला लगाने जा रही है. यह पूरी तरह अस्वीकार्य है. देश ऐसी हरकतों को बर्दाश्त नहीं करेगा.

सदर अस्पताल में आर्थोपेडिक चिकित्सक का पदस्थापन नहीं, मॉनसून सत्र में सरकार से मिले एक सवाल के जवाब से खुलासा

झारखंड में सदर अस्पतालों के लिए सिर्फ 20 हड्डी रोग विशेषज्ञ ही पदस्थापित

- चक्रधरपुर अनुमंडलीय अस्पताल में एईआरबी लाइसेंस नहीं होने के कारण एक्स-रे मशीन चालू नहीं

संवाददाता। रांची

झारखंड में सदर अस्पतालों के लिए सिर्फ 20 हड्डी रोग विशेषज्ञ ही हैं. इस वजह से सभी सदर अस्पताल में भी एक-एक हड्डी रोग विशेषज्ञ का पदस्थापन तक नहीं है. इस बात का खुलासा मॉनसून सत्र में सरकार की तरफ से मिले एक सवाल के जवाब से हुआ है. विधायक सुखराम उरांव ने सवाल किया था कि चक्रधरपुर अनुमंडल के सरकारी अस्पताल में हड्डी रोग विशेषज्ञ नहीं हैं.

इसके जवाब में सरकार ने कहा कि वर्तमान में 20 हड्डी रोग विशेषज्ञ हैं, जिन्हें राज्य के विभिन्न जिलों में पदस्थापित किया गया है. एक हड्डी रोग विशेषज्ञ का पदस्थापन चाईबासा सदर अस्पताल में किया गया है. सरकार ने सवालों का जवाब देते हुए यह भी माना है कि चक्रधरपुर अनुमंडलीय अस्पताल में एक्स-रे मशीन तो है, टेक्नीशियन भी नियुक्त हैं, लेकिन एईआरबी लाइसेंस नहीं होने के कारण मशीन को चालू नहीं किया जा पा रहा है. इसके साथ ही सरकार के जवाब से यह साफ हो गया है कि राज्य के जिलों में सिर्फ सदर अस्पतालों में ही हड्डी रोग विशेषज्ञ उपलब्ध हैं.

अनुमंडल अस्पताल के लिए हड्डी रोग विशेषज्ञ है ही नहीं

किसी भी अनुमंडल स्तरीय अस्पताल में पदस्थापित करने के लिए हड्डी रोग विशेषज्ञ है ही नहीं. यह एक ऐसी स्वीकारोक्ति है, जो झारखंड में स्वास्थ्य को लेकर उठ रहे सवालों को और बड़ा कर दे रहा है. साफ है कि अगर किसी जिला में दुर्घटना या किसी अन्य वजह से किसी व्यक्ति की हड्डी टूटती है या चोटिल होता है, तो उसका इलाज प्राथमिक या अनुमंडल स्तरीय सरकारी अस्पतालों में संभव नहीं होता है. मरीज को या तो प्राइवेट अस्पताल में भर्ती होकर इलाज कराना पड़ता है या फिर जिला के सदर अस्पताल में जाना पड़ता है. इसकी वजह अस्पतालों में हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी है.

गोमिया व कसमार में चिकित्सकों की कमी

रांची। बोकारो जिला के गोमिया व कसमार इलाके के सरकारी अस्पतालों में चिकित्सकों की भारी कमी है. इसकी वजह से स्थानीय लोगों को बड़ी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है. जानकारी के मुताबिक, गोमिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में सात की जगह सिर्फ चार चिकित्सक ही पदस्थापित हैं. इसी तरह कसमार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भी सात की जगह सिर्फ तीन चिकित्सक पदस्थापित हैं. गोमिया प्रखंड के महुआटांड़ प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में दो की जगह सिर्फ एक चिकित्सक पदस्थापित हैं, जबकि साड़म प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में एक भी चिकित्सक पदस्थापित नहीं हैं. चतरोचट्टी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को पीपीपी मोड पर सिटीजन फाउंडेशन अस्पताल का संचालन करता है. वहां दो की जगह एक चिकित्सक का पदस्थापन है. इसी इलाके के खौराचातर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में दो चिकित्सक पदस्थापित हैं, जबकि करमा स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में दो की जगह सिर्फ एक चिकित्सक पदस्थापित हैं.

- किसी अस्पताल में दो की जगह एक, तो कहीं एक भी चिकित्सक नहीं

राज्यपाल संतोष गंगवार मिले गृहमंत्री अमित शाह से

रांची। झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार सोमवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से दिल्ली में मिले. इसे शिष्टाचार मुलाकात बताया गया है. राज्यपाल बनने के बाद संतोष कुमार गंगवार की यह पहला दिल्ली दौरा है. मिली जानकारी के अनुसार राज्यपाल और गृह मंत्री के बीच राज्य के वर्तमान राजनीतिक हालात सहित अन्य कई मुद्दों पर चर्चा हुई.

झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ ने अपनी मांगों को लेकर दिया धरना

आर-पार की लड़ाई के लिए शिक्षक तैयार, अनशन शुरू

संवाददाता। रांची

शिक्षकों के संगठन झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ ने अपनी मांगों को लेकर आंदोलन तेज कर दिया है. धरना के साथ-साथ पांच अगस्त से अनशन कार्यक्रम शुरू किया गया है. शिक्षकों के समूह ने राजभवन के समक्ष आंदोलन शुरू किया है. आंदोलन में प्राथमिक व मध्य विद्यालय के शिक्षकों अलावा झारखंड प्लस टू शिक्षक संघ, झारखंड प्रदेश संयुक्त मोर्चा, एमएसीपी संघर्ष मोर्चा आदि संगठन भी शामिल हैं.

संघ के अध्यक्ष अनूप केसरी, महसाचिव राममूर्ति ठाकुर व मुख्य प्रवक्ता नसीम अहमद ने बताया कि हम अब आर-पार की लड़ाई लड़ने को तैयार हैं. राज्य के अन्य कर्मचारियों को एसीपी का लाभ मिल रहा है, लेकिन शिक्षकों को यह लाभ नहीं मिल रहा है. सरकार, शिक्षकों के साथ सौतेला व्यवहार कर रही है. शिक्षकों को जो छठा वेतनमान दिया गया है, उसमें भी कई खामियां हैं.

अनशन कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष अनूप केसरी, बसंत कुमार झा, मनोरंजन कुमार, जुबेर अंसारी, अनूप कुमार सिंह, शंकर राम, धुरेंदर कुमार, सुषमा नाग, ग्रेबियल क्लरेंश, अखिलेश प्रसाद, सुरेंद्र पासवान, महबूब आलम, राममूर्ति ठाकुर, मुख्य प्रवक्ता नसीम अहमद, असदुल्लाह, संतोष कुमार दीपक दत्ता, अनिल कुमार सिंह, हरेकृष्ण चौधरी, राकेश कुमार, अजय ज्ञानी प्रभात कुमार, सलीम सहाय, कृष्णा शर्मा, अमरनाथ झा, नरेंद्र यादव शर्मा आदि शामिल रहे.

रांची में राजभवन के समक्ष अनशन पर बैठे शिक्षक.

खास बातें

- मांगों को लेकर आंदोलन तेज, कई संगठन आए साथ
- सरकार पर शिक्षकों के साथ सौतेला व्यवहार करने का आरोप

शिक्षकों की मांग

- अंतरजिला स्थानांतरण में गृह जिला का विकल्प मिले.
- छठे वेतनमान की खामियों को दूर किया जाये.
- एमएसीपी का लाभ शिक्षकों को भी दिया जाये.

विज्ञापन निकालने के विरोध में चौकीदारों का जेल भरो अभियान

रांची। तीन सूत्री मांगों को लेकर झारखंड राज्य दफादार-चौकीदार पंचायत राज्य कमेटी के लोगों ने सोमवार से जेल भरो आंदोलन शुरू किया. झारखंड के विभिन्न जिलों में सरकार ने चौकीदारों के रिक्त पदों को भरने के लिए विज्ञापन निकाला है. उसे रद्द कराने की मांग को लेकर सैकड़ों चौकीदार और दफादार 20 जुलाई से राजभवनन के समक्ष अनिश्चितकालीन धरना दे रहे थे. सीएम से वार्ता नहीं होने के कारण सोमवार को राजभवन से पैदल मार्च करते हुए राजभवन की ओर आगे बढ़ने के क्रम में पुलिस ने सभी को रोक दिया. अध्यक्ष दयाल सिंह ने कहा कि जबतक सीएम से वार्तालाप नहीं होता है और विज्ञापन को रद्द नहीं किया जाता है, तबतक उनका आंदोलन चलता रहेगा.

ये तीन सूत्री मांगें हैं

- सेवा विमुक्त चौकीदार और अनुकंपा के आधार पर चौकीदार के रिक्त पदों पर निकाले विज्ञापन को रद्द हो.
- विमुक्त चौकीदार को पुनः योगदान कराया जाए.
- एक जनवरी 1990 के पूर्व और बाद में सेवानिवृत्त चौकीदार दफादारों के आश्रितों की नियुक्ति पूर्व प्रक्रिया के अनुसार हो.

स्कूल और मंदिर के पास शराब न बिके : हाईकोर्ट

रांची। झारखंड हाईकोर्ट ने डीजीपी और रांची एसएसपी को निर्देश दिया है कि शहर में स्कूल और मंदिरों के पास किसी भी हाल में शराब की बिक्री न होने दें. नशे के बढ़ते कारोबार के खिलाफ स्वतः संज्ञान लिए मामले की सोमवार को सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने यह बात कही. सुनवाई के दौरान डीजीपी और रांची एसएसपी अदालत में हाजिर थे. अदालत ने मौखिक रूप से कहा कि उत्पाद विभाग के साथ-साथ पुलिस की भी यह जिम्मेवारी है कि शहर में अवैध ढंग से शराब की बिक्री न हो. देर रात तक बार एवं रेस्टूरेंट खुले रहने से अप्रिय घटना होने की आशंका ज्यादा रहती है. पुलिस की पीसीआर वैन रात में शराबियों और आपराधिक तत्वों पर नजर रखे. अदालत ने डीजीपी को निर्देश दिया कि अफीम, चरस, गांजा समेत अवैध शराब पर नियंत्रण के लिए एसओपी बनाएं. कोर्ट ने कहा कि खूंटी सहित राज्य के कई जिलों में जंगलों में अफीम की खेती होती है. सैटेलाइट मैपिंग के माध्यम से पुलिस और एनसीबी समन्वय कर इसका पता लगाएं और नष्ट करने की कार्रवाई करें.

मंईयां योजना अवैध वसूली के लिए लाई गई है : मरांडी

विशेष संवाददाता। रांची

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के ड्रीम स्कीम मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना में

महिलाओं से वसूली का आरोप प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने लगाया है. मरांडी ने अपने एक्स हैंडल के जरिए कहा कि झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के शुभारंभ के पहले दिन ही फॉर्म के नाम पर वसूली का शुभारंभ कर दिया गया है. हेमंत सरकार की चरणबद्ध योजना के तहत अभी फॉर्म के नाम पर, फिर पंजीकरण के नाम पर, फिर सूची में नाम डालने के नाम पर और अंत में खाते में पैसे भेजने के नाम पर वसूली के सारे चरण पूरे किया जाएंगे. मरांडी ने आरोप लगाया कि झारखंड में बिना पैसों के कोई भी काम नहीं होता है. उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि इसके तो हजारों उदाहरण पहले ही हिम्मतवाली सरकार ने पेश कर दिए हैं. लेकिन फिर से एक बार, एक नया वसूली का उदाहरण एक नई योजना के साथ पेश किया जा रहा है. इन सारी घटनाओं से यह तो स्पष्ट हो ही जाता है कि हेमंत सरकार में योजनाओं को लाने का उद्देश्य जनकल्याण नहीं, बल्कि वसूली करने और कराने का है.

सर्वर डाउन लोग फार्म नहीं भर पा रहे हैं : सीता

इधर सीता सोरेन ने भी इस योजना के जरिए सरकार को घेरा

है. उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव को देखते हुए जनता को बरगलाने के लिए सरकार ने मंईयां सम्मान योजना की शुरुआत की है. स्थिति यह है कि लोग फॉर्म नहीं भर पा रहे हैं. सर्वर डाउन है .आदिवासियों के सम्मान की बात करने वाले हेमंत सोरेन की सरकार को इस राज्य की जनता देख रही है.

जेएसएससी परीक्षा कैलेंडर 2024 को संघ ने बताया विफल

रांची। राष्ट्रीय आदिवासी छात्र संघ के अध्यक्ष संगम उरांव ने झारखंड स्टाफ सेलेक्शन कमीशन द्वारा जारी परीक्षा कैलेंडर 2024 को विफल बताया है. उन्होंने कहा कि जेएसएससी द्वारा महिला पर्यवेक्षक प्रतियोगी परीक्षा की संभावित तारीख जुलाई 2024 के अंतिम सप्ताह में घोषित की गई थी, लेकिन अब तक परीक्षा आयोजित नहीं हो सकी है. संगम उरांव ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को विस चुनाव का चिंता है. लेकिन छात्रों का भविष्य संवारने में कोई ध्यान नहीं दिया है.

ईडी में लीगल रिटेनर पद के लिए नियुक्ति

रांची। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को देशभर में विभाग का पक्ष रखने के लिए लीगल रिटेनर की जरूरत है. केंद्र सरकार ने इसकी अधिसूचना जारी की है. केंद्र सरकार की तरफ से जारी अधिसूचना के मुताबिक, वकालत के पेशे में दो वर्षों का अनुभव रखने वाले वकील लीगल रिटेनर के पद पर नियुक्ति के लिए योग्य होंगे और उन्हें 80 हजार रुपये बतौर मासिक वेतन दिया जाएगा. आवेदन जमा करने की अंतिम 25 अगस्त निर्धारित की गयी है.

साहिबगंज जिले में अवैध खनन से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग का मामला

आरोपियों की बेल पर 12 को सुनवाई

संवाददाता। रांची

साहिबगंज जिला में अवैध खनन से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले के आरोपी भगवान भगत और सुनील यादव की जमानत याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में अब 12 अगस्त को सुनवाई होगी. शीर्ष न्यायालय के न्यायाधीश जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस अगस्टिन जॉर्ज मसीह की खंडपीठ इस मामले की सुनवाई कर रही है. रांची पीएमएलए (प्रीवेन्शन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) की विशेष कोर्ट और झारखंड हाईकोर्ट दोनों आरोपियों को बेल देने से इंकार कर चुका है, जिसके बाद इन्होंने सुप्रीम कोई का दरवाजा खटखटाया है.

आर्किटेक्ट विनोद सिंह ने अग्रिम जमानत अर्जी वापस लेने के लिए दायर की याचिका

रांची। लैंड स्कैम केस के आरोपी और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के सहयोगी आर्किटेक्ट विनोद सिंह ने

अपनी अग्रिम जमानत याचिका वापस लेने के लिए याचिका दायर की है. विनोद सिंह ने अपने अधिवक्ता के माध्यम से रांची पीएमएलए (प्रीवेन्शन ऑफ़ मनी लाउंड्रिंग एक्ट) की विशेष कोर्ट में याचिका दाखिल कर अपनी अग्रिम ज़मानत अर्जी वापस मांगी है. ईडी ने हेमंत सोरेन से जुड़े लैंड स्कैम केस में प्रॉसिक्यूशन कम्प्लेन (पीसी) दायर की है. जिसमें विनोद सिंह को भी अभियुक्त बनाया गया है. ईडी की पीसी पर कोर्ट ने संज्ञान भी ले लिया है. इस केस के प्रमुख आरोपी मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन हाईकोर्ट से बेल मिलने के बाद जमानत पर बाहर हैं और बड़गाईं अंचल के हल्का कर्मचारी भानु प्रताप फिलहाल बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार में न्यायिक हिरासत में बंद हैं.

2300 रुपए की वसूली मामले में सीआईडी जांच का आदेश दिया

रांची। संथाल परगना के पाकुड में अवैध पत्थर लोड प्रति ट्रक से 2300 रुपए की वसूली मामले में सीआईडी ने जांच का आदेश दिया है. सीआईडी मुख्यालय ने पाकुड के सीआईडी प्रभारी को दिये आदेश में कहा है कि पाकुड़ जिले के हिरणपुर थाना क्षेत्र स्थित श्यामनगर चेक पोस्ट से अवैध खनन, अवैध परिवहन और 2300 रुपये की अवैध वसूली से संबंधित सूचना मिली है. आदेश दिया जाता है कि इस मामले की सुस्पष्ट जांच कर जांच प्रतिवेदन समर्पित करें. मीडिया में छपी खबरों के मुताबिक श्यामनगर चेकपोस्ट से रोजाना लाखों रुपए के सरकारी राजस्व की चोरी हो रही है.

दी जानकारी जेएसएससी ने हाईकोर्ट को बताया

वेबसाइट पर जारी होगी मेरिट लिस्ट व कट ऑफ मार्क्स

संवाददाता। रांची

जेएसएससी द्वारा वर्ष 2016 में हाईस्कूल शिक्षक नियुक्ति विज्ञापन का राज्य स्तरीय मेरिट लिस्ट जारी करेगा. सोमवार को झारखंड हाईकोर्ट में यह जानकारी जेएसएससी की ओर से दी गई है. झारखंड हाईकोर्ट में जेएसएससी की ओर से यह बताया गया कि राज्य स्तरीय मेरिट लिस्ट अपनी वेबसाइट पर 10 दिन में अपलोड कर देगा. इसके साथ ही कमीशन कट ऑफ मार्क्स भी अपनी वेबसाइट पर जारी करेगा. कोर्ट ने जेएसएससी को निर्देश दिया है कि वह सुप्रीम कोर्ट के आदेश के आलोक में राज्य स्तरीय मेरिट लिस्ट जारी करे. अब हाईकोर्ट में इस मामले की अगली सुनवाई 5 सितंबर को होगी. बता दें कि झारखंड हाईकोर्ट ने पूर्व में जेएसएससी को वर्ष 2016 के हाईस्कूल शिक्षक नियुक्ति विज्ञापन के आलोक में राज्य स्तरीय मेरिट जारी करने का निर्देश दिया था. मामले में मीना कुमारी समेत सात अभ्यर्थियों ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की है. हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस दीपक रौशन की कोर्ट में इस मामले की सुनवाई हुई. जेएसएससी की ओर से अधिवक्ता संजॉय पिपरवाल और प्रिंस कुमार ने बहस की.

सरकारी कर्मियों को बच्चों के लिए मिल सकता है एजुकेशन भत्ता

- राज्य सरकार कर रही विचार, दूसरे राज्यों से मांगी जानकारी
- केंद्र के कर्मियों के बच्चे के लिए 2250 रुपये मिलता है भत्ता

रांची। झारखंड के सरकारी कर्मियों को अपने बच्चों को पढ़ाने के लिए एजुकेशन भत्ता दिया जा सकता है. राज्य सरकार इस पर विचार कर रही है. केंद्र सरकार, छठे व सातवें वेतन आयोग लागू होने के बाद अपने कर्मियों के बच्चे को एजुकेशन भत्ता के रुप में 2250 रुपये देती है. झारखंड के सरकारी कर्मी भी इसी आधार पर एजुकेशन भत्ता की मांग करते रहे हैं. इसी मद्देनजर दो अप्रैल और 10 जून को सरकार ने विभिन्न राज्यों के वित्त विभाग को पत्र लिख कर एजुकेशन भत्ता के बारे में जानकारी मांगी थी. साथ ही सरकार के स्तर पर इस योजना के वित्तिय प्रभावों पर भी विचार किया जा रहा है. जानकारी के मुताबिक बिहार, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश व पंजाब में सरकारी कर्मियों के बच्चों की पढ़ाई के लिए एजुकेशन भत्ता देने का कोई प्रावधान नहीं है. जबकि उत्तर प्रदेश, नागालैंड, केरल व हरियाणा में सरकारी कर्मियों के बच्चों के लिए अलग-अलग राशि एजुकेशन भत्ता के तौर पर दी जाती है. सिर्फ एक राज्य तमिलनाडु में केंद्र सरकार की तरह ही राज्य के कर्मियों को चिल्ड्रेन एजुकेशन भत्ता दिया जाता है.

क्लासिफाइड

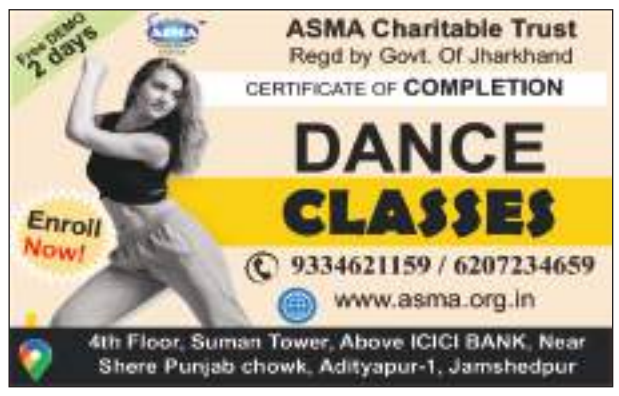

तापमान
29.8° अधिकतम | 23.1° न्यूनतम

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | रांची, मंगलवार 06 अगस्त 2024 | श्रावण शुक्ल पक्ष 02 संवत 2081 | पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ | वर्ष : 2, अंक : 119 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

बाबाधाम: तीन लाख भक्तों ने जलाभिषेक किया

देवघर/रांची। सावन की तीसरी सोमवारी को बाबा बैद्यनाथ धाम मंदिर में जलाभिषेक करने के लिए सुबह से ही श्रद्धालुओं की लंबी लाइन देखने को मिली. इस अवसर पर करीब तीन लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं ने शिवलिंग पर जलाभिषेक किया. तीसरी सोमवारी पर बाबा नगरी में कई अनोखे भक्त भी देखने को मिले. कोलकाता से 10 कांवड़ियों का एक जत्था अब तक का सबसे लंबा 15 फीट का कांवड़ लेकर यहां पहुंचा था. इस कांवड़ में 100 घंटियां, कलश और नागफन लगे हुए थे. वहीं, श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते जिला प्रशासन भी मुस्तैद दिखा.

डीएमएफटी फंड का दुरूपयोग : बोकारो सदर अस्पताल में सिविल सर्जन और जिला प्रशासन की मिलीभगत से हुआ बड़ा खेल

अधिक रेट कोट करने वाली एल-2 कंपनी से खरीदी अल्ट्रासोनोग्राफी मशीन

प्रवीण कुमार। रांची

- अल्ट्रासोनोग्राफी मशीन के लिए एल-1 कंपनी ने 18.48 लाख का रेट किया था कोट
- एल-2 कंपनी ने मशीन का एक हिस्सा हटा कर 6.83 लाख के अंतर को पाट दिया

राज्य में डीएमएफटी फंड के दुरुपयोग के कई मामले सामने आते रहे हैं. बोकारो जिला में भी डीएमएफटी फंड खर्च करने में कुछ खास लोगों को लाभ पहुंचाने के मकसद से नियमावली की शर्तों का खुल कर उल्लंघन किया गया है. मामला बोकारो सदर अस्पताल में अल्ट्रासोनोग्राफी मशीन खरीद से जुड़ा है. डीएमएफटी फंड से नई अल्ट्रासोनोग्राफी मशीन खरीदने की स्वीकृति मिली.

इसके लिए बोकारो के सिविल सर्जन की अध्यक्षता में क्रय समिति बनायी गयी. मशीन की आपूर्ति करनेवाली कंपनियों ने 4डी कनवेक्स प्रोव जांच 4.0-7 ओएमएचजेड के लिए निविदा भरी, लेकिन एल-1 रही कंपनी से मशीन न खरीद कर एल-2 रही कंपनी से खरीदारी कर ली गयी. एल-2 कंपनी ने 6.83 लाख के बदले मशीन का एक हिस्सा वापस ले लिया. विशेषज्ञों के मुताबिक, मशीन के इस हिस्से के बिना विश्वसनीय स्कैनिंग संभव ही नहीं है.

सिविल सर्जन ने मशीन के 6.83 लाख लागतवाले हिस्से को वापस किया

पूरे मामले में पेच फंस जाने के बाद आपूर्तिकर्ता द्वारा दी गई मशीन में से 6.83 लाख की लागत वाला एक हिस्सा 4-डी कन्वेक्शन प्रूफ जांच 4.07 ओएमएचजेड को एल टू वाली आपूर्तिकर्ता कंपनी को वापस कर दिया गया. यह मशीन का वह हिस्सा है, जिसके बिना पेट की गहराई तक स्कैन करना संभव नहीं हो पाता.

एल-2 कंपनी को लाभ पहुंचाने के लिए 18.48 लाख रुपये में अधूरी मशीन की खरीदारी की

बोकारो के सिविल सर्जन की अध्यक्षता वाली जिला क्रय समिति ने 18.48 लाख में मशीन की आपूर्ति की तकनीकी स्वीकृति एल-1 वाली कंपनी को दी थी. लेकिन एल-2 रही कंपनी, जिसने 25.31 लाख रेट कोट किया था, उसे लाभ पहुंचाने के लिए मशीन आपूर्ति का आर्डर दे दिया गया. एल-1 कंपनी के लिए बोकारो के उप विकास आयुक्त ने मशीन खरीद की फाइल पर लिखा था कि तकनीकी योग्यता के संबंध में सभी दस्तावेज संचिका में उपलब्ध हैं. इसके बाद जिला क्रय समिति को मामला फंसता हुआ नजर आया. इसलिए, बीच का रास्ता निकालने के लिए एल-1 आपूर्तिकर्ता द्वारा दी गई निविदा दर पर भुगतान करने का निर्णय हुआ, जो एल-2 कंपनी से 6.83 लाख रुपये कम था.

ब्रीफ खबरें

प्रोजेक्ट भवन में कैबिनेट की बैठक कल होगी

रांची। हेमंत सोरेन सरकार के मंत्रिमंडल सात अगस्त को होगी. यह बैठक शाम के चार बजे से प्रोजेक्ट भवन सभागार में होगी. इस दौरन कई अहम प्रस्तावों को मंजूरी प्रदान की जाएगी. बैठक की अध्यक्षता मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन करेंगे.

विधानसभा थाना क्षेत्र से शव बरामद

रांची। विधानसभा थाना क्षेत्र के नयासराय रिंग रोड के पास से सोमवार की सुबह एक व्यक्ति शव बरामद हुआ है. बताया जा रहा है कि उक्त व्यक्ति पुंदाग ओपी क्षेत्र स्थित अपने घर से आश्रम में इलाज कराने आया था. इसी बीच सोमवार की सुबह स्थानीय लोगों ने झाड़ी में उसका शव देखा, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गयी. घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज भेज दिया. उस व्यक्ति की मौत कैसे हुई, अब तक इसके पीछे की सही वजह सामने नहीं आ पायी है. फिलहाल, पुलिस हर बिंदु पर जांच कर रही है.

अधिवक्ता हत्याकांड पर हाईकोर्ट का स्वतः संज्ञान

रांची। सिविल कोर्ट के अधिवक्ता गोपाल कृष्ण की दिनदहाड़े हुई हत्या पर झारखंड हाई कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लिया है. सोमवार को हाईकोर्ट के निर्देश पर डीजीपी अनुराग गुप्ता, रांची एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा एवं कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोय अदालत में उपस्थित हुए. सभी अधिकारियों ने मामले में अब तक की गयी कार्रवाई की जानकारी कोर्ट को दी. बताया कि एसआईटी गठन कर इस केस की जांच की जा रही है और हत्यारों को गिरफ्तारी कर लिया गया है. विक्टिम कंपनसेशन योजना के तहत अधिवक्ता के परिवार को आर्थिक सहायता भी पहुंचाई जाएगी. इस मामले की अगली सुनवाई के लिए अदालत ने तीन सप्ताह बाद की तिथि निर्धारित की है.

मुख्यमंत्री ने कर्मियों के लिए 'उपस्थिति पोर्टल' का शुभारंभ किया

जिला अस्पतालों को 24×7 ऑपरेशनल बनाएं : हेमंत

विशेष संवाददाता। रांची

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन प्रोजेक्ट भवन में स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग की ओर से स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत कार्यरत सभी चिकित्सकों, पारा कर्मी, संविदा पर कार्यरत कर्मी तथा अन्य कर्मियों की दैनिक उपस्थिति सुनिश्चित करने करने के लिए 'उपस्थिति पोर्टल'का शुभारंभ किया. इससे अब कर्मियों को अपनी उपस्थिति बनाने में काफी सहूलियत होगी.

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के जिला अस्पतालों को 24×7 ऑपरेशनल बनाने के लिए समुचित कदम उठाए जाएं. इसके तहत इन अस्पतालों में विशेषज्ञ चिकित्सकों के साथ सभी तरह की सर्जरी की व्यवस्था होनी चाहिए, ताकि मरीजों को किसी दूसरे अस्पताल के लिए रेफर करने की नौबत नहीं आए. उन्होंने कहा कि जिला अस्पतालों के ओपीडी में भी मरीज को विशेषज्ञ चिकित्सकों का परामर्श मिल सके इस दिशा में भी पहल करें.

मौके पर स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता, मुख्य सचिव एल ख्यांगते, मुख्यमंत्री के अपर प्रधान सचिव अविनाश कुमार, स्वास्थय सचिव अजय कुमार सिंह आदि मौजूद थे.

कर्मियों की बायोमेट्रिक उपस्थिति का क्रॉस वेरिफिकेशन होगा : मुख्यमंत्री ने कहा कि इस पोर्टल के जरिए स्वास्थ्य विभाग के कर्मियों द्वारा दर्ज की जा रही बायोमेट्रिक उपस्थिति का क्रॉस वेरिफिकेशन किया जाएगा. मुख्यमंत्री ने पोर्टल का शुभारंभ करते हुए कहा कि राज्य की स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने तथा झारखंड राज्य के सभी व्यक्तियों को स्वास्थ्य संबंधी सुलभ और बेहतर सुविधा प्रदान करने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है.

सभी श्रेणी के अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्र को मजबूत करने की हो रही पहल : मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्यवासियों को सरकारी अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्र में बेहतर चिकित्सीय सुविधा उपलब्ध कराने के लिए सरकार लगातार प्रयास कर रही है. इस सिलसिले में स्वास्थ्य उप केंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, कम्युनिटी हेल्थ सेंटर, अनुमंडलीय अस्पताल, जिला अस्पताल और मेडिकल कॉलेज एवं अस्पतालों में रखरखाव, मरम्मत, चिकित्सा संसाधन, जांच सुविधा और दवाइयां की व्यवस्था की जा रही है. उन्होंने कहा कि सरकारी अस्पताल में आने वाले मरीजों को बेहतर जांच और चिकित्सा सुविधा मिले, स्वास्थ्य विभाग इसे सुनिश्चित करे.

प्रोजेक्ट भवन में अधिकारियों के साथ समीक्षा करते सीएम हेमंत सोरेन.

जिला अस्पतालों से संपर्क सिस्टम बनाएं

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्राथमिक स्वास्थ्य उप केंद्रों और स्वास्थ्य केंद्रों का जिला अस्पतालों से 24 घंटे संपर्क स्थापित करने की व्यवस्था बनाएं. ताकि, अगर कोई मरीज स्वास्थ्य केंद्रों में इलाज के लिए आता है और उसे बेहतर इलाज की जरूरत हो, तो उसे जिला अस्पताल तक लाने की पूरी व्यवस्था हो सके.

अस्पतालों में मानव संसाधनों का बेहतर इस्तेमाल हो

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के प्राथमिक स्वास्थ्य उप केंद्र से लेकर जिला अस्पताल में जो मानव संसाधन उपलब्ध हैं, उसकी शत-प्रतिशत उपयोगिता सुनिश्चित होनी चाहिए. अस्पतालों की जरूरत के हिसाब से मानव संसाधन उपलब्ध कराया जाए. अगर किसी एक अस्पताल से दूसरे अस्पताल में चिकित्सा और चिकित्सा कर्मियों की सेवा लेने की जरूरत हो, तो उस दिशा में भी उचित कदम उठाये जाने चाहिए. लेकिन इसमें इस बात का ध्यान भी रखना जरूरी है कि जिस अस्पताल से चिकित्सकों की सेवा दूसरे अस्पताल में ली जा रही है, वहां की चिकित्सीय व्यवस्था प्रभावित नहीं होनी चाहिए.

मॉनिटरिंग की व्यवस्था होनी चाहिए

हेमंत सोरेन ने कहा कि अक्सर शिकायतें मिलती है कि स्वास्थ्य केंद्र और अस्पतालों में चिकित्सक ड्यूटी के दौरान भी उपलब्ध नहीं होते हैं.ऐसे में मरीज को परेशानियों का सामना करना पड़ता है. उन्होंने कहा कि अस्पतालों में चिकित्सकों और चिकित्सा कर्मियों की उपस्थिति की निगरानी की पुख्ता व्यवस्था होनी चाहिए. निजी अस्पतालों की तरह सरकारी अस्पतालों में हॉस्पिटल मैनेजमेंट सिस्टम, सीसीटीवी और वाई-फाई की व्यवस्था होनी चाहिए. साथ ही जिला एवं मुख्यालय स्तर पर इसकी निरंतर निगरानी भी की जानी चाहिए.

मंइयां सम्मान योजना का विशेष कैंप अब 15 तक

सीएम ने तकनीकी समस्याओं को शीघ्र दूर करने को कहा

विशेष संवाददाता। रांची

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने 'झारखंड मुख्यमंत्री मंइयां सम्मान योजना' की शुरुआत होने के बाद अपने 'एक्स' हैंडल पर पोस्ट कर झारखंड की बहनों को बहुत-बहुत बधाई दी है. उन्होंने कहा कि योजना का लाभ लेने में बहनों को आ रही शुरुआती परेशानी के बारे में उन्हें जानकारी मिली है. तकनीकी समस्याओं के त्वरित निवारण के लिए उन्होंने निर्देश दिया है. इस मामले को लेकर वरीय पदाधिकारियों की भी बैठक हुई है. योजना को लेकर दिख रहे उत्साह को लेकर पूरे राज्य में प्रज्ञा केंद्रों की संख्या बढ़ाने का भी निर्देश दिया गया है.

विशेष कैंप के बाद प्रज्ञा केंद्र से भी उठा सकते हैं लाभ : सीएम ने कहा कि सभी बहनों को यह बताना चाहता हूं कि यह हमेशा चलने वाली योजना है. योजना का लाभ लेने के लिए कोई समय सीमा नहीं है. विशेष कैंप के आयोजन के बाद भी जरूरतमंद बहनें कभी भी अपने नजदीकी प्रज्ञा केंद्र में जाकर इस योजना का लाभ ले सकेंगी. बहनों को योजना का आसानी से लाभ मिले, इसलिए 10 अगस्त तक लगाए गए विशेष कैंप को पांच दिन आगे बढ़ाने का निर्देश दिया गया है. यानी कि राज्यभर में अब 15 अगस्त विशेष कैंप का आयोजन किया जाएगा. इसके बाद भी बहनें अपनी सुविधानुसार योजना का लाभ ले सकती हैं.

बिचौलिए की सूचना मिलते ही प्रशासन कार्रवाई करे : हेमंत सोरेन ने कहा है कि उन्हें यह भी जानकारी मिली है कि योजना में बहनों को मिल रहे लाभ को देखते हुए कहीं-कहीं कुछ बिचौलिए भी सक्रिय हो गए हैं. उन्होंने कहा कि वह सभी को बताना चाहते हैं कि इस योजना की पूरी प्रक्रिया निःशुल्क है, इसलिए बिचौलियों से सावधान रहें. उन्होंने सभी जिले के प्रशासन को निर्देश दिया है कि कहीं भी बिचौलियों की सूचना मिले, तो उनपर कड़ी कार्रवाई करें. उन्होंने कहा कि इस योजना से राज्य की लाखों बहनों को हर साल 12 हजार रुपये मिलेंगे. झारखंड मुख्यमंत्री मंइयां सम्मान योजना और उनका भी यही लक्ष्य है.

मुख्यमंत्री बोले

- कैंप के बाद भी योजना का कभी भी लाभ ले सकेंगी महिलाएं
- योजना की पूरी प्रक्रिया निःशुल्क बिचौलियों से सावधान रहें

महिलाएं जिस दिन 21 की हुईं, लाभ मिलने लगेगा

रांची। सीएम हेमंत सोरेन ने सोमवार को प्रोजेक्ट भवन में कहा कि हमने महिला सशक्तीकरण को लेकर मंइयां सम्मान योजना लायी है. इस योजना का रूझान इतना अधिक है कि सिस्टम थोड़े से कमजोर पड़ जा रहे हैं. हालांकि, किसी भी काम की शुरुआत में कुछ दिक्कतें आती हैं, जो आगे के लिए बेहतर होता है. सभी चीजों को ध्यान में रखते हुए राज्य की 50 लाख महिलाओं को सालाना 12 हजार देने का निर्णय लिया है. सीएम ने कहा कि जिस दिन जो महिला 21 साल की होंगी, उसी दिन से वह इस योजना के लिए योग्य हो जाएंगी और लाभ मिलना शुरू हो जाएगा.

दारोगा हत्याकांड: तीन दिन बाद भी अपराधी पहुंच से दूर

आईजी ने घटनास्थल पर की जांच, होटल मालिक से पूछताछ

घटनास्थल पर होटल मालिक से पूछताछ करते आईजी अखिलेश झा.

संवाददाता। रांची

कांके थाना क्षेत्र के संग्रामपुर रिंग रोड में स्पेशल ब्रांच के दारोगा अनुपम कच्छप की हत्या के तीन दिन बाद भी पुलिस को अपराधियों के बारे में कोई ठोस जानकारी नहीं मिल पाई है. सोमवार की शाम रांची जोन के आईजी अखिलेश झा घटनास्थल पर पहुंचे. उन्होंने घटना वाली रात यानी शुक्रवार को जिस होटल में पार्टी हुई थी, उसके मालिक से पूछताछ की. मौके पर मौजूद पुलिस पदाधिकारियों को कई बिंदुओं पर जांच के निर्देश भी दिये. आईजी ने कहा कि एसआईटी को कुछ सुराग मिले हैं, जिस पर जांच चल रही है. पुलिस जल्द ही इस हत्याकांड का खुलासा करेगी.

कई बिंदुओं पर जांच कर रही है पुलिस

इस मामले की जांच के क्रम में पुलिस ने दारोगा अनुपम कच्छप के परिवारवालों से भी बात की है. परिजनों ने विवाद के कुछ बिंदुओं पर जानकारी दी है. पुलिस की टीम सत्यापन कर रही है कि कहीं पारिवारिक विवाद में तो दारोगा की हत्या नहीं हुई है. इसके अलावा अनुपम के दोस्तों का मोबाइल नंबर भी लिया गया है. हत्याकांड की गुत्थी सुलझाने के लिए पुलिस जमीन विवाद और विभागीय काम की वजह से किसी से दुश्मनी के बिंदु पर भी जांच कर रही है.

आजीवन सजा काट रहे 39 कैदियों की होगी रिहाई

मुख्य संवाददाता। रांची

- सीएम ने झारखंड राज्य सजा पुनरीक्षण पर्षद की बैठक में दी स्वीकृति

झारखंड के विभिन्न जेलों में आजीवन सजा काट रहे 39 कैदी रिहा होंगे. यह निर्णय सोमवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में हुई झारखंड राज्य सजा पुनरीक्षण पर्षद की 31वीं बैठक लिया गया. बैठक में राज्य के विभिन्न कारागारों में आजीवन सजा काट रहे 74 कैदियों के रिहाई से संबंधित समीक्षा की गई. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राज्य सजा पुनरीक्षण पर्षद की अनुशंसा के आलोक में राज्य के विभिन्न कारागारों में आजीवन सजा काट रहे 74 कैदियों के कारामुक्ति के लिए अधिकारियों के साथ गहन विचार-विमर्श एवं समीक्षा की. तदोपरांत, 39 कैदियों को रिहा करने के निर्णय पर स्वीकृति दी.

रिहा हुए कैदियों के आय सृजन की योजना बनाएं : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि राज्य के विभिन्न कारागारों में आजीवन सजा काट कर रिहा हुए कैदियों की पारिवारिक पृष्ठभूमि के अलावा सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति का सत्यापन अवश्य करें. साथ ही इन कैदियों के आय सृजन के लिए विशेष कार्य योजना बनाएं और इन्हें कौशल विकास कार्यक्रम से जोड़े. इन कैदियों को रोजगार से जोड़ने के लिए डेयरी फार्म, मुर्गी फार्म, पशुपालन आदि योजनाओं का लाभ दिलाएं. मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि रिहा होने वाले वैसे कैदी, जिनकी उम्र अधिक हो चुकी है, उनकी पारिवारिक स्थिति की जानकारी लें. रिहा हुए कैदियों को समाज के मुख्यधारा से जोड़ना हम सभी की नैतिक जिम्मेदारी है.

परेशानी कार्यालयों में प्रमाण पत्र व राशन कार्ड बनाने का काम ठप पड़ा, कई काम पेंडिंग

समाहरणालय संवर्ग के कर्मचारी 15वें दिन भी हड़ताल पर

- प्रतियोगिता परीक्षाओं के फॉर्म नहीं भर पा रहे अभ्यर्थी

संवाददाता। रांची

राज्य भर में समाहरणालय संवर्ग के कर्मचारी 15वें दिन भी हड़ताल पर हैं. इसका खामियाजा सीधे तौर पर आम जनता को भुगतना पड़ रहा है. रांची समाहरणालय के कार्यालयों में अपना काम कराने के लिए हर दिन सैकड़ों लोग चक्कर लगा रहे हैं, लेकिन कर्मचारियों के हड़ताल की वजह से उन्हें निराश होकर लौटना पड़ रहा है. हड़लाल की वजह से जाति, आय, आवासीय, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, राशन कार्ड सहित कई काम पेंडिंग हैं.जाति, आय,आवासीय प्रमाण पत्र नहीं बनने से युवा अभ्यर्थी प्रतियोगिता परिक्षाओं के फॉर्म नहीं भर पा रहे हैं. समय से प्रमाण पत्र नहीं बना, तो प्रतिभागी जेटेट सहित अन्य परीक्षा का फॉर्म भरने से वंचित हो जाएंगे. कई स्कूलों के नामांकन फार्म निकल चुके हैं. बच्चों का जन्म प्रमाण नहीं बनने के कारण अभिभावक अपने बच्चों का फॉर्म नहीं भर पा रहे हैं. समाहरणालय संवर्ग के कर्मचारियों के हड़ताल पर रहने के कारण 30 हजार से भी अधिक प्रमाण पत्र का काम ठप पड़ गया है.

कर्मियों ने आंदोलन को और तेज करने की चेतावनी दी : हड़ताल पर गये समाहरणालय कर्मियों ने आंदोलन को और तेज करने की चेतावनी दी है. झारखंड अनुसूचीय समिति के चितरंजन कुमार ने कहा कि कर्मचारियों की जायज मांगों को सरकार शीघ्र पूरा करे.

आम लोगों की परेशानी बढ़ी, नहीं बन पा रहा प्रमाण पत्र

इस बीच अपने काम को लेकर सोमवार को रांची समाहरणालय पहुंची कचहरी चौक के पास रहनेवाली आरती देवी ने कहा कि पिछले 15 दिन से अपने दिवंगत परिजन का मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने के लिए दौड़ रहे हैं, लेकिन हड़ताल की वजह से अब तक नहीं बन पाया है. वहीं, आज बस्ती निवासी मो हुसैन ने कहा कि राशन कार्ड बनवाने के लिए रोज समाहरणालय आ रहे हैं, लेकिन हड़ताल के कारण कोई भी कर्मचारी कार्यालय नहीं आ रहे हैं और उन्हें निराश होकर लौटना पड़ता है.

जमीन माफिया कमलेश की रिमांड अवधि और पांच दिन बढ़ी

ईडी उगलवाएगी कई और राज

संवाददाता। रांची

- जमीन घोटाला मामले में और गहन पूछताछ करेगी केंद्रीय जांच एजेंसी
- ईडी ने 31 जुलाई को कमलेश को पांच दिनों की रिमांड पर लिया था
- पीएमएलए कोर्ट से रिमांड की अवधि बढ़ाने का ईडी ने किया था आग्रह

जमीन माफिया कमलेश कुमार की रिमांड अवधि सोमवार को पांच दिन के लिए और बढ़ा दी गई है. इससे पहले ईडी ने कमलेश को 31 जुलाई को पांच दिनों की रिमांड पर लिया था. रविवार को रिमांड अवधि खत्म होने के बाद पीएमएलए कोर्ट से फिर उसकी रिमांड अवधि बढ़ाने का आग्रह किया था, जिसके बाद उसकी रिमांड अवधि और पांच दिन बढ़ा दी गई. ईडी ने पीएमएलए कोर्ट को बताया कि कमलेश से अभी पूरी पूछताछ नहीं हो सकी है. कांके अंचल स्थित कई जमीनों के दस्तावेजों में हुए फर्जीवाड़ा मामले में गवाहों व संदिग्धों को समन किया गया है, जिनसे पूछताछ होनी है. इसलिए, कमलेश की रिमांड बढ़ाई जाए. ईडी के तर्क पर विचार के बाद कोर्ट ने और पांच दिनों तक पूछताछ की अनुमति दे दी. ईडी ने 21 जून को कमलेश के कांके रोड स्थित फ्लैट व कोकर स्थित आवास में छापेमारी की थी, जहां से ईडी ने एक करोड़ रुपए नगद, 100 कारतूस और कई जमीन के दस्तावेज को जब्त किया था.

कमलेश कुमार.

छापेमारी के दिन से ही कमलेश फरार था : छापेमारी के दिन से ही कमलेश फरार चल रहा था. उसे ईडी ने छह समन किया था. छठे समन पर जब वह ईडी कार्यालय पहुंचा, तो उसे पूछताछ के बाद 26 जुलाई की रात आठ बजे गिरफ्तार किया गया था. ईडी से पूछताछ में कमलेश लगातार राज उगल रहा है. उसने बताया है कि कई सफेदपोश और प्रभावशाली लोग उसके सिंडिकेट को संरक्षण देते हैं.

स्वतंत्रता दिवस समारोह के आयोजन की तैयारी को लेकर उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा ने की बैठक, दिया निर्देश

मोरहाबादी मैदान में वाटरप्रूफ पंडाल, गैलरी, कुर्सी की व्यवस्था करें

संवाददाता। रांची

डीसी राहुल कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में सोमवार को समाहरणालय में स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारी को लेकर बैठक हुई. मोरहाबादी मैदान में आयोजित होने वाले स्वतंत्रता दिवस समारोह की सभी तैयारियों के संबंध में दिशा निर्देश डीसी ने दिए. डीसी ने आगंतकों के लिए मैदान के दायीं और बायीं ओर वाटरप्रूफ पंडाल, गैलरी, कुर्सी की व्यवस्था, मैदान समतलीकरण एवं बैरिकेटिंग, स्टेज एवं साउंड बॉक्स के लिए टॉवर निर्माण की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिये. कार्यपालक अभियंता विद्युत कार्य प्रमंडल, रांची को विद्युत व्यवस्था एवं साउंड प्रूफ जेनरेटर की व्यवस्था, कार्यक्रम स्थल में पेयजल आपूर्ति व्यवस्था, वीआईपी टॉयलेट की व्यवस्था, परेड पूर्वाभ्यास में भाग लेने वाले कैडेटों के लिए मैदान में अस्थायी शौचालय की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश कार्यपालक अभियंता, पेयजल व स्वच्छता विभाग वितरण प्रमंडल को दिया.

बैठक में वरीय पुलिस अधीक्षक चंदन कुमार सिन्हा, उप विकास आयुक्त दिनेश कुमार यादव, नगर पुलिस अधीक्षक राजकुमार मेहता, अनुमंडल पदाधिकारी सदर उत्कर्ष कुमार, परीक्ष्यमान सहायक दण्डाधिकारी -सह- सहायक समाहर्ता आदित्य पांडेय, विशिष्ट अनुभाजन पदाधिकारी, जिला आपूर्ति पदाधिकारी, एल. आर.डी.सी. रांची, जिला नजारत उपसमाहर्त्ता, जिला परिवहन पदाधिकारी, सिविल सर्जन सदर रांची, जिला पंचायती राज पदाधिकारी, पुलिस उपाधीक्षक यातायात, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, कार्यपालक अभियंता भवन प्रमंडल-1 एवं कार्यपालक अभियंता विद्युत कार्य प्रमंडल, रांची, सहित अन्य संबंधित पुलिस-प्रशासनिक पदाधिकारी मौजूद रहे.

स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारी को लेकर बैठक करते उपायुक्त.

मोरहाबादी जानेवाली सड़कों की मरम्मत-सफाई करवाएं

डीसी ने सम्बंधित अधिकारी को मोरहाबादी की ओर जानेवाली सड़कों की मरम्मत एवं साफ सफाई, चिकित्सा मेडिकल कैंप और अग्निशमन की व्यवस्था को लेकर पूरी तैयारी ससमय कराने का निर्देश दिया. डीसी ने सिविल सर्जन को मोरहाबादी मैदान में कार्यक्रम के दौरान चिकित्सा व्यवस्था और मेडिकल कैंप एवं एम्बुलेंस की व्यवस्था, जिला अग्निशमन पदाधिकारी रांची को कार्यक्रम स्थल पर अग्निशमन व्यवस्था आवश्यक रूप से सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया.

ब्रीफ खबरें

दुष्कर्म के दोषी को 10 साल जेल की सजा

रांची। रांची सिविल कोर्ट ने युवती के साथ दुष्कर्म करने के दोषी वरुण सिंह को दस वर्ष सश्रम कारावास की सजा सुनायी है. इसके साथ ही कोर्ट ने वरुण पर एक लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है. जुर्माना की राशि नहीं देने पर दोषी को अतिरिक्त सजा काटनी पड़ेगी. कोर्ट ने गुरुवार को वरुण को दोषी करार दिया था. सोमवार को उसकी सजा की बिंदु पर सुनवाई हुई. पीड़िता द्वारा दर्ज करवाई गई प्राथमिकी के मुताबिक, वरुण ने उसे कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर पिला दिया, फिर उसके साथ दुष्कर्म किया और उसका वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करता था. इस संबंध में लालपुर थाना में प्राथमिकी दर्ज करवाई गई थी.

अन्नपूर्णा सेवा में 500 लोगों ने किया भोजन

रांची। जिला मारवाड़ी सम्मेलन के द्वारा संचालित पहाड़ी मंदिर रोड स्थित श्री लक्ष्मी वेंकटेश्वर अन्नपूर्णा सेवा 285 लोगों ने भोजन प्राप्त किया. रांची जिला मारवाड़ी सम्मेलन के द्वारा संचालित पुरुलिया रोड स्थित स्वर्णभूमि अन्नपूर्णा सेवा केंद्र में 215 लाभुकों ने भोजन प्राप्त किया. दोनों अन्नपूर्णा सेवा मे 500 लोगों ने भोजन किया. अन्नपूर्णा सेवा के संयोजक सुरेश चंद्र अग्रवाल ने कहा कि माता अन्नपूर्णा लोगों को इसी प्रकार सेवा करने की प्रेरणा प्रदान करें.

विधिक मामलों के प्रबंधन के लिए सॉफ्टवेयर लांच

रांची। सोमवार को सीसीएल सीएमडी नीलेन्दु कुमार सिंह ने न्यायालयीन मामलों के प्रबंधन के लिए एक सॉफ्टवेयर लिटिगेशन मैनेजमेंट सिस्टम (एलएमएस) लॉन्च किया. इस अवसर पर निदेशक (वित्त) पवन कुमार मिश्रा, सीवीओ पंकज कुमार, महाप्रबंधक (सिस्टम) विनय एस महाराज, विभागाध्यक्ष (विधि) वी पी जोबी, और सीसीएल के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे. एलएमएस से प्रबंधन को लंबित मुकदमों की निगरानी करने में सुगमता प्रदान करेगा.

बैरिकेडिंग बनी मुसीबत लग रहा है लंबा जाम

रांची। रांची के मोरहाबादी मैदान के चारों तरफ सुरक्षा के दृष्टिकोण से बैरिकेडिंग की गई है. इस बेरिकेडिंग से आम लोगों को काफी परेशानी हो रही है. मोरहाबादी मैदान में जगह-जगह पर बैरिकेडिंग कर सड़क को सिर्फ एक चार पहिया वाहन के आने जाने के लिए ही जगह छोड़ी गई है, जिससे दिन के समय उस रूट में चलने वाले लोगों को समस्या का सामना करना पड़ रहा है. स्कूल की छुट्टी और ऑफिस आवर में गाड़ियों की लम्बी लाइन इन बैरिकेडिंग के पास लग जाती है.

झारखंड आदिवासी महोत्सव : जिलास्तरीय पदाधिकारियों व इवेंट टीम के साथ बैठक

राज्य को उभारने का बेहतरीन मौका

संवाददाता। रांची

शहर के बिरसा मुंडा स्मृति उद्यान में 9 और 10 अगस्त को आयोजित होने वाले झारखंड आदिवासी महोत्सव-2024 की तैयारियों को लेकर सोमवार को कार्यक्रम स्थल में बैठक की गई. बैठक में रांची डीसी राहुल कुमार सिन्हा एवं आदिवासी कल्याण आयुक्त अजय नाथ झा द्वारा तैयारियों के संबंध में विस्तृत दिशा निर्देश सभी पदाधिकारी एवं इवेंट मैनेजमेंट कंपनी को दिए गए. डीसी ने कहा कि यह आदिवासी महोत्सव झारखंड राज्य को विश्व पटल पर उभारने का बेहतरीन मौका है. झारखंड की आदिवासी संस्कृति विश्व विख्यात है. इस महोत्सव में आदिवासी समाज की मूल संवेदना, उनकी आचार-व्यवहार प्रणाली, चिंतन पद्धति, उनकी शैक्षणिक, कृषि आर्थिक क्रियाओं को प्रधानता देते हुए उनकी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को प्रमुखता से प्रदर्शित किया जायेगा.

बैठक में रांची डीडीसी दिनेश कुमार यादव, परियोजना निदेशक आई.टी.डी.ए. संजय कुमार भगत, विशिष्ट अनुभाजन पदाधिकारी मोनी कुमारी, जिला परिवहन पदाधिकारी अखिलेश कुमार, जिला जन संपर्क पदाधिकारी उर्वशी पांडे, जिला उप समाहर्ता, भूमि सुधार रांची, श्री मुकेश कुमार, जिला आपूर्ति पदाधिकारी प्रदीप भगत, जिला सूचना विज्ञान पदाधिकारी राजीव रंजन, कार्यपालक अभियंता पेय जल स्वच्छता विभाग प., कार्यपालक अभियंता विधुत कार्य प्रमंडल रांची, विशेष विनीयमन पदाधिकारी मनीषा तिर्की, जिला नज़ारत उप समाहर्ता सुदेश कुमार, आदिवासी कल्याण आयुक्त के अधिकारी, इवेंट से जुड़े सभी पदाधिकारी उपस्थित रहे.

आदिवासी महोत्सव की तैयारियों को लेकर हुई बैठक के दौरान पदाधिकारी.

क्रमवार तैयारियों की समीक्षा

- डीसी ने लॉजिस्टिक एवं परिवहन, कार्यक्रम स्थल पर मुख्य मंच का निर्माण एवं दर्शक दीर्घा, मैदान की व्यवस्था, मीडिया, सोशल मीडिया, खेलकूद आयोजन, आईटी, चिकित्सा, भोजन एवं पेयजल, विद्युत व्यवस्था, कंट्रोल रूम, इन सभी पर क्रमवार समीक्षा करते हुए सम्बंधित अधिकारियों को कई आवश्यक दिशा निर्देश दिए.
- बिरसा मुंडा स्मृति उद्यान - सह- संग्रहालय में झारखंड आदिवासी महोत्सव 2024 की तैयारियां भव्य तरीके से चल रही हैं. मुख्य कार्यक्रम स्थल, प्रदर्शनी स्थल, फूड कोर्ट, सेमिनार के संदर्भ में तैयारी का जायज़ा लेते हुए संबंधित पदाधिकारियों को दिशा निर्देश दिए गए.

झारखंड आदिवासी महोत्सव 2024 का सोशल मीडिया पर रियल टाइम अपडेट होता रहेगा

दो दिवसीय राष्ट्र स्तरीय झारखंड आदिवासी महोत्सव के पल-पल की जानकारी सोशल मीडिया पर अपडेट करने का निर्देश सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के अधिकारियों को दिया गया। इवेंट मैनेजमेंट टीम के साथ समन्वय स्थापित करते हुए कार्यक्रम का लाइव अपडेट सोशल मीडिया पर उपलब्ध किया जायेगा.

विश्व आदिवासी महोत्सव पर अन्य राज्यों की आदिवासी संस्कृति का होगा समागम

आदिवासी कल्याण मंत्री ने कार्यशाला सह प्रदर्शनी का उद्घाटन किया.

विशेष संवाददाता। रांची

राज्य की हेमंत सोरेन सरकार के द्वारा गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी नौ एवं दस अगस्त को बड़े स्तर पर विश्व आदिवासी दिवस पर आदिवासी महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है. इसको लेकर आदिवासी कल्याण मंत्री दीपक बिरूआ ने बिरसा मुंडा स्मृति पार्क में झारखंड की चित्रकला शेली पर कार्यशाला सह प्रदर्शनी का उदघाटन नगाड़ा बजाकर किया. इस मौके पर उन्होंने कहा कि इस बार के आदिवासी महोत्सव में देश के कई राज्यों के आदिवासी संस्कृतियों का समागम होगा. कला-संस्कृति हमारी पहचान रही है. हम अपनी संस्कृति और परंपराओं को लेकर हमेशा संवेदनशील रहे हैं. झारखंड की आदिवासी कला व संस्कृति को और ज्यादा समृद्ध बनाने की जरूरत है.

नृत्य, गीत व परंपरा का भी होगा प्रदर्शन

विभागीय सचिव कृपानंद झा ने कहा कि इस आयोजन में नृत्य, गीत की परम्परा का भी प्रदर्शन होगा और पूरे देश की आदिवासी संस्कृति का समागम देखने को मिलेगा. कहा, हमें झारखंड की परंपरागत कला और संस्कृति को समृद्ध बनाने के लिए भी काम करना है.

आदिवासियत को सामने लाने का प्रयास है महोत्सव

कल्याण आयुक्त अजयनाथ झा ने कहा कि इस महोत्सव में झारखंड की आदिवासी संस्कृति को उकेरा जाएगा. चित्रकला के लिए एक बड़ा कैनवास लगाया जा रहा है, जिसपर आदिवासी संस्कृति से जुड़ी भावनाओं को महोत्सव में आने वाले लोग उकेर सकेंगे.

विभिन्न विभागों के बीच किया गया विचारों का आदान प्रदान

परामर्श करते विभागों के पदाधिकारी.

संवाददाता। रांची

नगर विकास और आवास विभाग के सहयोग से राज्य सरकार के सतत न्यायसंगत परिवर्तन पर गठित टास्क फोर्स और सीड के तत्वावधान पर 'जस्ट ट्रांजिशन फॉर सस्टेनेबल अर्बन हैबिटेट' पर सोमवार को परामर्श का आयोजन किया गया. जिसमें शामिल विभिन्न विभागों ने विचारों का आदान प्रदान किया. स्थायी आवास की जरूरत पर भी बल दिया गया. बताया गया कि टास्क फोर्स गहन अनुसंधान से संबंधित समर्थन तैयार करने के लिए प्रस्तावित मार्ग पर बड़े पैमाने पर शोध करने की दिशा में आगे बढ़ रही है. इसके स्थायी समाधान का प्रस्ताव दिये गये. तेजी से बढ़ती ऊर्जा की मांग को सौर ऊर्जा मांगों में बदलने पर बल दिया गया, साथ ही बढ़ते वाहनों के कारण उच्च उत्सर्जन पर चिंता जताई गई. जिसका समाधान ईवी और हरित हाइड्रोजन प्रौद्योगिकी के साथ की जा सकती है. परिवहन प्रणालियों में बदलाव की जरूरत बताई गई. शहरों में सुलभ बुनियादी ढांचे के प्रस्ताव के लिए जलवायु कार्य योजना बनाने के सुझाव दिये गये. विभिन्न स्त्रोतो से उत्पन्न अपशिष्ट धाराओं के लगातार निपटान के लिए कार्ययोजना बनाई जानी चाहिए. भवन और निर्माण क्षेत्र में उच्च कार्बन तीव्रता का आकलन किया जाना चाहिए, जिससे शहरी विकास की पहल पर्यावरण के प्रति संवेदनशील हो. प्रवासियों के आने से शहरी गरीबी बढ़ रही है.

परिवहन प्रणाली को बेहतर बनाने पर चर्चा

रांची। सोमवार को नगर निगम के प्रशासक अमित कुमार की अध्यक्षता में स्टेकहोल्डर मीटिंग का आयोजन किया गया. इस बैठक का उद्देश्य रांची नगर निगम क्षेत्र में परिचालित होने वाले कुल 244 डीजल एवं इलेक्ट्रिक बसों और फेयर कलेक्शन एजेंसी के चयन के संबंध में चर्चा करना एवं इक्छुक फ़र्मों से आवश्यक सुझाव प्राप्त करना था.

नगर निगम ने पूर्व में बस ऑपरेटर एजेंसी के चयन के लिए चार बार निविदा का प्रकाशन किया था, और फेयर कलेक्शन से संबंधित एजेंसी के चयन के लिए कुल पांच बार निविदा का प्रकाशन किया गया था, लेकिन आवश्यक संख्या में निविदादाताओं के माध्यम से निविदा प्राप्त नहीं हुई जिसके कारण पूरे देश में इस तरह के कार्य करने वाले एजेंसियों को बैठक में आमंत्रित किया गया ताकि इस तरह के कार्यों के लिए तकनीकी सुझाव प्राप्त किया जा सके. बैठक में 10 इच्छुक एजेंसियों ने ऑनलाइन और ऑफलाइन रूप में भाग लिया और इस संदर्भ में अपने सुझाव प्रस्तुत किए तथा आने वाले निविदा में आवश्यकता अनुसार संशोधन की भी आग्रह किया गया.

बिना डरे सभी रिपोर्ट सरकार के साथ करें साझा : सिविल सर्जन

बैठक के दौरान सिविल सर्जन डॉ. प्रभात कुमार व अन्य.

संवाददाता। रांची

स्वास्थ्य विभाग के तत्वावधान में सोमवार को पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप को लेकर जिला स्तरीय बैठक आयोजित हुई. सिविल सर्जन डॉ. प्रभात कुमार की अध्यक्षता में आयोजित बैठक का उद्देश्य निजी स्वास्थ्य केंद्रों और विभाग को एक मंच पर लाकर सभी स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करने के लिए व्यापक विचार विनिमय करके एक सर्व समावेशी स्वास्थ्य योजना का निर्माण करना था. साथ ही परिवार नियोजन कार्यक्रम को मज़बूत बनाने के लिए आधार तैयार करना था. सिविल सर्जन ने सभी प्रतिभागियों को सरकार को सहयोग करने हेतु कहा एवं सभी रिपोर्ट को बिना डरे सरकार को साझा करने को कहा. बैठक की शुरुआत जिला डाटा प्रबंधक संजय तिवारी ने प्राइवेट हॉस्पिटल की सहभागिता क्यों आवश्यक है, उसपर प्रकाश डाला. राज्य डाटा प्रबंधक सुबोध कुमार ने निजी चिकित्सालय नर्सिंग होम से आए चिकित्सकों प्रबंधकों व अन्य कर्मियों से कहा कि वह हर माह की अधिकतम 5 तारीख तक प्रसव संबंधित सेवाओं, परिवार कल्याण कार्यक्रम बच्चों को नियमित टीकाकरण, मातृ एवं शिशु जन्म मृत्यु रिपोर्ट आदि की रिपोर्ट अनिवार्य रूप से भेजने को कहा. जिला कार्यक्रम प्रबन्धक प्रवीण सिंह ने सभी निजी चिकित्सालयों को ससमय रिपोर्ट एचएमआईएस पोर्टल पर जमा करने को कहा, जिससे जिला का रैंकिंग प्रदेश स्तर पर आगे रहे.

प्रतिनिधिमंडल मुख्य डाक महाध्यक्ष से मिला

रांची। ऑल इंडिया पोस्टल/आरएमएस पेंशनर्स एसोसिएशन का प्रतिनिधिमंडल राज्य सचिव एमजेड खान के नेतृत्व में झारखंड परिमंडल के मुख्य डाक महाध्यक्ष वीसी राय से मिल कर 4 सूत्री मांगों का ज्ञापन सौंपा. ज्ञापन के माध्यम से बताया कि पोस्टमैन/ मेलगार्ड के जनवरी 1996 से बकाया भुगतान को सुनिश्चित करना, जनवरी 1986 से इंडक्शन ट्रेनिंग की अवधि को प्रोन्नति में समायोजित कर लाभ देना, रुल 9 के लंबित मामलों का जल्द निपटारा करना, 6 माह के अंतराल पर राज्य स्तरीय पेंशन अदालत का आयोजन करना शामिल है.

पोस्टल कॉलोनी लालपुर स्थित वेलनेस सेंटर के जर्जर भवन को प्राथमिकता सूची में मरम्मत करना आदि की जानकारी दी गई.

तैयारी 26 और 27 अगस्त को अल्बर्ट एक्का चौक पर होगा श्री कृष्ण जन्माष्टमी उत्सव

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव ऐतिहासिक होगा: संजय सेठ

संवाददाता। रांची

श्री कृष्ण जन्मोत्सव समिति, रांची के सानिध्य में 26 व 27 अगस्त को अल्बर्ट एक्का चौक, मेन रोड में श्री कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव बड़े धूम धाम से मनाया जाएगा. श्री कृष्ण जन्मोत्सव समिति के संरक्षक सह रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ व संरक्षक अजय मारू एवं समिति के अध्यक्ष मुकेश काबरा ने बताया आयोजन को बड़े ही धूमधाम से मनाने का निर्णय लिया गया. साथ ही बैठक कर कमेटी का विस्तार भी किया गया व आयोजन की सफलता के लिए सदस्यो के बीच कार्यों का वितरण कर उनको विभागीय जिम्मेवारी दी गयी.

संरक्षक : रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, संरक्षक विधायक सी पी सिंह, पूर्व सांसद अजय मारू. आयोजन समिति के अध्यक्ष- मुकेश काबरा. स्वागत समिति- पुनीत पोद्दार, जवाहर तनेजा, संजीव विजयवर्गीय, चंद्रकांत रायपत, छवि बिरमानी, राजीव चटर्जी, ललित केजरीवाल, मुकेश मुक्ता, विजय अग्रवाल, शिशिर रावत, प्रकाश धेलिया,प्रतीक मोर,पवन बजाज,मनीष साहू, राम कुमार कुंवर. संयोजक- कुणाल आजमानी. महासचिव - रवीन्द्र मोदी. **सचिव :** रमेन्द्र कुमार. **कोषाध्यक्ष :** राम बांगड़. राज वर्मा, नीरज चौधरी, भीष्म सिंह, ललन श्री वास्तव, प्रमोद सारस्वत, विजय ओझा ,राजेश चौधरी, मनोज तिवारी, रवि मुंडा ,सबलू मुंडा बबलू चौधरी,भोलू सिंह,आनंद वर्मा. मंच व पुष्प सज्जा रामाशंकर बागड़िया, संतोष सेठ. प्रेस मीडिया- प्रमोद सारस्वत ,संजय पोद्दार. मंच सुरक्षाः- सतेंद्र सिंह (गुड्डू) विकास कुमार (रवि) अमित सिंह. झांकी एवम साज सज्जाः अमित चौधरी, राज वर्मा,सतीश कुमार, अजय वर्मा. प्रचार-प्रसार व एलइडी आनंद श्रीवास्तव ,संजय जायसवाल, नीरज कुमार,वीरेंद्र कुमार प्रशासक व प्रशासन राम बांगड़ , प्रदीप कुमार,राहुल सिंहा (चंकी). चिकित्सा- नीरज कुमार ,राजेश गुप्ता,शिव शंकर साबू, नरेंद्र लाखोटिया, मंच संचालकः- मुंकेश काबरा, राजश्री. सेवा प्रकल्पः- मनीष लोधा, वीरेंद्र गुप्ता ,अरुण कपूर (कालू) बिनय मंत्री ,प्रेमचंद श्रीवास्तव (लाला जी) अमर प्रसाद, बलराम, आशीष अग्रवाल. साउंड- रमेन्द्र कुमार, राजीव वर्मा. भजन प्रभारी जुगल दरगड़, गौरव काबरा. लाइट व जेनरेटर- संजय सिंह,बैजू सोनी,राजू रजक. बाल गोपाल प्रतियोगिता- पूनम आनंद, कुमुद झा, नीलम चौधरी, नीतू सिंह. गोबिंदा टीम एवं बाल गोपाल रजिस्ट्रेशन- सतीष सिंहा, राजेन्द्र केडिया. स्टाप वाच एवं मटकी संचालन- विपिन वर्मा, राजीव सहाय. निर्णायक मंडली संपादक.

खास बातें

- श्री कृष्ण जन्मोत्सव समिति, रांची के महोत्सव कमेटी का गठन
- कमेटियो के संयोजक व सहयोगी को दी गई कार्यो की जिम्मेवारी

न्यूज अपडेट

प्रशासनिक सेवा संघ के पदाधिकारी मिले सीएम से

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से प्रोजेक्ट भवन में सोमवार को झारखंड प्रशासनिक सेवा संघ की अध्यक्ष रंजीता हेंब्रम एवं महासचिव राहुल कुमार ने मुलाकात किया. मुख्यमंत्री को संघ के विभिन्न मांगों से संबंधित एक ज्ञापन सौंपा. ज्ञापन के माध्यम से संघ के अध्यक्ष एवं महासचिव ने राज्य सरकार की ओर से झारखंड प्रशासनिक सेवा संघ के कार्यालय निर्माण के लिए भूमि उपलब्ध कराने तथा झारखंड प्रशासनिक सेवा के पुनर्गठन किए जाने का आग्रह मुख्यमंत्री से किया है. मुख्यमंत्री से उन्होंने झारखंड राज्य में नए अनुमंडल कार्यालय की स्थापना के लिए भी अनुरोध किया है.

बारिश में गिर गई बाउंड्री वाल, कोई नुकसान नहीं

रांची। रांची में दो दिन पहले हुई भारी बारिश के कारण बरियातू रोड स्थित मेटास एडवेंटिस्ट कॉलेज की चहारदीवारी दो जगह (एक जगह लगभग 70 फीट और दूसरी जगह 30 फीट) टूट कर गिर गई. हालांकि इससे किसी तरह के जान माल के नुकसान की खबर नहीं है और एक बड़ा हादसा टल गया.

रातू तिलता ओवर ब्रिज के सामने जल जमाव से परेशानी

रांची। रातू तिलता ओवर ब्रिज के सामने हर समय काला पानी भरा रहता है. इसका मुख्य कारण पानी निकासी का कोई मार्ग नही होना है. लोगों ने कहा कि जल जमाव की वजह से काफी परेशानी होती है. बरसात के दिनों में यह जलजमाव गंभीर बीमारियो का रूप ले सकता है. यह सोचकर क्षेत्रवासी काफी भयभीत है. थोडी बारिश में ओवर ब्रिज के पास बने गड्ढे मे पानी जम जाता है. लोगों को आने जाने में काफी परेशानी होती है. खासकर दो पहिया और ई रिक्शा चालकों को इस रास्ते से आने जाने में डर लगा रहता है. कही गड्ढे में चक्का न चला जाए. रात में दो पहिया वाहनों को ओवर ब्रिज से पार होने में हमेशा डर लगा रहता है. क्योंकि इस रोड से बड़े बड़े वाहन गुजरते हैं. वहीं दूसरी ओर गाडी घुमाने में भी परेशानी होती है.

ऑटो चालकों व ई रिक्शा यूनियनों का धरना प्रदर्शन

रांची। झारखंड प्रदेश सीएनजी ऑटो चालक महासंघ, रांची झारखंड प्रदेश रांची जिला ऑटो चालक यूनियन, रांची जिला ई रिक्शा यूनियनों ने सोमवार को संयुक्त रूप से राजभवन के समक्ष धरना प्रदर्शन किया. इसका नेतृत्व दिनेश सोनी एवं अर्जुन यादव ने किया. संयुक्त संगठन ने प्रमंडलीय कमिश्नर से मिलकर आरटीए द्वारा थोपे गए काले कानून के विरोध में ज्ञापन सौंपा. प्रमंडलीय कमिश्नर ने कहा कि तत्काल प्रभाव से आरटीए द्वारा लागू सभी काले कानून को अगले बैठक तक के लिए स्थगित कर दिया गया एवं आश्वासन दिया गया कि मांगों के समर्थन में विचार के बाद ही कोई कार्यवाही होगी. ई रिक्शा को 3000 से 25000 तक फाइन नगर निगम के द्वारा काटा जा रहा है.

अपर बाजार, हरमू रोड में चला अतिक्रमण मुक्त अभियान

रांची। सोमवार को रांची नगर निगम के इनफोर्समेंट टीम और रांची ट्रैफिक पुलिस ने संयुक्त रूप से अतिक्रमण मुक्त अभियान चलाया. किशोरी यादव चौक से अपर बाजार होते हुए हरमू बायपास में अतिक्रमण मुक्त अभियान चलाया गया. इस दौरान नो पार्किंग में खड़े वाहनों को जब्त किया गया. नो वेंडिंग जोन में खड़े दुकानों, ठेला-खोमचा को हटाया गया. बता दें शहर के सड़कों को जाम मुक्त तथा अतिक्रमण मुक्त बनाने हेतु निगम द्वारा लगातार अभियान चलाया जा रहा है. अतिक्रमण मुक्त अभियान के उपरांत निगम की टीम द्वारा उक्त वेंडर्स को भविष्य में सड़कों पर फिर से अतिक्रमण ना करने हेतु निर्देशित किया गया.

आदिवासी युवाओं में आक्रोश, गोड्डा सांसद का फूंका पुतला

रांची। आदिवासी युवाओं ने गोड्डा सांसद निशिकांत दुबे का सोमवार को अल्बर्ट एक्का चौक के सामने पुतला फूंका. युवाओं ने कहा कि सांसद निशिकांत दुबे बिहार के भागलपुर के रहने वाले हैं. और झारखंड में चार बार सांसद बने हैं. झारखंड के हक अधिकार पर कब्जा जमाये हुए है. झारखंड को बिहारियों का राज्य बनाने में तुले हुए हैं. इससे पहले सभी आदिवासी युवा जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम के सामने एकजुट हुए. वहां से पैदल मार्च करते हुए अल्बर्ट एक्का चौक पहुंचे. जहां पर पुतला फूंका गया. आदिवासी युवा शशि पन्ना ने कहा कि सांसद निशिकांत दुबे ने झारखंड को तोड़ कर केंद्र शासित प्रदेश बनाने का बयान दिया है, जो पूरी तरह से गलत है. उन्होंने झारखंड की एकता को तोड़ने की साजिश रची है. सासंद युवाओं से माफी मांगें, नहीं तो पूरे झारखंड मे उग्र आंदोलन होगा. और को आने वाले विधानसभा में सबक सिखाया जाएगा.

प्रतिनिधिमंडल लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष से मिला

रांची। झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) एक बार फिर अपने कारनामों के लिए सुर्खियों में है. मालूम हो राज्य के होनहारों को अच्छी शिक्षा देने को लेकर सरकार ने बडे पैमाने पर शिक्षकों की नियक्ति की पहल की थी. इस नियुक्ति का नाम सहायक आचार्य नाम दिया गया और यह नियुक्ति करीब 26001 पदों पर होनी है. किंतु झारखंड कर्मचारी चयन आयोग इसे विवादमुक्त करने में असफल नजर आ रहा है. नियुक्ति को लेकर हुए पिछले 31 जून की उर्दू भाषा की फोर्थ पेपर प्रवेश परीक्षा में अभ्यर्थियों को दिये गये प्रश्न आउट ऑफ सिलेबस थे. मालूम हो पेपर 4 के 23 भाषाओं में शामिल उर्दू के पेपर में प्रश्न पूरी तरह सिलेबस से नहीं थे सब आउट ऑफ सिलेबस थे. इस बाबत क्लास 6 से 8 की परीक्षा के परीक्षार्थियों ने कर्मचारी चयन आयोग झारखंड कार्यालय में 5 सदस्यों का प्रतिनिधिमंडल झारखंड लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष से मिलकर अपनी बातों को रखा.

कर्मियों की समस्याओं के प्रति सरकार असंवेदनशील

रांची। झारखंड अनुसचिवीय कर्मचारी संघ (समाहरणालय संवर्ग) के प्रदेश संयुक्त सचिव मोजाहिदुल इस्लाम ने कहा कि कर्मचारियों की समस्याओं के प्रति राज्य सरकार संवेदनशील नहीं है. सरकार में उच्च पदों पर बैठे हुए अधिकारी आम जनता के प्रति संवेदनशील नहीं है जिस कारण राज्य में तीव्र गति से विकास एवं अन्य कार्य नहीं हो पा रहे हैं. उन्होंने कहा कि विगत 22 जुलाई से पूरे राज्य के समाहरणालय लिपिक अपनी 9 सूत्री मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर हैं. जिस कारण आम जनता का कार्य प्रभावित है. यदि सरकार जनता के प्रति संवेदनशील होती, तो तुरंत कर्मचारियों की समस्याओं पर सरकार संज्ञान लेती और उनसे वार्ता करने की अपील करती. लेकिन 15 दिनों से कर्मचारी हड़ताल पर हैं और प्रशासन का कार्य बाधित है, बावजूद इसके सरकार को इसकी कोई चिंता नहीं है.

▼ ब्रीफ खबरें

झारखंड प्रो एजुकेशनल कोर्स बिल को मंजूरी

रांची। कृषि मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने सोमवार को कई बैठकें की. इन बैठकों में उन्होंने झारखंड प्रोफेशनल एजुकेशन कोर्स (रेगुलेशन फी) के बिल पर भी मंत्री की हैसियत से सहमति दी. साथ ही कई योजनाओं को मंजूरी दी. आईटी एवं परामर्शी सेवाओं के लिए 10 करोड़ रुपये खर्च करने की योजना को मंजूरी दी. फसल का पैदावार बढ़ाने के लिए एग्री स्मार्ट ग्राम के विकास के लिए 4.51 करोड़ रुपये खर्च करने की योजना को मंजूरी दी. इस योजना की मंजूरी इस शर्त पर दी गई है कि अगर 31 मार्च 2025 तक इस राशि को खर्च नहीं की जाती है, तो शेष राशि को वापस कर दिया जाएगा.

15 दिनी वीडियो एडिटिंग कार्यशाला का समापन

रांची। गोस्सनर कॉलेज के मास कम्युनिकेशन विभाग में 16 जुलाई से 15 दिवसीय वीडियो एडिटिंग कार्यशाला का आयोजन किया गया था. कार्यशाला में मेंट्रोर के रूप में फैकल्टी सह फिल्म निर्देशक और सपादक प्रो अनुज कुमार रहे। यह एडिटिंग वर्कशॉप मास कम्युनिकेशन विभाग की छात्राओं के लिए आयोजित किया गया था. और इस वर्कशॉप में सभी सेमेस्टर की छात्राएं शामिल हुईं. कार्यशाला की शुरुआत छात्राओं को एडिटिंग सॉफ्टवेयर, स्कोप और फीमेल एडिटर की जानकारी दी गई.

25 अगस्त को पठान तंजीम का चुनाव

रांची। पठान तंजीम रांची का चुनाव 25 अगस्त को मेन रोड स्थित अंजुमन इस्लामिया के सभागार में होगा. जानकारी देते हुए चुनाव कन्वेनर गुफरान खान ने बताया कि चुनाव कराने के लिए पूरी तरह से तैयार है. उन्होंने कहा कि पठान तंजीम रांची के चुनाव में अध्यक्ष पद के लिए शोएब खान, अयूब राजा खान एवं वारिस पठान ने नामांकन दाखिल किया है. वहीं महासचिव पद के लिए एक उम्मीदवार मो शहजाद उर्फ बब्लू ने नामांकन दाखिल किया है. सह सचिव के लिए मो शोएब खान एवं मो रिजवान खान ने अपना नामांकन दाखिल किया है.

राष्ट्रीय जैवलिन थ्रो कल रामगढ़ में

रांची। झारखंड एथलेटिक एसोसिएशन एवं रामगढ़ जिला एथलेटिक्स एसोसिएशन के संयुक्त तत्वाधान में 7 अगस्त को रामगढ़ के रजरप्पा स्टेडियम में थर्ड राष्ट्रीय जैवलिन थ्रो प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा. यह प्रतियोगिता पूरे भारत में प्रत्येक वर्ष एथलीट नीरज चोपड़ा के मान में मनाया जाता है. नीरज चोपड़ा ने 7 अगस्त 2021 को टोकियो ओलंपिक में गोल्ड मेडल जीता था. संघ के सचिव शिव कुमार पाण्डेय ने कि झारखंड में जैवलिन थ्रो प्रतियोगिता बालक और बालिका दोनों वर्गों में अंडर -20,18 और 16 वर्ग में आयोजित किया जाएगा.

मेकॉन ग्रुप की महिलाओं का सावन मिलन

रांची। मेकॉन ग्रुप की महिलाओं ने रविवार को मेकॉन कम्यूनिटी हॉल में सावन महोत्सव का आयोजन किया. कार्यक्रम की मुख्य अतिथि रश्मि सिन्हा व शालिनी अग्रवाल थी. महिलाओं ने विशिष्ट अतिथि का स्वागत किया. कार्यक्रम में बच्चों ने सोलो परफॉरमेंस दी और अलग-अलग तरह के गेम खेले. कार्यक्रम की संचालिका पल्लवी ने आयोजन को सफल बताते हुए महोत्सव में शामिल महिलाओं की तारीफ की. कार्यक्रम में महिलाओं के बीच कई तरह की प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया. साथ ही जीतने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया.

सम्मान: संस्था की टॉपर छात्रा हलिमा को दिया गया 1.25 लाख रुपये के कैश प्राइज

नीट यूजी 2024 के टॉपर विद्यार्थी हुए सम्मानित

बायोम इंस्टीट्यूट

संवाददाता । रांची

संस्थान की टॉपर छात्रा हालिमा को 1.25 लाख रुपया का चेक सौंपते विशिष्ठ अतिथि डॉ राजेश कुमार व बायोम इंस्टीच्यूट के सम्मानित विद्यार्थी.

मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट यूजी-2024 में बायोम इंस्टीट्यूट ने संस्थान की टॉपर छात्रा हालिमा को सम्मानित किया. साथ ही हालिमा को 1.25 लाख रुपया नकद पुरस्कार दिया. सफल छात्रों को सम्मानित करने के लिए संस्थान ने रविवार को गुरुनानाक स्कूल सभागार में सम्मान समारोह का आयोजन किया. वार्षिक सम्मान समारोह में संस्था में पढ़ने वाले नीट यूजी के टॉपर विद्यार्थी जुटे. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मेडिका हॉस्पिटल के डॉ सुनील कुमार थे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में बालपन हॉस्पिटल के निदेशक डॉ राजेश कुमार और सम्मानित अतिथि के रूप में डॉ अभिषेक रंजन और डॉ विनिता मिश्रा उपस्थित थे.

मुख्य अतिथि डॉ सुनील कुमार ने छात्रों के रिजल्ट को सराहा. उन्होंने कहा कि इस वर्ष तमाम मुश्किलों के बाद नीट यूजी का परिणाम आया, यह विद्यार्थियों के लिए मानसिक दबाव का समय था. इस परिस्थिति को पार करने के बाद विद्यार्थी अब मानसिक रूप से मेडिकल कैरियर के लिए तैयार हो चुके है. राज्य के विद्यार्थी विभिन्न क्षेत्र में अपनी पहचान स्थापित कर रहे हैं. छात्राएं लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रही है. विशिष्ठ अतिथि डॉ राजेश कुमार व अन्य अतिथियों ने नीट यूजी 2024 के सफल छात्रों को मोमेंटो, कैश प्राइज का चेक और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया. डॉ राजेश ने विद्यार्थियों को अपने अनुभवों से प्रेरित किया.

बायोम इंस्टीट्यूट के एमडी सह निदेशक पंकज सिंह ने सफल विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की. उन्होंने बताया कि इस वर्ष पांच मई को आयोजित नीट यूजी 2024 प्रवेश परीक्षा में बायोम इंस्टीट्यूट से 1473 विद्यार्थी शामिल हुए हैं. तमाम चुनौतियों के बाद दोबारा रिजल्ट जारी किया गया. दोबारा जारी हुए रिजल्ट में भी संस्था के 1427 विद्यार्थियों के प्राप्त अंक में खास बदलाव नहीं आया. 70 से अधिक ऐसे विद्यार्थी है, जिन्होंने परीक्षा में 650 से अधिक अंक हासिल किया. वहीं, 130 से अधिक विद्यार्थी 600 से अधिक अंक हासिल करने में सफल रहे. संस्था से सफल हुए विद्यार्थी आने वाले दिनों में 183 से अधिक विद्यार्थी सरकारी मेडिकल कॉलेज में नामांकन ले सकेंगे.

किसे कितने का पुरस्कार

नाम	नकद पुरस्कार
टॉपर	
हालिमा	1.25 लाख
सेकेंड टॉपर	
फैजान अख्तर	80 हजार
आयुष कुमार पांडेय	75 हजार
आयुष कुमार	75 हजार
किरण कुमारी	50 हजार
गुलाम दस्तगीर	30 हजार

झारक्राफ्ट का अपने उत्पादों के लिए देश-विदेश में नाम है

झारक्राफ्ट में बना झारखंडी उत्पाद अब दिल्ली में भी मिलेगा

विशेष संवाददता। रांची

झारखंडी उत्पाद को देखते झारखंड के उद्योग मंत्री सत्यानंद भोक्ता.

- झारक्राफ्ट ने आज सेंट्रल कॉटेज इंडस्ट्रीज जनपथ दिल्ली में खोला अपना एक्सक्लूसिव शो-रूम, उद्योग मंत्री सत्यानंद भोक्ता ने किया उदघाटन
- दिल्ली के सबसे प्रतिष्ठित इंपोरियम सेंट्रल कॉटेज इंपोरियम में अब मिलेंगे झारक्राफ्ट के ऑर्गेनिक उत्पाद

अब दिल्ली में भी झारखंड के उत्पाद मिलेंगे. राज्य के उद्योग मंत्री सत्यानंद भोक्ता ने सोमवार को दिल्ली में झारखंड सरकार के उपक्रम के अंतर्गत आने वाले झारखंड सिल्क, टेक्सटाइल एंड हैंडलूम डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड (झारक्राफ्ट) एक्सक्लूसिव शो रूम का उदघाटन किया.

झारक्राफ्ट का अपने उत्पादों के लिए देश-विदेश में नाम है. जिसके सिल्क को काफी सराहा जाता है. अपने उत्पादों को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने के लिए आज झारक्राफ्ट ने दिल्ली के जनपथ पर स्थित कॉटेज इंडस्ट्री के परिसर में अपना एक्लूसिव शो रूम खोला है.

देश ही नहीं, विदेशी मेहमानों को भी मिलेगा झारखंड का उत्पाद : मंत्री : इस अवसर पर सत्यानंद भोक्ता ने कहा कि झारक्राफ्ट उत्कृष्ट उत्पादों के उत्पादन, बिक्री के साथ-साथ बहुत से कारीगरों को रोजगार भी मुहैया करता है. सेंट्रल कॉटेज इंडस्ट्रीज का परिसर विख्यात परिसर है. यहां न सिर्फ देश से बल्कि विदेश से भी ग्राहक आते हैं. हमें आशा है कि हमारे इस प्रयास से झारक्राफ्ट को नए आयाम मिलेंगे. दिल्ली में पहली बार है कि सेंट्रल कॉटेज इंडस्ट्रीज के परिसर में किसी अन्य ब्रांड को स्थान मिला है, जो झारखंड के लिए उपलब्धि है.

ये झारखंडी उत्पाद अब मिलेंगे दिल्ली में : झारक्राफ्ट की प्रबंध निदेशक कीर्तिश्री ने बताया कि झारक्राफ्ट शुद्ध ऑर्गेनिक, चमकदार तसर रेशम का उत्पादन करने वाला अग्रणी उत्पादक है. झारक्राफ्ट प्रदेश के रीलरों, सूतकातकों, बुनकरों, शिल्पियों अन्य को रोजगार मुहैया करा रहा है. यहां हमारे उत्पादों में झारखंड की पारम्परिक कला सोहराई, जादूपटिया आदि के अलग कांथा, जयपुरी और अन्य का मिश्रण उपलब्ध है. हमारे उत्पादों में झारखंड की पारम्परिक शिल्प, साड़ियां, डिजाइनर कुर्ती, सलवार सूट, शाल, होम डेकोरेटिव प्रोडक्ट, चादर, बैग और उत्पाद उपलब्ध हैं. झारक्राफ्ट इससे पहले झारखंड, मुंबई, दिल्ली, बंगलुरु, कलकत्ता में अपनी उपस्थिति के साथ था, इस नए शो रूम सेंट्रल कॉटेज इंडस्ट्रीज के परिसर के शो रूम से हमें बहुत अपेक्षा और बिज़नेस आने की उम्मीद है. इस अवसर पर झारक्राफ्ट के महाप्रबंधक पंकज कुमार, सहायक महाप्रबंधक राहुल मिश्रा, कार्यप्रभारी हैंडलूम मनोज महतो आदि उपस्थित थे.

राष्ट्रीय अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर यह बड़ा कदम : प्रवीण

इस अवसर पर सचिव उद्योग विभाग प्रवीण टोप्पो ने कहा कि राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हस्तकरघा एवं वस्त्र उद्योग की वृद्धि को सुनिश्चित करने के लक्ष्य से झारक्राफ्ट ने ये नया कदम उठाया है. झारक्राफ्ट ''मेक इन इंडिया'' की अवधारणा के साथ हस्तकरघा एवं वस्त्र उद्योग में गुणवत्ता और नवीनता की ओर अग्रसर है.

मवि करमटोली: 250 बच्चों के लिए सिर्फ दो शिक्षक

रांची । करमटोली चौक स्थित राजकीय मध्य विद्यालय में शिक्षकों की बड़ी कमी है. स्कूल में 250 छात्र पढ़ते हैं. हालांकि 200 बच्चे ही स्कूल आते हैं. इन बच्चों को पढ़ाने के लिए सिर्फ दो शिक्षकों का पदस्थापन स्कूल में हैं. इस बात की जानकारी आज तक सामने आयी जब निवर्तमान उप महापौर संजीव विजयवर्गीय ने स्कूल का दौरा किया. उन्होंने बताया कि कुछ दिन पहले स्कूल के पुराने हिस्सों को तोड़ा गया था, लेकिन उसका निर्माण नहीं कराया गया. बच्चे कमरे के बजाय बरामदे में पढ़ रहे हैं. स्कूल परिसर में जहां-तहां कचरा जमा है. उन्होंने सरकार से मांग की है कि स्कूल की स्थिति को सुधारा जाये. उन्होंने नगर निगम से आग्रह किया कि स्कूल में ऐसी व्यवस्था बनायें, जिससे बच्चों को दिक्कतें खत्म हो.

आदिवासी दिवस पर सरना धर्म कोड की होगी मांग

रांची। पिस्का मोड़ स्थित हेसल समुदाय भवन के उप कार्यालय में सोमवार को केंद्रीय संघर्ष समिति के सदस्यों की विश्व आदिवासी दिवस की तैयारी को लेकर बैठक हुई. इसकी अध्यक्षता करते हुए अध्यक्ष शिवा कच्छप ने कहा कि नौ अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस मनाया जाएगा. इस बार सरहुल जुलूस की तर्ज पर आदिवासी दिवस रैली निकाली जाएगी. केंद्र और राज्य सरकार से सरना धर्म कोड व नियोजन नीति लागू करने की मांग की जायेगी.

आरक्षण कोटा सिर्फ संसद तय कर सकती है : कैलाश यादव

संवाददाता। रांची

झारखंड ओबीसी आरक्षण मंच के अध्यक्ष कैलाश यादव ने बताया कि विगत दिनों सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायधीश की अध्यक्षता में 6/1 बेंच ने एसटी, एससी को आरक्षण कोटा में कोटा तय करने एवं क्रीमीलेयर लागू करने के लिए राज्य सरकार को अधिकार देने संविधान के मूल प्रस्तावना के खिलाफ एक विरोधाभास एवं अनुचित फैसला दिया है. यादव ने कहा कि विदित होना चाहिए कि आरक्षण कोटा बढ़ाने संबंधित व्यवस्था सिर्फ संसदीय प्रणाली तय कर सकता है, क्योंकि संवैधानिक रूप से आर्टिकल 341,342 में स्पष्ट अधिकार सिर्फ संसद को दिया गया है. इसलिए एसटीएससी को आरक्षण कोटा में कोटा तय करने का अधिकार राज्य सरकार को नहीं दिया जा सकता है. यादव ने कहा कि देश में 26 नवंबर 1950 को संविधान बना था,उसके बाद से आज तक का एसटी एससी ओबीसी वर्ग का शैक्षिण सामाजिक आर्थिक स्थिति के विषय में डेटा इकठ्ठा कर बताना चाहिए कि आरक्षण के अधिकार के तहत इन बहुसंख्य समाज को क्या प्रतिशत नौकरी प्राप्त हुआ, जबकि संविधान निर्माता बाबा साहब भीमराव अंबेडकर ने दलित,पिछड़े,अत्यंत पिछड़ा वर्ग के शैक्षणिक,सामाजिक एवं आर्थिक रूप से सबल होने के लिए समयानुसार आरक्षण का प्रावधान दिया था. लेकिन आजादी के 75 वर्ष के बाद भी एसटी एससी ओबीसी का का समानता शैक्षणिक सामाजिक और आर्थिक स्थिति में बहुत ज्यादा मजबूत नहीं हुई है, क्योंकि आज भी सफाई कर्मचारी,श्रमिक क्लास, तीसरे एवं चतुर्थ श्रेणी में निचली तबके जातियां के लोग सरकारी एवं निजी संस्थानों में काम कर रहे हैं. केंद्र की मोदी सरकार भारत को तीसरी अर्थव्यवस्था बनाने की बात करते हैं जबकि हकीकत है कि आज भी देश में 80 करोड़ लोग पांच केजी अनाज पर निर्भर हैं.

तीसरी सोमवारी पर आम्रेश्वर धाम में 70 हजार श्रद्धालुओं ने किया बाबा का जलाभिषेक

संवाददाता ।खूंटी

अंगराबाड़ी में पूजा-अर्चना के लिए उमड़े श्रद्धालु.

पवित्र सावन महीने की तीसरे सोमवारी को क्षेत्र के प्रसिद्ध बाबा आम्रेश्वर धाम अंगराबाड़ी सहित जिले के अन्य शिवालयों में जलाभिषेक और पूजा-अर्चना के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी. 70 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने भोलनाथ का जलाभिषेक किया.

स्वयंभू शिवलिंग पर जलाभिषेक के लिए दूर दराज क्षेत्रों से श्रद्धालु रविवार रात से ही यहां पहुंचने लगे थे. देर रात से ही मुख्य मंदिर के प्रवेश द्वार पर जलाभिषेक के लिए श्रद्धालुओं की कतारें लगनी शुरू हो गई थी. तड़के साढ़े तीन बजे जैसे ही मुख्य मंदिर और अन्य मंदिरों के पट खुले, पूरा वातावरण बोल बम और हर-हर महादेव के नारों से गुंजायमान हो उठा. इस दौरान घंटों कतार में खड़े भक्तों का उत्साह देखते ही बन रहा था. मंदिर परिसर में शांति और सुरक्षा के लिए तैनात पुलिस के जवान, एनसीसी कैडेट और प्रबंध समिति के सदस्य व्यवस्था को संभालते हुए भक्तों को कतारबद्ध मंदिर में प्रवेश कराते रहे. तड़के प्रारंभ हुए पूजन अर्चन का यह दौर पूरे दिन अनवरत जारी रहा. साथ ही बोल बम तथा हर हर महादेव के नारों से पूरा वातावरण गुंजायमान रहा. इस दौरान पुलिस प्रशासन के साथ ही बाबा आम्रेश्वर धाम प्रबंध समिति के अधिकारी व सदस्य भी दिन भर सक्रिय रहे. पूजा-अर्चना के बाद दूरदराज क्षेत्रों से आए श्रद्धालुओं ने धाम परिसर में लगे श्रावणी मेला का आनंद उठाया.

बाबा आम्रेश्वर धाम प्रबंध समिति के अध्यक्ष लाल ज्ञानेंद्रनाथ शाहदेव, महामंत्री महामंत्री मनोज कुमार के अलावा संतोष पोद्दार, श्रीपाल जैन, सुखदेव भगत, कैलाश भगत, आनंद वर्मा, अरुण कर, प्रेमचंद महतो, जगदीश नाग, उपेंद्र कश्यप, प्रहलाद कुमार, दुर्गा महतो, प्रेमानंद तिवारी, सुरेंद्र गुप्ता, रविकांत मिश्रा, ओम प्रकाश कुमार, दिलीप कर, सत्यजीत कुंडू, हीरा साहू, सुरेंद्र कुमार, केसरी कुमार, दीपक सिंह, गोविंद साहू, मोतीलाल साहू, रोशन भगत, नीरज पाढ़ी , नरेश साहू आदि प्रबंध समिति के पदाधिकारी व सदस्य पूरे दिन धाम परिसर में मौजूद रहकर व्यवस्था की निगरानी करते रहे.

न्यूज अपडेट ▼

संत जॉन मेरी वियानी सभी पुरोहितों के आदर्श हैं

रांची । डालटनगंज स्थित ख्रीस्तियों की सहायता के लिए मरिया चर्च कंजिया में संत मेरी वियानी पर्व के अवसर पर पल्ली पुरोहित फादर वाल्टर को पदस्थापित किया गया. कार्यक्रम मिस्सा बलिदान से शुरू की गई. इससे पहले सभी पुरोहितों के लिए विशेष विनती की गई. इस अवसर पर बिशप थियोडोर मस्कारेनहास ने कहा कि पल्ली पुरोहित स्थानीय कलीसिया का चरवाहा होता है. फादर वाल्टर को दायित्व दी जा रही है. जो एक पल्ली पुरोहित को कैथोलिक कलीसिया में प्रावधान दी गई है. वह स्वयं के लिए नहीं बल्कि ईश्वर की प्रजा के लिए एक पुरोहित है. संत जॉन मेरी वियानी सभी पुरोहितों के आदर्श हैं. उनका संपूर्ण जीवन मानव मुक्ति के लिए था.

रांची में भी बनाया जाए प्लास्टिक पार्क : चैंबर

चैंबर के पदाधिकारी के साथ बैठक करते चेयरमैन कुनाल विजयवर्गीय.

रांची। झारखंड चैंबर की प्लास्टिक प्रोडक्ट एंड रीसाइक्लिंग उप समिति की बैठक चेयरमैन कुनाल विजयवर्गीय की अध्यक्षता में चैंबर भवन में हुई. बैठक में देवघर में प्लास्टिक पार्क के लिए भूमि आवंटन की तर्ज पर उप समिति के प्रतिनिधिमंडल ने जुडको से मिल कर रांची में भी प्लास्टिक पार्क के लिए भूमि आवंटन के लिए प्रतिवेदन सौंपने की बात कही. उप समिति ने एक बेकरी की दूकान में नगर निगम द्वारा पैकेजिंग मटेरियल को प्लास्टिक समझ कार्रवाई की सूचना प्राप्त होने पर वहां पहुंच कर नगर निगम के भ्रांतियों को दूर कर समस्या का निवारण किया गया. मौके पर महासचिव परेश गट्टानी, सह सचिव शैलेश अग्रवाल, कार्यकारिणी सदस्य राम बांगड़, सदस्य संजय सिंह, सुनील गुप्ता शामिल थे.

झारखंड चैंबर की स्टार्टअप उप समिति की बैठक

झारखंड चैंबर की स्टार्टअप उप समिति की बैठक करते चैंबर अध्यक्ष.

रांची । झारखंड चैंबर की स्टार्टअप उप समिति की बैठक चैंबर अध्यक्ष किशोर मंत्री की अध्यक्षता में सोमवार को चैंबर भवन में हुई. 6 जुलाई को हुए सृजन कॉन्क्लेव की चर्चा करते हुए स्टार्टअप उप समिति ने निर्णय लिया कि अगले माह जमशेदपुर उसके बाद गिरिडीह एवं धनबाद में कांक्लेव का आयोजित किया जायेगा . सिंघभूम चैंबर एवं जमशेदपुर के स्थानीय इन्क्युवेशन सेंटर के साथ मिलकर जमशेदपुर में स्टार्टअप कॉन्क्लेव कराने की बात पर चर्चा की गई. सफल आयोजन के लिये चैंबर के क्षेत्रीय उपाध्यक्षों की भूमिका मुख्य होगी, स्टार्टअप कमेटी के अध्यक्ष अमित अग्रवाल ने कहा कि कॉन्क्लेव में देश के अन्य प्रतिष्ठित मोटिवेशन स्पीकर्स एवं स्टार्टअप क्षेत्र के विशेषज्ञ मार्गदर्शन के लिए आमंत्रित किए जायेंगे. मौके पर महासचिव परेश गट्टानी, सह सचिव शैलेश अग्रवाल कार्यकारिणी सदस्य राम बांगर, उपसमिति के चेयरमैन अमित अग्रवाल, सदस्य रमेश साहू , अमन चौरसिया, अनिकेत कुमार, नंदिनी कुमारी सौरभ कुमार अभिषेक प्रसाद आदि शामिल थे.

इनरव्हील क्लब आफ रांची का कार्यक्रम आयोजित

कार्यक्रम में शामिल इनरव्हील क्लब कि सदस्य.

रांची। इनरव्हील क्लब आफ रांची ने फ्रेंडशिप डे के मौके पर सोमवार को अरगोड़ा चौक के निकट मंदिर के समक्ष सलम में रहने वाली बहनों के साथ दोस्ती का हाथ बढ़ाया, सलम में रहने वाली बहनों के बीच स्वच्छता, स्तनपान से सम्बंधित बातों पर विचार-विमर्श किया. उनके बीच सिनेटरी नेपकिन, टूथब्रश, गारमेंट्स एवं उपयोगी वस्तुएं उपहार स्वरूप दिया. कार्यक्रम में इनरव्हील क्लब आफ स्वर्णरेखा रांची, इनरव्हील क्लब आफ रांची साउथ , इनरव्हील क्लब आफ रांची पलाश, इनरव्हील क्लब आफ रांची प्रगति की सदस्यगण, इनरव्हील क्लब आफ शिव पुर डिस्ट्रिक्ट 305 की पास्ट प्रेसीडेंट रेणु, इनरव्हील क्लब 325 की डिस्ट्रिक्ट आइएसओ नीता नारायण, इनरव्हील क्लब आफ स्वर्णरेखा रांची की अध्यक्ष दीपा चौहान, सचिव नीता शेखर, आईएसओ शालिनी सिन्हा, निशी श्रीवास्तव, देवजानी सान्याल, ज्योति तिवारी, अंबुजाशरण, सुषमा पांडेय, मंजु सिंह, डौली, ममता नारायण शामिल थीं.

खूंटी, हज़ारीबाग़, एनटीएचए व सिमडेगा की टीमें जीतीं

रांची । हॉकी झारखंड और नवल टाटा हॉकी के संयुक्त तत्वावधान में 4 से 8 अगस्त तक जमशेदपुर में आयोजित नवल टाटा हॉकी झारखंड जूनियर स्टेट हॉकी चैंपियनशिप 2024 (पुरुष) के दूसरे दिन खूंटी, हज़ारीबाग़, एनटीएचए और सिमडेगा ने जीत दर्ज की. दूसरे दिन नवल टाटा हॉकी अकादमी जमशेदपुर के एस्ट्रोटर्फ मैदान में चार मैच खेले गए. बता दें जूनियर वर्ग (अंडर 19) में कुल 8 टीमों ने भाग लिया. दिन का पहला मैच हॉकी गुमला बनाम हॉकी खूंटी के बीच खेला गया. खूंटी टीम ने 6-2 गोल से गुमला टीम को पराजित किया. खूंटी टीम के खिलाड़ी ग्लेडशन भेंगरा को उनके साधारण प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया. दूसरे मैच में हॉकी हज़ारीबाग़ और हॉकी बोकारो के बीच हुआ , जिसमे हज़ारीबाग़ ने टीम बोकारो को 4-0 से हराया, जिसमें हजारीबाग के रोहित पन्ना को प्लेयर ऑफ़ द मैच बने. एनटीएचए बनाम हॉकी रांची के बीच तीसरे मुकाबले में टीम एन टी एच ए ने 5-1 गोल करके हॉकी रांची को हराया. दूसरे दिन का आखिरी मैच रामगढ़ और सिमडेगा के बीच खेला गया. जिसमें सिमडेगा ने 11-0 गोल से जीत दर्ज की.

अग्निवीर सेना भर्ती रैली : पांच जिलों के अभ्यर्थियों ने दिखाया दम

संवाददाता। रांची

रांची के खेलगांव स्पोर्टस कॉम्प्लेक्स के मैदान में आयोजित अग्निवीर सेना भर्ती रैली में सोमवार को पांच जिला के अभ्यर्थियों ने दम दिखाया. अग्निवीर जीडी श्रेणी के लिए लातेहार,गुमला,सरायकेला खरसावां, सिमडेगा एवं पश्चिमी सिंहभूम के अभ्यर्थियों ने सेना बहाली में बढ़ चढ़ कर लिया हिस्सा. उम्मीदवारों को सीईई परीक्षा के समय एप्लीकेशन फॉर्म भरने के समय जो गलती हो जाती है, उनके लिए हिदायतें दी गई एवं गलत सूचना ना दर्शाने के लिए निर्देश दिए गए. सेना भर्ती कार्यालय रांची की तरफ से सख्त निर्देश एवं हिदायतें दी गई की कोई भी उम्मीदवार फॉर्म भरते समय गलत सूचना ना भरे. फॉर्म भरने के समय अच्छे से सभी डिटेल्स, जांच करके ही फॉर्म भरे. गलत सूचना देने के कारण उम्मीदवार को परीक्षाओ से वंचित किया जा सकता है. फर्जी दस्तावेज का प्रयोग ना करे. दस्तावेज की जांच सेना भर्ती प्रक्रिया के दौरान गहनता से की जाती है.

शारीरिक दक्षता परीक्षा में शामिल हुए युवा : क्षेत्रीय भर्ती मुख्यायल दानापुर के भर्ती उपमहानिदेशक ब्रिगेडियर आर आर कामथ भर्ती रैली स्थल पर मौजूद रहे. इस दौरान उन्होंने सेना बहाली की सम्पूर्ण चयन प्रक्रिया एवं रैली स्थल पर अभ्यर्थियों की सुविधा हेतु तमाम व्यवस्थाओं का को देखा. उन्होंने रैली स्थल तैनात सैन्य अधिकारियों एवं जवानों को सेना बहाली को सुचारू रूप से संचालित करने हेतु जरूरी दिशा निर्देश भी दिए.

मौसम

राज्य में अब तक 19% कम हुई बारिश, अभी तक पाकुड़ में सबसे कमजोर रहा मॉनसून

झारखंड में इस हफ्ते फिर होगी जोरदार बारिश, बन रहे आसार

शुभम किशोर। रांची

झारखंड में जुलाई माह के अंतिम सप्ताह से अच्छी बारिश हुई है. इस दौरान कई जिला में 300 मिलीमीटर तक बारिश हुई है. लेकिन इतनी बारिश के बावजूद झारखंड में 5 अगस्त तक सामान्य से 19 प्रतिशत कम बारिश हुई है. मौसम विभाग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, झारखंड में 1 जून से 5 अगस्त तक 455.3 मिलीमीटर बारिश हुई है. जबकि इस अवधि की सामान्य बारिश 559.8 मिलीमीटर है. बता दें कि झारखंड में मॉनसून छह दिन की देरी के बाद 21 जून को प्रवेश कर गया था. वहीं 28 जून तक मानसून पूरे झारखंड में पहुंच गया था.

1 जून से 5 अगस्त तक के बारिश के आंकड़ें

जिला	वास्तविक (मिमी में)	सामान्य (मिमी में)	अंतर (%में)	जिला	वास्तविक	सामान्य	अंतर (%में)
बोकारो	462.6	494.4	-6	खूंटी	549.7	609.3	-10
चतरा	283.2	506.4	-44	कोडरमा	383.1	471.8	-19
देवघर	329.8	532.5	-38	लातेहार	538.6	567.3	-5
धनबाद	612.6	581.2	5	लोहरदगा	323.3	568.6	-43
दुमका	512.2	568.8	-10	पाकुड़	307	637.9	-52
पूर्वी सिंहभूम	393.7	600.6	-34	पलामू	429.9	436	-1
गढ़वा	482.2	491.9	-2	रामगढ़	496.7	564	-12
गिरिडीह	422.1	540	-22	रांची	584	579.3	1
गोड्डा	408.1	494.2	-17	साहिबगंज	582.7	645.9	-10
गुमला	464.7	592.4	-22	सरायकेला	441.4	557.5	-21
हजारीबाग	436.1	576.3	-24	सिमडेगा	603.9	727.3	-17
जामताड़ा	449.1	597.1	-25	प सिंहभूम	372	550.9	-32
				झारखंड	455.3	559.8	-19

पाकुड़ में मॉनसून रहा कमजोर : जारी आंकड़ों के अनुसार, पाकुड़ जिले में मॉनसून सबसे कमजोर रहा है. 5 अगस्त तक पाकुड़ में 52 प्रतिशत कम 307 एमएम बारिश हुई है. वहीं चतरा में 44 प्रतिशत कम 283.2 एमएम, लोहरदगा में 43 प्रतिशत कम 323.3 एमएम और पश्चिमी सिंहभूम में 32 प्रतिशत कम 372 एमएम बारिश हुई है. कम बारिश से यहां होने वाली खेती में भी असर पड़ने के आसार हैं.

धनबाद और रांची में सामान्य से अधिक बारिश : जारी आंकड़ों के अनुसार, धनबाद और रांची में सामान्य से अधिक बारिश हुई है. धनबाद में 5 अगस्त तक सामान्य बारिश 581.2 एमएम है, वहां अब तक 612.6 एमएम बारिश हुई है. वहीं रांची में सामान्य बारिश 579.3 है, वहां अब तक 584 एमएम बारिश हुई है.

11 अगस्त तक बारिश : मौसम विभाग के अनुसार, 11 अगस्त तक राज्य में बारिश होने कि प्रबल संभावना है. मंगलवार को राज्य के दक्षिणी और निकटवर्ती पूर्वी हिस्सों में कहीं-कहीं पर भारी वर्षा होने की संभावना है. वहीं बुधवार को दक्षिणी पश्चिमी, उत्तर पश्चिमी और आसपास के मध्य भाग में कहीं-कहीं भारी वर्षा होने की संभावना है. पिछले घंटे 24 में राज्य में मॉनसून गतिविधि कमजोर रही.

ब्रीफ खबरें

राहे में वज्रपात से हुई अधेड़ की मौत, शोक

राहे। थाना क्षेत्र के चुतरुडीह - खाटंगा गांव के बीच खेत में वज्रपात से 45 वर्षीय व्यक्ति का मौत हुआ है. घटना सोमवार शाम 6 बजे के आसपास की बताई जा रही है. राहे थाना क्षेत्र में शाम 4 बजे के बाद ही भारी बारिश और तेज आवाज के साथ वज्रपात हो रही थी. खाटंगा गांव का 45 वर्षीय सर्वेश्वर अहीर खेत में काम कर रहा था.

मांडर में सड़क हादसे में किशोर हुआ घायल

मांडर। मांडर बेडो पथ में कंजिया के समीप सोमवार दोपहर को हुए सड़क हादसे में कंजिया निवासी अरकम अंसारी छह वर्ष घायल हो गए. बताया जाता है कि स्कूल छुट्टी होने के बाद वह घर जा रहे था, उसी दौरान कंजिया हनुमान मंदिर के निकट अज्ञात वाहन ने उसे अपनी चपेट में ले लिया.मांडर रेफरल अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद उसे रिम्स रेफर किया गया है.

काला बिल्ला लगाकर कार्य करेंगे ऑपरेटर

इटकी। अपनी लंबित मांगो के समर्थन मे झारखंड राज्य सामाजिक सुरक्षा कम्प्यूटर ऑपरेटर संघ जिला इकाई के कर्मियों ने सोमवार को काला बिल्ला लगाकर विरोध जताया है.पांच और छहअगस्त को काला बिल्ला लगाकर कर कार्यालय में कार्य करने का निर्णय लिया गया है, जो संघ के द्वारा पूर्व से निर्धारित है.

पीसीसी पथ निर्माण कार्य का शिलान्यास

सिल्ली/मुरी। मुरहु गांव में 250 फीट एवं काशिपिड़ी में 300 फीट पीसीसी पथ निर्माण कार्य शिलान्यास सोमवार को विधायक प्रतिनिधि जयपाल सिंह व प्रखंड प्रमुख जितेंद्र बड़ाइक ने संयुक्त रूप से किया. कार्य विधायक निधि के राशि से किया जाना है. इस मौके पर विजय महतो, शिखर लोहरा, शंकरी देवी, बेवी देवी, शुखेर उरांव, संजय उरांव समेत ग्रामीण उपस्थित थे.

सर्वर डाउन, तीसरे दिन भी परेशान रहे लाभुक

इटकी। सर्वर डाउन होने के कारण दूसरे दिन भी इटकी पंचायत सचिवालयों में मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के सैकड़ो लाभुकों का आवेदन नहीं भरा जा सका. नौ पंचायत में कुल 47 आवेदन ही स्वीकृत हो सका. कुल्ली पंचायत में 12, इटकी पूर्वी में एक, इटकी पश्चिमी में एक, मल्टी पंचायत में 12, कुर्गी में 11, रानी खटंगा में 1 और कुंदी पंचायत में 9 आवदेन स्वीकृत हो पाई.

वाहन की टक्कर से बाइक सवार घायल

बेड़ो। थाना क्षेत्र के पुरनापानी लापुंग रोड पर अज्ञात वाहन की चपेट मेंआने से एक बाइक सवार घायल हो गया. घटना सोमवार की शाम लगभग छह बजे की है. घायल चेने उरांव बेड़ो के खिरदा गांव का निवासी है. हादसे के बाद नेहालू पंचायत के मुखिया बीरेंद्र भगत ने ग्रामीणों के सहयोग से 108 एंबुएंलेंस से इलाज के लिए बेड़ो सीएचसी पहुंचाया.

ई रिक्शा लूटकांड का खुलासा, तीन गिरफ्तार

रांची। चुटिया थाना क्षेत्र स्थित स्टेशन रोड में अपराधियों ने गौतम कुमार से उसका ई रिक्शा लूट लिया था. यह घटना रविवार की देर रात हुई है. सिटी एसपी राजकुमार मेहता के नेतृत्व में पुलिस की टीम ने कार्रवाई करते हुए इस घटना में शामिल तीन अपराधियों को गिरफ्तार किया है. जिनमें प्रकाश रंजन, किशन कुनाल सिंह और रितेश कुमार रजक शामिल है.

लोस चुनाव में उत्कृष्ट कार्यों के लिए पुलिस के 23 व सीआरपीएफ के 14 जवान सम्मानित

संवाददाता। रांची

सम्मान समारोह में उत्कृष्ट सेवा के लिए सम्मानित होते जवान.

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार एवं राज्य पुलिस नोडल पदाधिकारी एवी होमकर ने लोकसभा निर्वाचन में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले पुलिस के 23 एवं सीआरपीएफ के 14 जवानों को सम्मानित किया. सोमवार को निर्वाचन भवन में कार्यक्रम आयोजित कर जवानों को सम्मानित किया गया. मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि झारखंड में 5 बजे शाम के बाद चुनाव की परिकल्पना को इस बार दिन भर मतदान से पूरा करने का काम प्रशासनिक पदाधिकारियों, पुलिस और सीआरपीएफ के सम्मिलित प्रयासों से ही हो सका. उन्होंने कहा कि निर्वाचन ड्यूटी पर बाहर से आए पुलिस एवं सीआरपीएफ के जवानों को न्यूनतम सुविधाएं उपलब्ध कराने का कार्य किया गया था जिससे उन्हें अपने कर्तव्य पर परेशानी न हो. लोकसभा चुनाव में पूर्व से योजनाबद्ध होकर टीम की भावना से कार्य किया गया. निर्वाचन केवल एक व्यक्ति के बेहतर प्रदर्शन से नहीं किया जा सकता था, इसके लिए हर एक स्तर पर समन्वय स्थापित करते हुए सहयोग की भावना से कार्य हुआ है.

एवी होमकर ने कहा कि इस बार के लोकसभा निर्वाचन में निर्वाचन पदाधिकारियों, पुलिस एवं सीआरपीएफ के बीच का समन्वय बहुत ही सुदृढ़ था. पूरे निर्वाचन के दौरान मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के नेतृत्व में झारखंड में कार्य कर रही टीम ने टीम भावना से काम किया है. परिणाम स्वरूप लोकसभा का चुनाव शांतिपूर्ण रहा. उन्होंने इस अवसर पर लोकसभा चुनाव के अपने अनुभव साझा किए.

इस अवसर पर पुलिस के एस.पी. वायरलेस हरविंदर सिंह, डिप्टी कोमांडेंट मिथलेश कुमार, ए.एस.पी. अविनाश कुमार, डिप्टी एस पी दिलीप खलखो, इंस्पेक्टर राज कपूर, इंस्पेक्टर पंकज कुमार झा, सब इंस्पेक्टर सौरभ कुमार आहूजा, सब इंस्पेक्टर पवन कुमार, सब इंस्पेक्टर अरविंद कुमार मुंडा, सब इंस्पेक्टर रंजीत कुमार, सब इंस्पेक्टर शाइनी विल्सन एक्का, कांस्टेबल अशरफ अली अंसारी, कांस्टेबल वीरशेन बहादुर, कांस्टेबल संजय कुमार, कांस्टेबल शशि रंजन कुमार, कांस्टेबल संतोष बहादुर गुरुंग, कांस्टेबल अरुण प्रधान, कांस्टेबल गजेंद्र कुमार छेत्री, कांस्टेबल इकबाल हुसैन को मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा प्रशस्तिपत्र एवं मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया.

वहीं सीआरपीएफ के डीआईजी सतीश कुमार लिंडा, कमांडेंट ऑपरेशन आनंद कुमार जेराई, कमांडेंट 2 ऑपरेशन सुशील कुमार पांडेय, डिप्टी कमांडेंट दीपक कुमार यादव, डिप्टी कमांडेंट सुधीर कुमार, असिस्टेंट कमांडेंट धनजीव कुमार, असिस्टेंट कमांडेंट केश प्रकाश, असिस्टेंट कमांडेंट रोशन कुमार , एएसआई मांगी लाल, एचसी कारालें प्रमोद सीताराम, एचसी सुदीप कुमार, कांस्टेबल रजनीश कुमार, कांस्टेबल कृष्णा कांति मंडल, कांस्टेबल मृदु रंजन कुमार को मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा प्रशस्तिपत्र एवं मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया.

इस अवसर पर डीआईजी धनंजय सिंह, डीआईजी इंद्रजीत महथा, डीआईजी अश्विनी कुमार सिन्हा,डीआईजी सीआरपीएफ सतीश कुमार लिंडा, संयुक्त निर्वाचन पदाधिकारी सुबोध कुमार, ओएसडी गीता चौबे, सहायक निर्वाचन पदाधिकारी देव दास दत्ता, उप निर्वाचन पदाधिकारी मुख्यालय संजय कुमार उपस्थित रहे.

डीजीपी के निर्देश पर पूरे झारखंड में चला विशेष छापेमारी अभियान

राज्यभर में 24 घंटे में 605 फरार अपराधी गिरफ्तार

सौरभ सिंह। रांची

जाने कहां से कितने फरार अपराधी गिरफ्तार हुए

रांची रेंज	चाईबासा – 11
जिला– गिरफ्तारी	कुल – 51
रांची – 34	**हजारीबाग रेंज**
गुमला – 07	जिला– गिरफ्तारी
लोहरदगा – 06	हजारीबाग – 105
सिमडेगा – 01	गिरिडीह – 61
खूंटी – 09	कोडरमा – 36
कुल – 57	चतरा – 64
बोकारो रेंज	रामगढ़ – 31
जिला– गिरफ्तारी	कुल – 297
धनबाद – 105	**पलामू रेंज**
बोकारो – 47	जिला– गिरफ्तारी
कुल – 152	गढ़वा – 38
कोल्हान रेंज	लातेहार – 16
जिला– गिरफ्तारी	पलामू – 15
जमशेदपुर – 26	कुल – 69
सरायकेला – 14	संथाल परगना रेंज – 15

डीजीपी अनुराग गुप्ता के निर्देश पर राज्य भर में फरार एवं वारंटी अभियुक्तों की गिरफ्तार के लिए विशेष छापेमारी अभियान चलाया गया. इस कड़ी में पिछले 24 घंटे में राज्य भर के अलग-अलग जिलों से कुल 605 अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है. इनमें सबसे अधिक हजारीबाग और बोकारो रेंज से फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी हुई है. इनमें बीती रात चले अभियान में कुल 102 अपराधियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया है.

इससे पहले रविवार को रांची जोन के अलग-अलग क्षेत्रों से कुल 94 फरार अपराधियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था. उल्लेखनीय है कि पद संभालने के बाद ही डीजीपी अनुराग गुप्ता ने सभी जिले के एसएसपी, एसपी एवं वरीय पुलिस अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश जारी किया है कि हर हाल में अपने-अपने क्षेत्र में अपराध पर लगाम लगाएं. साथ ही पुलिसकर्मी किसी भी विवाद में न पड़ें, अन्यथा उन्हें बख्शा नहीं जाएगा. डीजीपी ने सभी थानेदारों को साफ शब्दों में निर्देश दिया है कि वह बेहतर पुलिसिंग करें और वर्दी का मान रखें. अगर पुलिस वाले बेहतर काम करेंगे, तो झारखंड पुलिस का हौसला बुलंद होगा.

रांची में छोटे-छोटे विवाद में हो रही हत्या की घटनाएं

रांची। छोटे-छोटे विवाद में लोग एक दूसरे की हत्या कर रहे हैं. राजधानी में भी पिछले एक महीने के दौरान इस तरह की एक के बाद एक कई घटनाएं सामने आई हैं. जहां छोटे से विवाद को लेकर किसी की गोली मारकर तो किसी की धारदार हथियार से काट कर हत्या कर दी गई. हालांकि इन सभी घटनाओं में शामिल आरोपियों को पुलिस ने तुरंत गिरफ्तार भी कर लिया.

खाने के बाद पैसा नहीं दिया, तो काट डाला गला : फास्ट फूड खाने के बाद पैसा नहीं देने पर होटलकर्मी सूरज गिरी ने चापड़ से गला काटकर राजू ठाकुर उर्फ कटरनी (30 वर्ष) की हत्या कर दी थी. यह घटना 13 जुलाई की शाम साढ़े चार बजे लालपुर थाना क्षेत्र के मोरहाबादी स्थित रजिस्ट्री ऑफिस के समीप हुई थी. मंडाटांड़ निवासी मृतक राजू ठाकुर पेशे से ई-रिक्शा चालक था. पुलिस ने हत्या के आरोपी सूरज गिरी को गिरफ्तार कर लिया था.

दशहरा के जुलूस में स्कॉर्पियो घुसाने को लेकर हुई मारपीट, पूर्व पार्षद की हत्या: रांची के धुर्वा में पूर्व पार्षद वेद प्रकाश की बीते सात जुलाई को गोली मार कर हत्या कर दी गई थी. हत्या का मुख्य साजिशकर्ता धीरज मिश्रा है. वह साल 2018 में अपनी स्कॉर्पियो से दशहरा के समय रांची गया था, तो धुर्वा बस स्टैंड में दशहरा के जुलूस में स्कॉर्पियो घुसाने के कारण धुर्वा रांची के वार्ड पार्षद वेद प्रकाश सिंह से झगड़ा हो गया, तो वेद प्रकाश सिंह और धीरज समर्थकों ने मारपीट की थी और स्कॉर्पियो को भी तोड़ दिया था. जिसके बाद धीरज ने अपने सहयोगियों के साथ मिलकर छह साल बाद वेद प्रकाश की गोली मारकर हत्या कर दी.

मोबाइल लूटने को लेकर युवक को मार दी गई गोली

अरगोड़ा थाना क्षेत्र स्थित फल मंडी के पीछे 19 जुलाई की रात करीब 10 बजे अभिषेक नाम युवक की गोली मार कर हत्या कर दी गयी थी. हत्या के आरोपियों ने अभिषेक से मोबाइल लूटने का प्रयास किया, जिसके बाद वह भागने लगा. इसी दौरान उसे पीछे से गोली मार दी गई.

मारपीट करने की वजह से अधिवक्ता की हुई हत्या

सुखदेवनगर थाना क्षेत्र के मधुकम में बीते दो अगस्त को अधिवक्ता की चाकू मारकर हत्या कर दी गई. इस घटना में गिरफ्तार आरोपियों ने पुलिस को पहले बताया कि घटना के दिन पूजा सामग्री गिरने की वजह से ही अधिवक्ता ने उसके साथ मारपीट की थी. इसी वजह से उन्होंने अधिवक्ता की हत्या कर दी. इसके बाद आरोपी ने पुलिस को बताया कि अधिवक्ता के घर के पीछे एक जमीन है और उस जमीन को लेकर विवाद था.

एनआईए की जांच में हुआ खुलासा

फर्जी कंपनी बनाकर अमन साहू के लेवी के पैसे को इन्वेस्ट करता था शंकर

संवाददाता। रांची

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने सोमवार को लातेहार के तेतरियाखाड़ कोयला खदान में गोलीबारी, जबरन वसूली और आगजनी के मामले में जेल में बंद गैंगस्टर अमन साहू के एक प्रमुख सहयोगी के शंकर यादव खिलाफ आरोप पत्र दायर किया है. इस मामले में एनआईए द्वारा आरोप पत्र दाखिल किया जाने वाला 25वां आरोपी शंकर यादव, अमन साहू का प्रमुख सहयोगी था. जो वर्तमान में झारखंड के विभिन्न मामलों में जेल में है. वह अमन साहू द्वारा जबरन वसूली के पैसे को ठिकाने लगाने के लिए फर्जी कंपनियों का उपयोग करता था. जांच के दौरान, फरवरी 2024 में शंकर यादव के परिसरों की तलाशी ली गई, जिसमें एक करोड़ तीस लाख रुपये नकद जब्त किए गए थे.

अन्य संगठित आपराधिक गिरोहों के साथ संबंध विकसित किए : एनआईए की जांच में झारखंड में पुलिस अधिकारियों और जेल कर्मचारियों पर गोलीबारी सहित कई सनसनीखेज अपराधों में अमन साहू गिरोह की संलिप्तता का खुलासा हुआ है. साहू के मुख्य निशाने पर कारोबारी और ठेकेदार रहे हैं. गिरोह ने अपनी आपराधिक गतिविधियों को अंजाम देने के लिए राज्य के बाहर अलग-अलग नक्सली संगठनों और अन्य संगठित आपराधिक गिरोहों के साथ संबंध विकसित किए हैं. इस मामले में आगे की जांच जारी है.

न्यूज अपडेट

बैठक में नशाखोरी को रोकने के लिए बनी कमेटी

रांची। मजलिस उलेमा झारखंड की बैठक कांके पतरा टोली जामा मस्जिद में मौलाना साबिर हुसैन की अध्यक्षता में हुई. बैठक में समाज में फैली बुराई कि रोकथाम, नशाखोरी की रोकथाम पर चर्चा की गई. निर्णय लिया गया की मजलिस उलेमा की निगरानी में हर गांव में इसलाहे मुआशरा कमेटी का गठन किया जाए, जो समाज के हर वर्ग को उसमें उलेमा, पंचायत, संगठन और समाज में कार्य कर रहे जिम्मेदारों और समाज के फिक्रमंदों को जोड़ कर कमेटी बने. हर गांव में इसलाहे मुआशरा कमेटी के कन्वीनर व को कन्वीनर बने. स्थानीय कमेटी अपने तौर पर इस्लाही काम करेगी, लेकिन मजलिस उलेमा झारखंड से मशवरा करके आगे की रणनीति तय करेगी.

शिव मंदिर में भक्तों ने किया श्रृंगार पूजा

इटकी। सावन माह के तीसरी सोमवारी के अवसर पर इटकी के मुख्य शिव मंदिर में श्रृंगारी पूजा की गयी . मौके पर भजन कीर्तन का भी आयोजन हुआ. श्रृंगारी पूजा पंडित शत्रुघ्न पांडे के नेतृत्व में बबलू महतो वा पत्नी खुशबू देवी द्वारा किया गया. मौके पर मंदिर व शिवलिंग को आकर्षक ढंग से सजाया गया था . कार्यक्रम में लाल रामेश्वर नाथ शाहदेव, दिवाकर शाही, कृष्णा राम तिवारी, पंचम महतो, अमित महतो, नितिन, अंकित, मनोज महतो, देवेंद्र महतो, नंदलाल महतो सहित अन्य शामिल थे. बोल बम के उदघोषों के बीच महिलाओं सहित काफी संख्या में श्रद्धालुओं ने भगवान शिव का जलाभिषेक किया.

ननग्राटा हटाने पर यूनियन सदस्यों ने ललन को बधाई दी

ख़लारी। राष्ट्रीय कोयला मजदूर यूनियन के सीसीएल स्तरीय नेता ललन प्रसाद सिंह से पुरनाडीह परियोजना के यूनियन से जुड़े सदस्यों ने मुलाकात कर फूलों का गुलदस्ता सौंपकर उन्हें हार्दिक बधाई दी. ललन सिंह पर सीसीएल प्रबंधन के द्वारा पर्सनल ननग्राटा लगाया गया था, जिसे कुछ महीनों के प्रतिबंध के बाद हटा दिया गया. सोमवार को सभी यूनियन सदस्यों ने उनके आवास में जाकर पुष्प गुच्छ व मिठाई खिलाकर खुशी जाहिर किया. मौके पर महेंद्र यादव, बसंत प्रसाद, प्रमिला कुमारी, किरण देवी, मनोज चौधरी, अभिमनु कुमार, रंजीत प्रसाद, राजेश्वर गंझू, अशरफ आलम, सुमंत गुप्ता सहित अन्य उपस्थित थे.

मुरगू डायवर्सन पर यातायात शुरू,मिली राहत

रातू। एन एच 75 पर रातू के मुरगू ग्राम में पिछले दिनों हुई भारी बारिश में बहे डायवर्सन पर सोमवार को 4 बजे से आवागमन शुरू हो गया है. इससे पूर्व प्रशासन ने दोपहर 1:00 बजे से बजे से दो पहिया एवं तीन पहिया वाहनों को ट्रायल के तौर पर आवागमन हेतु अनुमति दिया किंतु संतोष जनक स्थिति नहीं पाए जाने पर यातायात पुनः रोक दिया गया . फिर शाम 4 बजे से सभी प्रकार के वाहनों के लिए यातायात हेतु डायवर्सन खोल दिया गया है. अब सभी वाहन निर्बाध रूप से इस डायवर्सन से होकर आवागमन कर रहे हैं.

विधायक ने पीसीसी पथ निर्माण कार्य का शिलान्यास किया

सिल्ली/मुरी। विधायक सुदेश कुमार महतो ने सोमवार को पतराहातु पंचायत के घाघरा में 400 फीट एवं छोटाचांगड़ु में 300 फीट पीसीसी पथ निर्माण पीसीसी पथ एवं निर्माण कार्य का शिलान्यास, जयपाल सिंह, जिप उपाध्यक्ष वीणा चौधरी, प्रमुख जितेंद्र बड़ाइक एवं बीडीओ रेणु बाला ग्रामीणों एवं आजसू कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में किया. निर्माण कार्य विधायक निधि की राशि से किया जाना है. इस मौके पर धीरज सहू शर्मिला कुमारी ,मंटु महतो, राजिव मांझी, मिथलेश महतो, अंबिका देवी, मीरा कुमारी समेत ग्रामीण उपस्थित थे.

एक्यूप्रेशर परिषद ने की महादेव की पूजा- अर्चना

नामकुम। एक्यूप्रेशर परिषद झारखंड शाखा टाटीसिलवे में भगवान महादेव का पूजन रुद्राभिषेक किया . एक्यूप्रेशर परिषद के सचिव डॉ मधुसूदन पांडे ने बताया एक्यूप्रेशर चिकित्सा पद्धति के माध्यम से शरीर के नसों को दबाकर बीमारी का इलाज करता है. एक्यूप्रेशर परिषद के डॉक्टर को एक्यूप्रेशर रत्न प्रो एक्यूप्रेशर गौरव 10 अगस्त 2024 को कुशीनगर में अंतरराष्ट्रीय मिलन समारोह में दिया जाएगा . कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रीति कुमारी, ललिता कुमारी, रिंकू महतो, रामबालक सिंह, अखिल पाठक, सिद्धि देवी, संगीता पोद्दार, पिंकी देवी, संदीप पांडे, दीपक पांडे, सुजीत ठाकुर ,शशि कुमार, मुख्य जजमान राकेश सिंह एवं माधुरी व अन्य का अहम योगदान रहा .

डकरा में तीन दिवसीय नशामुक्ति कार्यक्रम संपन्न

डकरा। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय गुमला शाखा के नेतृत्व में डकरा सुभाष नगर के ब्रह्माकुमारी गीता पाठशाला द्वारा त्रिदिवसीय नशामुक्ति कार्यक्रम के अंतिम दिन डीएवी पब्लिक स्कूल खलारी में छात्रों को नशे से दूर रहने की शपथ दिलाई गई. इस अवसर पर खलारी डीएसपी आरएन चौधरी मुख्य अतिथि थे. डीएवी के प्रिंसिपल डॉक्टर कमलेश कुमार ने उनका स्वागत किया. प्रीति बहन ने बच्चों को राजयोग मेडिटेशन के लाभ बताए और ध्यान को दिनचर्या में शामिल करने पर जोर दिया. अंत में कमल भाई ने सभी को नशामुक्ति की शपथ दिलाई. प्रीति बहन ने शिक्षकों को ईश्वरीय सौगात और ब्रह्मा प्रसाद भेंट किया. डॉक्टर कमलेश कुमार ने सभी अतिथियों का सम्मान किया.

बाढ़ में फंसे 35 ग्रामीणों को रेस्क्यू किया

संवाददाता। केतार/गढ़वा

रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाए गये गढ़वा व रोहतास के ग्रामीण.

गढ़वा जिला में बहने वाली दो मुख्य नदियां कोयल और सोन का जल स्तर काफी बढ़ा हुआ है. इस बीच जिले के हरिहरपुर ओपी क्षेत्र के होहरगड़ा और मेटौनी गांव के पास सोन नदी में आई बाढ़ में रविवार की देर रात करीब 35 लोग फंस गये थे. जिला प्रशासन ने सभी लोगों को एनडीआरएफ की मदद से रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थान पर पहुंचा दिया है.

बाढ़ में फंसे लोगों में कुछ लोग बिहार के रोहतास जिले के थे, तो कुछ गढ़वा जिले के कांडी प्रखंड के रहनेवाले थे. उक्त ग्रामीण सोन नदी के बीच टापुनुमा जगह पर रह कर खेतीबाड़ी और मवेशी चराने का काम करते थे. लोगों के बाढ़ में फंसे होने की जानकारी मिलते ही डीसी शेखर जमुआर, एसपी दीपक पांडेय, एसडीओ बंशीधर, केतार बीडीओ विकास कुमार और हरिहरपुर ओपी प्रभारी रौशन कुमार रवानी रात में ही स्थल का जायजा लेने पहुंचे थे.

बाढ़ से सैकड़ों एकड़ में लगी फसल जलमग्न

कांडी (गढ़वा)। प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत रविवार की देर शाम सोन नदी में आई बाढ़ की पानी से सोन तटीय इलाका की सैकड़ों एकड़ में लगाई गई धान, मक्का, अरहर तिल की फसल पूरी तरह जलमग्न हो गई . विदित हो कि रविवार को सोन नदी का जलस्तर काफी तीव्र गति से बढ़ रहा था, जिसको लेकर सोन तटीय इलाका सोनपुरा, बरवाडीह, सुंडीपुर, बनकट सहित अन्य गांव के लोग बाढ़ की भय से पूरी रात जागते रहे . सोन नदी की बढ़ते जल स्तर से सोन तटीय इलाके के लोग अपने-अपने पालतू जानवरों को सुरक्षित स्थान पर ले जाकर रखा . बाढ़ की पानी नारायणपुर गांव स्थित पुलिया से होकर बेलहत, चोका, सोनपुरा, बरवाडीह, बलियारी गांव के दोहर में किसानों द्वारा लगाए गए सैकड़ो एकड़ में लगे धान की फसल जलमग्न हो गया .

गांव के होनहार बच्चों ने कामयाबी की नई कहानी लिखी है : सुदेश

- ग्रामीण परिवेश के छात्रों ने कई चुनौतियां पार कर एक उदाहरण पेश किया है
- 1034 छात्र-छात्राओं को किया गया सम्मानित

संवाददाता। राहे

प्रखंड के माही वैंकट हॉल में गूंज परिवार के तत्वावधान में मेधा प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया. वर्ष 2024 में मैट्रिक एवं इंटरमीडिएट परीक्षा में सफलता का परचम लहराने वाले राहे प्रखंड के 1043 छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया. समारोह के मुख्य अतिथि पूर्व उपमुख्यमंत्री सह विधायक सुदेश महतो, बीडीओ खगेश कुमार, अंतरास्ट्रीय लॉन बॉल गोल्ड मेडलिस्ट दिनेश महतो, थाना प्रभारी चन्दन कुमार, सीआई सौरभ गांगुली एवं अन्य अतिथियों ने प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को उत्कृष्ट प्रमाण पत्र और पुरस्कार तथा प्रखंड टॉपर एस एस हाई स्कूल सोनाहातू के सुशांत कुमार दास और राजकीय उत्क्रमित हाई स्कूल जामुदाग की अंजली कुमारी एवं हेमन्त कुमार मंडल को टैबलेट देकर तथा उनके अभिभावकों को शॉल देकर सम्मानित किया गया. वहीं प्रखंड के सभी विद्यालयों में मैट्रिक एवं इंटर के टॉपर को उत्कृष्ट प्रमाण पत्र, पुरस्कार उनके अभिभावकों को शॉल देकर सम्मानित किया गया. समारोह को संबोधित करते हुए सुदेश कुमार महतो ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों ने शहर के बच्चों की तुलना में अपने आप को खड़ा करना एक चुनौती है. हमारे ग्रामीण परिवेश के छात्रों ने इन चुनौतियों को स्वीकार कर एक उदाहरण पेश किया है. तमाम बाधाओं के बावजूद क्षेत्र के होनहार विद्यार्थियों ने कामयाबी की नई कहानी लिखी है.

उपलब्धि एनआईटी जमशेदपुर में इस वर्ष 93.76 फीसदी विद्यार्थियों का रिकॉर्ड प्लेसमेंट

सृष्टि चिरानिया को 1.23 करोड़ का पैकेज, छह छात्र 82 लाख पर लॉक

संजीव मेहता। आदित्यपुर

आदित्यपुर स्थित एनआईटी जमशेदपुर में वर्ष 2023-24 में छात्रों का बंपर प्लेसमेंट हुआ है. पूर्व के सारे रिकॉर्ड को तोड़ते हुए पहली बार संस्थान की कंप्यूटर साइंस की छात्रा सृष्टि चिरानिया को यूएस की कंपनी रुब्रिक ने 1.23 करोड़ रुपये के वार्षिक पैकेज पर लॉक किया है. पिछले वर्ष का अधिकतम वार्षिक पैकेज 82 लाख रुपये था. संस्थान के निदेशक प्रो. गौतम सूत्रधर और ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट ऑफिसर प्रो एके चौधरी ने यह जानकारी दी. उन्होंने बताया कि इस वर्ष दूसरे उच्चतम पैकेज के रूप में संस्थान के छह छात्रों को एक प्रसिद्ध बहुराष्ट्रीय सॉफ्टवेयर कंपनी एटलसियान ने 82 लाख रुपये प्रतिवर्ष के पैकेज पर लॉक किया है. संस्थान में इस वर्ष 93.76 फीसदी छात्रों का रिकॉर्ड प्लेसमेंट हुआ है.

कंप्यूटर साइंस की छात्रा को यूएस की कंपनी रुब्रिक में मिला प्लेसमेंट

उपलब्धि के बारे में जानकारी देते प्रो गौतम सूत्रधर, प्रो एके चौधरी व अन्य फैकल्टी सदस्य.

संस्थान के लिए उल्लेखनीय उपलब्धि : प्रो. गौतम सूत्रधर

प्रो. सूत्रधर ने बताया कि छात्रा सृष्टि चिरानिया ने रिकॉर्ड-ब्रेकिंग प्लेसमेंट प्राप्त किया है. यह उल्लेखनीय उपलब्धि संस्थान के लिए एक नया मानदंड स्थापित करती है. इसके अलावा संस्थान के छह विद्यार्थियों को एक प्रसिद्ध बहुराष्ट्रीय सॉफ्टवेयर कंपनी ने 82 लाख रुपये सालाना का प्लेसमेंट दिया है. इनमें कंप्यूटर साइंस की तान्या सिंह व आदर्श कश्यप, इलेक्ट्रॉनिक एंड कम्युनिकेशन के अर्पित कुमार और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के अपूर्व सिन्हा, शुभम कुमार व राहुल पांडे शामिल हैं.

बीटेक में 673 विद्यार्थियों में से 631 का प्लेसमेंट हुआ

प्लेसमेंट ऑफिसर प्रो एके चौधरी ने बताया कि संस्थान में बीटेक के कुल 673 छात्र हैं, जिनमें से 631 का प्लेसमेंट हो चुका है. उन्होंने बताया कि सभी विभागों में 90 फीसदी, जबकि मेटलर्जी विभाग में शत-प्रतिशत प्लेसमेंट हुआ है. इसके अलावा एम टेक में 60 फीसदी यानी 125 और एमसीए में 80 छात्रों का प्लेसमेंट हुआ है. शेष छात्रों ने प्लेसमेंट के बजाय पीएचडी में रुचि दिखाई है. एमटेक और एमसीए में उच्चतम 40.33 लाख और न्यूनतम 8.73 लाख रुपये सालाना का पैकेज मिला है.

एनआईटी जमशेदपुर में 12 से इवनिंग क्लास

एनआईटी जमशेदपुर में पीजी प्रोग्राम के तहत 12 अगस्त से इवनिंग क्लास की शुरुआत हो रही है. इस क्लास में एमटेक के तहत डेटा साइंस और स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग की पढ़ाई होगी. वहीं, शेष सात विभागों में भी कुल नौ तरह के प्रोग्राम की पढ़ाई होगी. निदेशक प्रो. सूत्रधर ने बताया कि संस्थान में एक नए कोर्स मास्टर इन डिजाइन की भी शुरुआत हो रही है. यह कोर्स देशभर के 22 एनआईटी, आईआईटी में शुरू हो रहे हैं.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष संतान भाव मे शुक्र, चंद्रमा और बुध का योग है। गलत दोस्तों से बचें. विद्यार्थी वर्ग शोध कार्य व शैक्षणिक गतिविधियों में सफलता प्राप्त कर सकते हैं. स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद प्राप्त होगा. व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा.

वृषभ भौतिक सुख में वृद्धि होगी. साथ ही कार्य की सफलता के लिए प्रयास अधिक करना पड़ेगा. गलतफहमी से विवाद हो सकता है. भावनाओं पर अंकुश आवश्यक है. हितशत्रुओं से सावधान रहें. कारोबार ठीक चलेगा. आय होगी.

मिथुन पराक्रम से कार्य सिद्ध होगा. किसी प्रबुद्ध से मुलाकात होगी. कोई बड़ा कार्य प्रारंभ करने का मन बनेगा. व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा. निवेश शुभ फल देगा. समय की अनुकूलता का लाभ लें. भरपूर प्रयास करें.

कर्क कोई बड़ा कार्य होने से मन प्रसन्न होगा. आत्मविश्वास में बढ़ोतरी होगी. जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे. कार्य के प्रभाव से आय में वृद्धि होगी. परिवार में खुशी का माहौल रहेगा. किसी मांगलिक कार्य में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा.

सिंह समय बहुत ही उत्तम है. शारीरिक और मानसिक शांति मिलेगा. व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी. भाग्य का सहारा रहेगा. परिवार में खुशी का माहौल रहेगा. चोट व रोग से बचें. किसी बड़ी समस्या से निजात मिल सकती है.

कन्या नेत्र विकार से बचना चाहिए. कर्ज लेना पड़ सकता है. किसी व्यक्ति के उकसावे में नहीं आएं. क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें. कीमती वस्तुएं संभालकर रखें. स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा. व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा.

तुला आय के लिए दिन उत्तम है. नए कार्य को लेकर लापरवाही न करें. व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी. लाभ के अवसर हाथ आएंगे. पुरानी लेनदारी वसूली के प्रयास सफल रहेंगे. कारोबार में वृद्धि होगी. जल्दबाजी न करें. इतर का दान करें.

वृश्चिक कोई मानसिक पीड़ा हो सकती है. लेन-देन में जल्दबाजी न करें. शत्रुओं का पराभव होगा. आर्थिक नीति में बदलाव हो सकता है. कार्यप्रणाली में सुधार होगा. तत्काल लाभ नहीं मिलेगा. सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी. हनुमानजी का पूजन ध्यान करें.

धनु किसी महिला मित्र से विवाद हो सकता है. अनहोनी की आशंका रह सकती है. कोर्ट-कचहरी तथा सरकारी मामलों की बाधा दूर होकर स्थिति अनुकूल रहेगी. लाभ के अवसर हाथ आएंगे. पूजा-पाठ आदि पर व्यय होगा.

मकर बेकार के बहस से बचना चाहिए. क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें. पुराना रोग परेशानी का कारण बन सकता है. वाहन व मशीनरी आदि के प्रयोग में लापरवाही न करें. कारोबार ठीक चलेगा. आय में निश्चितता रहेगी.

कुंभ उदर विकार हो सकता है. व्यापार में लाभ का योग है. दांपत्य जीवन में आनंद का वातावरण रहेगा. कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति लाभदायक बनेगी. आय में वृद्धि होगी. नौकरी में मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा. नए कार्य का लाभ होगा.

मीन पड़ोसियों से बिना वजह उलझे नहीं. मौसमी बीमारियों से बचना चाहिए. व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा. लंबी यात्रा की योजना बन सकती है. स्थायी संपत्ति में वृद्धि के योग हैं. बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे. पीली वस्तु का दान करें.

अब मेदिनीनगर के नाम से जाना जाएगा डालटनगंज रेलवे स्टेशन

जैनेंद्र कुमार।मेदिनीनगर

अब डाल्टेनगंज रेलवे स्टेशन का नाम भी बदलने वाला है. इस पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सहमति दे दी है. अब आगे की प्रक्रिया केंद्रीय गृह मंत्रालय पूरी करेगा. इसी के साथ पलामूवासियों की लंबे समय से डालटनगंज रेलवे स्टेशन का नाम बदलने की मांग पूरी हो जाएगी. इसे लेकर पलामू सांसद विष्णु दयाल भी मुखर रहे थे. उन्होंने भी इस मामले को कई स्तर पर उठाया था. जानकारी के अनुसार 2021 में ही केंद्रीय गृह मंत्रालय नहीं इस मामले को लेकर पलामू जिला प्रशासन से पत्राचार किया था.

डाल्टेनगंज 2001 में बना था मेदिनीनगर : डाल्टेनगंज शहर का नाम परिवर्तन को लेकर लंबे समय से आंदोलन चल रहा था. स्थानीय लोग चाहते थे कि इस शहर का नाम चेरो राजा मेदिनी राय के नाम पर हो. इसे लेकर दो दशक से अधिक समय तक लोगों और सरकार के बीच बातचीत चलती रही. अंततः झारखंड राज्य गठन के बाद साल 2001 में डाल्टेनगंज का नाम बदल कर मेदिनीनगर किया गया.

अधिवक्ता की गिरफ्तारी के विरोध में न्यायिक कार्य से रहे अधिवक्ता

लातेहार। व्यवहार न्यायालय में प्रैक्टिसरत अधिवक्ता संजय कुमार गुप्ता की अजा जनजाति थाना प्रभारी के द्वारा गिरफ्तार किए जाने पर जिला अधिवक्ता संघ की आपात बैठक बुलाई गई. बैठक की अध्यक्षता अध्यक्ष राजमणि प्रसाद ने किया. बैठक में प्रशासनिक सचिव लाल अरविंद नाथ शाहदेव ने गिरफ्तारी के मामला को रखते हुए बताया कि अधिवक्ता की गिरफ्तारी रात में किसी भी परिस्थिति में क्षम्य नहीं है. शाहदेव ने दोषी पुलिसकर्मियों के प्रति रोष व्यक्त करते हुए अधिवक्ताओं को न्यायिक कार्ड से अलग रहने की बात कही. जिसे उपस्थित अधिवक्ताओं ने समर्थन किया. संघ द्वारा प्रधान जिला और सत्र न्यायाधीश मनोज कुमार सिंह को एक ज्ञापन सौंप. बैठक में अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष राजमणि प्रसाद, वृंद कुमार, जयप्रकाश नाथ शाहदेव, अरुण द्विवेदी, शमशुल कमर खान, संजय कुमार,अनिल ठाकुर, सुनील कुमार, नवीन कुमार गुप्ता, गणेश प्रसाद, अब्दुल सलाम, राजीव रंजन पांडेय, प्रदीप उपाध्याय, विवेक कुमार आदि ने अपने-अपने बातों को रखा.

बियोंड बिजनेस : इम्पैक्ट ऑफ टाटा ग्रुप का होगा प्रकाशन

सिंहभूम चैंबर ऑफ कामर्स करेगी अंग्रेजी भाषा में लिखी गई पुस्तक प्रकाशित

संवाददाता । जमशेदपुर

सिंहभूम चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज टाटा ग्रुप की उपलब्धियों का बखान करती एक कॉफी टेबल बुक का प्रकाशन करने जा रहा है. इस पुस्तक का संपादन लेखक संदीप मुरारका ने किया है. खूबसूरत आवरण एवं लगभग 170 रंगीन पृष्ठों से सुसज्जित यह पुस्तक राष्ट्र निर्माण में टाटा ग्रुप के योगदान को बयां करेगी.

पुस्तक के प्रथम पृष्ठों में महात्मा गांधी, नेताजी सुभाष चंद्र बोस, प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू, इंदिरा गांधी, अटल बिहारी बाजपेयी, देश के वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ टाटा घराने की यादगार तस्वीरों को संकलित किया गया है. टाटा ग्रुप प्रबंधन एवं टाटा से जुड़े अन्य सहयोगियों की विशिष्ट उपलब्धियों को भारत सरकार ने समय-समय पर देश के सर्वोच्च पुरस्कारों से नवाजा है. देश में पद्म पुरस्कार प्रदान करने की परंपरा वर्ष 1954 में प्रारंभ की गई थी. तब से वर्ष 2024 तक कुल 53 भारत रत्न, 336 पद्म विभूषण, 1320 पद्म भूषण एवं 3531 पद्मश्री प्रदान किये जा चुके हैं. इस कॉफी टेबल बुक में टाटा ग्रुप से संबंधित नामों को चिन्हित कर अलग संकलित करने का प्रयास किया गया है, ताकि प्रबंधन के छात्र-छात्राएं इनकी सफलता की कहानियों को पढ़कर प्रेरणा प्राप्त कर सकें. संपादक संदीप मुरारका ने बताया कि उद्योग एवं व्यवसाय के क्षेत्र में आज तक मात्र एक भारत रत्न प्रदान किया गया है और यह सम्मान टाटा ग्रुप के पूर्व चेयरमैन जेआरडी टाटा को प्राप्त हुआ है. साथ ही टाटा ग्रुप द्वारा वैज्ञानिक अनुसंधान और उच्च शिक्षा के लिये स्थापित अग्रगण्य शिक्षण संस्थान 'भारतीय विज्ञान संस्थान' के दो पूर्व निदेशकों प्रो. सीएन रामचंद्र राव और डॉ. सीवी रमन को भी भारत रत्न से अलंकृत किया जा चुका है.

व्यवसाय से परे टाटा समूह का प्रभाव : अंग्रेजी भाषा में लिखी गई पुस्तक 'बियोंड बिजनेस : इम्पैक्ट ऑफ टाटा ग्रुप' में टाटा प्रबंधन, टाटा द्वारा स्थापित संस्थानों में कार्यरत चिकित्सक, वैज्ञानिक, इंजीनियरों की फेहरिस्त है. इनमें तीन भारत रत्न, 17 पद्म विभूषण, 62 पद्म भूषण, 51 पद्मश्री विभूषित व्यक्तित्व शामिल हैं. साथ ही टाटा घराने की ओर से खेलने वाले खिलाड़ियों को पांच मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार, नौ द्रोणाचार्य पुरस्कार, 79 अर्जुन अवार्ड, पांच तेनजिंग नोर्गे राष्ट्रीय साहसिक पुरस्कार, पांच राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार प्राप्त हो चुके हैं.

13 माउंट एवरेस्ट विजेताओं का है जिक्र : सिंहभूम चैंबर ऑफ कामर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष विजय आनंद मूनका कहते हैं कि टाटा ग्रुप ने ना केवल कारखाने स्थापित किये, बल्कि कई ऐसी संस्थाओं का गठन किया, जिनके कीर्तिमानों से पूरे विश्व में देश का गौरव बढ़ा है. ऐसा ही एक संस्थान है - 'टाटा स्टील एडवेंचर फाउंडेशन', जहां प्रशिक्षित तेरह पर्वतारोहियों ने माउंट एवरेस्ट के साथ साथ विश्व के उच्चतम शिखरों पर भी तिरंगा लहराया है. इन सबका परिचय इस कॉफी टेबल बुक में शामिल किया गया है.

कुल आठ अध्याय हैं इस पुस्तक में : सिंहभूम चैंबर ऑफ कामर्स एंड इंडस्ट्रीज के पीआरडब्ल्यू विंग द्वारा प्रकाशित की जाने वाली बियोंड बिजनेस : इम्पैक्ट ऑफ टाटा ग्रुप के विषय में उपाध्यक्ष अभिषेक अग्रवाल गोल्डी बताते हैं कि टाटा ग्रुप द्वारा अर्जित पुरस्कारों के अलावा नौ ऐसे व्यक्तियों का परिचय भी इस पुस्तक में शामिल किया गया है. जो पद्म पुरस्कारों से अलंकृत नहीं हैं, परंतु उनकी जड़ें भी कभी ना कभी टाटा की माटी से जुड़ी रहीं हैं. ऐसे लोगों में मिल्क मैन ऑफ इंडिया के नाम से विख्यात वर्गीस कुरियन, विख्यात लेखिका, प्रेरक वक्ता एवं मनोनीत राज्यसभा सांसद सुधा मूर्ति, देश के प्रमुख उद्योगपति वेणु श्रीनिवासन एवं देश में औद्योगिक और शैक्षणिक संबंधों की मजबूती के पैरोकार प्रो. अशोक झुनझुनवाला का नाम उल्लेखनीय है. होटल ताज की घरेलू मैगजीन 'ताज' की संपादक फातिमा जकारिया को भी पद्मश्री से विभूषित किया जा चुका है.

टाटा पर जारी हुए कई सिक्के, डाक टिकट और स्पेशल कवर : सिंहभूम चैंबर ऑफ कामर्स एंड इंडस्ट्रीज के पीआरडब्ल्यू सचिव लिपु शर्मा ने बताया कि पोस्टल विभाग द्वारा समय समय पर टाटा के योगदान पर कई सिक्के, डाक टिकट और स्पेशल कवर जारी किए जा चुके हैं. इस पुस्तक में उस पूरी यात्रा का विस्तृत व सचित्र विवरण है. इस अध्याय को जमशेदपुर कॉयन कलेक्टर्स क्लब के प्रेम पीयूष कुमार और प्रीतम बासु ने संकलित किया है.

मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना-लगातार सर्वर डाउन, बढ़ा आक्रोश

पहले दिन तीन लोगों की हुई इंट्री

- अधिकांश महिलाएं शिविर में फॉर्म जमा करके बगैर पावती रसीद लिए ही वापस लौट गई
- अधिकांश शिविर में इक्के दुक्के महिलाओं का फॉर्म ही पोर्टल में सबमिट हुआ

संवाददाता ।पलामू

प्रज्ञा केंद्रों पर लगी महिलाओं की लंबी कतार.

जिले भर के प्रखंड की पंचायत व शहरी क्षेत्र के वार्डों में लगातार सर्वर डाउन रहने के कारण मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के शिविर से महिलाओं का लौटने का सिलसिला जारी है. बड़ी मुश्किल से महिलाएं बच्चे लेकर दिनभर कैंपों में खड़ी रही, लेकिन उन्हें निराशा हाथ लगी, जिससे महिलाओं में भारी आक्रोश देखा जा रहा है. बताते चलें कि विभिन्न पंचायत और वार्डों में सोमवार को तीसरे दिन भी कैंप लगा. शिविरों में बड़ी संख्या में महिलाएं पहुंची, लेकिन सर्वर की समस्या जस की तरह बरकरार रही. अधिकांश शिविर में इक्के दुक्के महिलाओं का फॉर्म ही पोर्टल में सबमिट हुआ और ऑनलाइन एंट्री के बाद पार्टी रसीद प्राप्त कर सकीं. अधिकांश महिलाएं शिविर में फॉर्म जमा करके बगैर पावती रसीद लिए ही वापस लौट गई. मेदिनीनगर शहर के टीचर ट्रेनिंग स्कूल में 25, 26, 27, 28 वार्ड के लिए तीसरे दिन कैंप लगाया गया. पहले दिन मात्र तीन लोगों की इंट्री हुई, उसके बाद से लगातार सर्वर डाउन चल रहा है. तीसरे भी समस्या बरकरार रही. यहां मात्र एक कंप्यूटर ऑपरेटर था.

मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के कैंप से लगातार गड़बड़ी सामने आ रही है. सर्वर डाउन रहने की समस्या आम है. इस बीच सोमवार को तरहसी पंचायत भवन में आयोजित कैंप से 9 प्रज्ञा केन्द्रों में से 8 संचालक गायब मिले. मामले की जानकारी मिलते ही प्रखंड विकास पदाधिकारी वरुण कुमार कार्रवाई में जुट गए हैं. उन्होंने इसे बड़ी चूक बताया है. बतातें चलें कि झारखंड सरकार ने 21 वर्ष से लेकर 50 वर्ष की महिलाओं को 1 हजार रूपए प्रतिमाह देने के लिए मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना की शुरूआत की है. इसके तहत प्रखंड की पंचायत में कैंप लगाए जा रहे हैं और इसके माध्यम से सभी के आवेदन ऑनलाइन किए जा रहे हैं.

बीडीओ ने बताया कि तरहसी पंचायत भवन में चल रहे मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के कैंप से 8 सीएससी संचालक गायब मिले. उनके खिलाफ कार्रवाई के लिए अग्रतर भेजी गई है. उन्होंने कहा कि सरकार की महत्वाकांक्षी योजना से सीएससी संचालक का गायब रहना कार्य के प्रति लापरवाही एवं कर्तव्यहीनता का प्रतीक है.

विशेष कैंप का आयोजन किया जाएगा : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना (जेएमएमएसवाई) की शुरुआत पर एक्स हैंडल पर पोस्ट कर झारखंड की बहनों को बहुत-बहुत बधाई दी है. उन्होंने कहा कि योजना का लाभ लेने में बहनों को आ रही शुरुआती परेशानी के बारे में उन्हें जानकारी मिली है. योजना को लेकर आ रही तकनीकी समस्याओं के त्वरित निवारण के लिए उन्होंने निर्देश दिया है तथा इस मामले को लेकर वरीय पदाधिकारियों की भी बैठक हुई है. योजना को लेकर दिख रहे उत्साह को लेकर उन्होंने पूरे राज्य में प्रज्ञा केंद्रों की संख्या बढ़ाने का भी निर्देश दिया है.

उन्होंने कहा है कि सभी बहनों को यह बताना चाहता हूं कि यह हमेशा चलने वाली योजना है. योजना का लाभ लेने हेतु कोई समय सीमा नहीं है. विशेष कैम्प के आयोजन के बाद भी जरूरतमंद बहनें कभी भी अपने नजदीकी प्रज्ञा केंद्र में जाकर इस योजना का लाभ ले सकेंगी. योजना से लोगों को आसानी से लाभ मिले, इसलिए 10 अगस्त तक विशेष कैम्प का आयोजन किया जा रहा है, जिसे और पांच दिन बढ़ाने का निर्देश दिया है.

सभी पंचायतों में शिविर लगाया गया है : जिले के पाटन प्रखंड की सभी पंचायतों में मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना का शिविर लगाया जा रहा है. सैकड़ों फार्म जमा कर लिया गया है, लेकिन ऑनलाइन सेवा नदारत है. सतोवा के मुखिया अखिलेश पासवान ने कहा कि उनकी पंचायत में अब तक 300 से ऊपर फॉर्म जमा हो चुके हैं. पंचकेडिया पंचायत में भी 500 से उपर फॉर्म जमा है, लेकिन ऑनलाइन नहीं होने के चलते परेशानी बनी हुई है. अब सभी लोगों का फॉर्म ऑफलाइन लिया जा रहा है. प्रमुख शोभा देवी ने कहा कि प्रखंड की कई पंचायत का दौरा किया. सर्वर की समस्या सभी पंचायत में देखने को मिल रही है. इससे लाभुकों को फॉर्म ऑनलाइन नहीं हो पा रहा है. झारखंड सरकार को इस समस्या को जल्द ही निदान करने की आवश्यकता है, ताकि हर गरीब परिवार तक योजना का लाभ पहुंच सके.

पेज एक का शेष

बांग्लादेश में तख्तापलट

बंग बंधु की प्रतिमा पर चले हथौड़े : सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो में प्रदर्शनकारी ढाका में हसीना के पिता एवं 1971 के मुक्ति संग्राम के नायक शेख मुजीबुर रहमान की प्रतिमा पर चढ़ते और हथौड़ों से उसे तोड़ते हुए नजर आए. धानमंडी और ढाका में हसीना की पार्टी अवामी लीग के कार्यालय को प्रदर्शनकारियों ने आग के हवाले कर दिया और सरकार विरोधी नारे लगाए. उन्होंने राजधानी में गृह मंत्री असदुज्जमां खान कमाल के आवास पर भी हमला किया और तोड़फोड़ की. उनके घर से धुआं निकलता भी देखा गया. नई सरकार ने प्रदर्शनकारियों के आम जनता से लॉन्ग मार्च टू ढाका में भाग लेने का आह्वान करने के बाद इंटरनेट को पूरी तरह बंद करने का सुबह आदेश दिया. एक सरकारी एजेंसी ने हालांकि सोमवार को अपराह्न करीब सवा एक बजे ब्रॉडबैंड इंटरनेट शुरू करने का मौखिक आदेश दिया. सोमवार की सुबह हिंसा के नए मामलों में छह लोग मारे गए, जब हजारों प्रदर्शनकारी लॉन्ग मार्च टू ढाका के लिए एकत्र हुए थे. प्रदर्शनकारियों के राजधानी में एकत्र होने के दौरान पुलिस और सेना सड़कों पर नजर आई.

इंटरनेट सेवा शुरू, पूरे देश में कर्फ्यू हटा : सेना प्रमुख ने हसीना की सरकार के खिलाफ बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शनों के बीच एक नाटकीय घटनाक्रम में उनके इस्तीफे की घोषणा करने के बाद देश से कर्फ्यू हटाने एवं इंटरनेट सेवाएं बहाल करने का आदेश दिया. इससे पहले सरकार ने प्रदर्शनकारियों के आम जनता से लॉन्ग मार्च टू ढाका में भाग लेने का आह्वान करने के बाद इंटरनेट को पूरी तरह बंद करने का सुबह आदेश दिया था.

भारत की करीबी नजर : इस बची, भारत सरकार के सूत्रों ने कहा कि ढाका में तेजी से बदल रहे घटनाक्रम पर नयी दिल्ली करीबी नजर रखे हुए है. हालांकि बांग्लादेश में जारी घटनाक्रम पर भारत की ओर से अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं आयी है. सरकार की तरफ से शेख हसीना को शरण देने के मामले पर किसी तरह की कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है. विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार शाम को पीएम मोदी से मुलकात कर बांग्लादेश के ताजा घटनाक्रम की जानकारी दी. उधर, पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने बांग्लादेश के लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है. उन्होंने कहा, बांग्लादेश को लेकर भारत सरकार जो भी फैसला लेगी, हम उसे मानेंगे. बांग्लादेश से लगने वाली सीमा पर तैनात बीएसएफ ने चौकसी कड़ी कर दी है.

अब तक क्या कार्रवाई हुई?

क्या है जनहित याचिका में : वर्ष 2020 में प्रार्थी पंकज कुमार यादव ने तत्कालीन रघुवर सरकार के पांच मंत्रियों के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति को लेकर जनहित याचिका दायर की थी. उनका आरोप था कि 2014 के चुनाव के वक्त अमर बाउरी ने 7.33 लाख की संपत्ति का ब्यौरा दिया था. यह संपत्ति 2019 में 12 गुणा से अधिक बढ़ कर 89.41 लाख हो गयी. रणधीर सिंह ने 2014 में 88.92 लाख की संपत्ति दिखाई थी, जो 2019 में 5.06 करोड़ हो गई. डॉ नीरा यादव ने 2014 में 80.59 लाख संपत्ति का ब्यौरा दिया था. उनकी संपत्ति 2019 में 3.65 करोड़ हो गई थी. लुईस मरांडी के पास साल 2014 में 2.25 करोड़ की संपत्ति थी, जो 2019 में चार गुणा बढ़ कर 9.06 करोड़ हो गई. वहीं नीलकंठ सिंह मुंडा के पास 2014 में 1.46 करोड़ की संपत्ति 2019 में 4.35 करोड़ हो गई थी.

भाजपा के लिए विस चुनाव में

इस लिहाज से कमलेश सिंह अब साथी विधायक हैं. इसलिए भाजपा को पहले से हुसैनाबाद सीट कमलेश सिंह के लिए छोड़नी होगी. ऐसे में भाजपा को अब दो-दो अन्य सहयोगी दलों को संतुष्ट कर पाना बेहद कठिन टॉस्क के रूप में नजर आ रहा है.

भाजपा 65 से कम पर नहीं होगी तैयार : भाजपा खेमे से मिली जानकारी के अनुसार हुसैनाबाद सीट को छोड़ कर कुल 80 सीटें बचती हैं. ऐसे में भाजपा 80 में से कम से कम 65 सीट से कम पर समझौता करने को तैयार नहीं होगी. ऐसे में आजसू पार्टी और जदयू को कम सीटों पर समझौता करना पड़ सकता है. आजसू 20 से कम पर तैयार होगी, इसकी संभावना भी कम है. क्योंकि 2019 में आजसू ने 20 सीट मांगी थी, भाजपा 18 देने को तैयार भी थी. मगर आजसू तैयार नहीं हुई और गठबंधन टूट गया. भाजपा और आजसू अलग-अगल चुनाव लड़े, जिसका खमियाजा दोनों को उठाना पड़ा. भाजपा सत्ता से बाहर हो गयी. कम से कम 13 ऐसी सीटें 2019 में रहीं, जहां पर दोनों दलों के वोट बिखराव के कारण यूपीए ने बाजी मार ली. इसलिए क्या इस बार भाजपा और आजसू पार्टी पुरानी गलती दोहराने को तैयार होंगे, देखना होगा.

आदित्यपुर : रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ बोले-

उद्यमियों को रक्षा उपकरण का ऑर्डर दिलाने का प्रयास

संवाददाता । आदित्यपुर

आदित्यपुर औद्योगिक क्षेत्र के उद्यमियों को रक्षा उपकरणों के ऑर्डर दिलाने का भरपूर प्रयास करूंगा. यह वादा रविवार को आदित्यपुर पहुंचे रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने इसरो (इंडस्ट्रियल स्टेबिलिटी रिफॉर्म ऑर्गनाइजेशन) के उद्यमियों से किया. उन्हें इसरो के अध्यक्ष रूपेश कतरियार के नेतृत्व में उद्यमियों ने इससे संबंधित एक ज्ञापन सौंपा है.

ज्ञापन में आदित्यपुर औद्योगिक क्षेत्र के तकरीबन 1200 छोटे और मध्यम स्केल के उद्यमियों की परेशानी और एकमात्र टाटा मोटर्स की निर्भरता की बातें कही हैं. उन्हें यह भी बताया गया है किस तरह टाटा मोटर्स के ऑर्डर नहीं मिलने से यहां के उद्यमियों को काम के लिए

भटकना पड़ता है. इस पर मंत्री संजय सेठ ने उन्हें आश्वस्त किया कि वे इस संबंध में देश के प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री से हाई लेवल मीटिंग कर इस समस्या का समाधान करने का प्रयास करेंगे. प्रतिनिधिमंडल में रुपेश कतरियार, संदीप मिश्रा और पंकज झा मौजूद थे. तीनों लघु उद्यमियों ने मंत्री से रक्षा क्षेत्र में व्यापार के संभावनाओं को सुगम और सुलभ बनाने का प्रयास करने का अनुरोध किया.

मूलभूत सुविधाओं की मांग को लेकर मेडिकल के छात्रों ने किया प्रदर्शन

संवाददाता ।मेदिनीनगर

मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज में सेंट्रल लाइब्रेरी, सफाई, लिफ्ट, बिजली, पानी समेत अन्य मांगों को लेकर मेडिकल कॉलेज के सैकड़ों छात्र-छात्राओं ने सोमवार को कॉलेज के मेन गेट को बंद कर धरना दिया. मांगों से संबंधित तख्तियां लिए हुए हैं. आन्दोलन की सूचना मिलने के बाद प्राचार्य डॉ. कामेन्द्र प्रसाद और प्रो डॉ. आरके रंजन समेत अन्य शिक्षकों ने आंदोलन कर रहे छात्र-छात्राओं को समझाने का प्रयास किया लेकिन उनका कहना था कि लंबे समय से वह समस्याएं झेल रहे हैं. छात्रों के प्रदर्शन से इमरजेंसी सेवा के लिए एमआरएमसीएच जाने वाले जूनियर रेजिडेंट डाक्टरों को अस्पताल से निकलने में परेशानी हुई. हालांकि, कुछ देर बाद दूसरे गेट से सारे डाक्टर निकले एवं एमआरएमसीएच पहुंचे. छात्र-छात्राओं का कहना है कि उन्हें बिजली और पानी तक मुहैया नहीं हो पा रहा है. इधर, युवा सामाजिक कार्यकर्ता अजीत मेहता ने कहा कि मूलभूत सुविधा के लिए मेडिकल के

छात्रों का प्रदर्शन दुर्भाग्यपूर्ण है. मेडिकल कॉलेज के पास रहने के कारण उन्हें पता है कि छात्रों को क्या कुछ समस्या होती है. बिजली एवं पानी आम समस्या है और इसका निदान प्राथमिकता के आधार पर होना चाहिए. लेकिन कॉलेज प्रबंधन या जिला प्रशासन इसका निराकरण नहीं कर पा रहा है यह बड़ा ही चिंताजनक है. बिजली एवं पानी के साथ साथ लाइब्रेरी, लिफ्ट की भी सुविधा मिलनी चाहिए. कॉलेज की आधारभूत संरचना जबतक सुदृढ़ नहीं होगी, बेहतर शिक्षा की उम्मीद नहीं की जा सकती.

विरोध | आदिवासी युवतियों को बरगला कर शादी कर आदिवासी जमीन पर कब्जा कर रहे मुस्लिम

बांग्लादेशी घुसपैठियों को बढ़ावा दे रही सरकार: सीता सोरेन

हेमंत सरकार पर जमकर बरसी सीता सोरेन

संवाददाता ।धनबाद

राज्य की गठबंधन सरकार में आम जनमानस पूरी तरह त्रस्त है. हेमंत सोरेन सरकार की मदद से बांग्लादेशी घुसपैठियों ने संथाल परगना पर पूरी तरह कब्जा कर लिया है. जिसका खामियाजा क्षेत्र के आदिवासी भाई बहनों को उठाना पड़ रहा है. राज्य की वर्तमान सरकार तुष्टिकरण की राजनीति कर रही है. इन सब गंभीर विषयों से आम जनमानस का ध्यान भटकने के लिए चुनावी लोक-लुभावन की मात्र घोषणा कर

धनबाद परिसदन में बैठक करतीं भाजपा नेत्री सीता सोरेन.

मतदाताओं का ध्यान भटकाने की कोशिश की जा रही है. उक्त बातें जामा विधायक भाजपा नेत्री सीता सोरेन ने सोमवार को धनबाद परिसदन में कही. उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन सरकार ने चुनाव के बाद आम लोगों को 100000 रुपये देने की घोषणा की है. अभी भी तो उनकी ही सरकार है, क्यों नहीं अभी योजना को लागू कर रही है. मंईयां योजना में कांग्रेस और झामुमो के लोग बिचौलिये की भूमिका निभा रहे हैं. अबुआ आवास ,अबुआ राज बोलकर अपनापन जगाकर, अबुआ-अबुआ बोलकर भोले- भाले आदिवासियों को ठगने-लूटने का कार्य यह सरकार कर रही है. अब आदिवासी भाई बहनों को जागरूक होने की आवश्यकता है. आदिवासी बहनों से मुस्लिम युवक बरगला कर शादी कर आदिवासी जमीन पर कब्जा कर रहे हैं. यह खेल झारखंड में बेरोकटोक इस सरकार की मदद से चल रहा है. झारखंड में आदिवासियों की संख्या घटती चली जा रही है, यह एक गंभीर चिंता का विषय है. राज्य की हेमंत सोरेन सरकार सिर्फ वोट बैंक बढ़ाने को चुप्पी साधे हुए है. इसके लिए सीधे तौर पर राज्य सरकार दोषी है. इस सरकार के दिन पूरे हो चुके हैं. राज्य की जनता जाग चुकी है, आने वाले विधानसभा चुनाव में झारखंड की जनता इस सरकार को उखाड़ फेंकेगी.

विधानसभा चुनाव के लिए कमर कस लेने की अपील : भारतीय जनता पार्टी नेत्री सीता सोरेन दुमका से धनबाद पहुंची. धनबाद परिसदन में भारतीय जनता पार्टी धनबाद जिला महानगर द्वारा उनका स्वागत किया गया. जिला उपाध्यक्ष मानस प्रसुन, वीरेंद्र हांसदा मीडिया प्रभारी पंकज सिन्हा ने पुष्पगुच्छ देकर उनका एवं उनकी पुत्री राजश्री सोरेन का स्वागत किया. सीता सोरेन ने धनबाद परिसदन में पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को पार्टी के आगामी कार्यक्रमों को पूरी तन्मयता से करने का एवं केंद्र की मोदी सरकार द्वारा आम जनों के लिए विकास योजनाओं को लगातार जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया. साथ ही चुनाव में पुरी मुस्तैदी से जुट जाने को कहा. परिसदन सभागार में मानस प्रसून, वीरेंद्र हांसदा, पंकज सिन्हा उर्फ कुमार अमित, राजकुमार मंडल, नित्यानंद मंडल, रितेश बहादुर सिंह, मनोज रिंकू, स्वरूप भाटाचार्य, डी के सिंह, संजीत सिंह, रंजीत शर्मा, अमरजीत कुमार, बबलू संदीप सिंह सहित कई अन्य मौजूद थे.

शराब पीने से मना किया तो पिता-पुत्र को पीटा

हरिहरगंज/पलामू। जिले के पीपरा थाना क्षेत्र अंतर्गत सरैया पंचायत के बरवाडीह में ग्रामीण दुकान के पास नशा करने और जुआ खेलने से मना करने पर नशेड़ियों ने सोमवार को 11 बजे पिता-पुत्र की जम कर पिटाई कर दी. जिससे बरवाडीह निवासी 50 वर्षीय अवधेश राम और उनके 30 वर्षीय पुत्र उदय राम गंभीर रूप से घायल हो गए. उदय राम की पत्नी सुनैना देवी हल्ला सुनकर बीच बचाव के लिए आई तो उसे भी नशेड़ियों ने मारपीट कर घायल कर दी. घटना के बाद खून से लथ पथ पिता-पुत्र को परिजनों ने हरिहरगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लाया. प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालात को देखते हुए चिकित्सकों ने घायल अवधेश राम को बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया.

घटना की सूचना पाकर सीएचसी पहुंचे हरिहरगंज थाने के सब इंस्पेक्टर शशि शेखर पांडेय ने घायलों से फर्द बयान को सूचीबद्ध किया. पीड़ित अवधेश राम ने बताया कि पास के ही रजोखर गांव के छोटू, पवन, जटायु राम, पनवा देवी, दशरथ भुइंया, मुन्ना भुइंया, पिंटू भुइंया और नागेंद्र भुइंया के पुत्र को अपनी दुकान के समीप गांजा, शराब पीने और जुआ खेलने से मना करने पर हमलोगों के साथ मारपीट किया था.

कोर्ट नोटिस

न्यायालय,
प्रधान जिला जज, लातेहार
सिविल अपील 03/2021

तरसीयुस टोप्पो, पिता स्व० इगरोनिजस टोप्पो निवास स्थान वरटोली पो० वो थाना महुआडाँड, जिला लातेहार, वो अन्य -आवेदक

बनाम्

सिमन टोप्पो, पिता स्व० सुलेमान टोपो, निवास स्थान - बरटोली पो० - थाना महुआडाँड , जिला – लातेहार वो अन्य- विपक्षीगण,

नोटिस

बनाम्

1. शांती टोप्पो पिता स्व० सुलेमान टोप्पो, निवास स्थान बरटोली, पो० वो थाना - महुआडाँड, जिला - लातेहार

आपकों इस नोटिस के द्वारा सूचित किया जाता है कि उपर लिखे आवेदक ने मेरे न्यायालय में सिविल अपील वाद दायर किया हैं। आप के विरूद्ध साधाण कार्रवाई एवं निबंधित नोटिस की कार्रवाई हो चुकी है, अब आपके विरूद्ध दैनिक आखबार प्रकाशन की कार्रवाई की जा रही हैं आप दिनांक **16.08.2024** को **10:30 AM बजे** स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित हो, अन्सथा आपके विरूद्ध एकतरफा कार्रवाई की जायेगी।

नोटिस आज दिनांक 25.07.2024 को मेरे कार्यालय से निर्गत की जा रही है। इसे ताकिद जानें। ये नोटिस मेरे न्यायालय द्वारा मेरे हस्ताक्षर एवं मोहर निर्गत की गयी है।

ह./- **प्रधान जिला जज**
व्यवहार न्यायालय लातेहार

असहज करने वाले तथ्य

आमतौर पर धारणा यह है कि बांग्लादेश के नागरिक गरीबी से तंग आकर भारत में घुसपैठ करने को विवश होते हैं. इस धारणा को ले कर सरकारी स्तर पर ज्यादा कुछ नहीं कहा जाता है, लेकिन राजनीति इस पर खूब होती है. लेकिन जब यह जानकारी सामने आ जाए कि बडी संख्या में मेडिकल की पढ़ाई के लिए भारतीय छात्र बांग्लादेश जाते हैं तो भारतीय मन बेचैन हो जाता है. यह एक सच है. हाल में बांग्लादेश के छात्र आंदोलन के दौरान भारतवासियों को असहज कर देने वाले इस तथ्य पर रोशनी पड़ी कि अब बड़ी संख्या में भारतीय छात्र मेडिकल की पढ़ाई के लिए बांग्लादेश जा रहे हैं. बांग्लादेश डॉक्टर बनने के इच्छुक खासकर पश्चिम बंगाल के छात्रों की पसंदीदा जगह बन गया है. जब यूक्रेन युद्ध शुरू हुआ था, तब ऐसा ही तथ्य वहां भी उजागर हुआ था. दरअसल, कई मध्य एशियाई देशों के साथ-साथ चीन भी भारत के मेडिकल छात्रों का गंतव्य बना हुआ है. क्या यह भारत के लिए आत्म-मंथन का विषय नहीं है कि भारतीय छात्र उन जगहों पर भी जाकर पढ़ना पसंद कर रहे हैं, जो विकसित देश की श्रेणी में नहीं आते. क्यों? हर ऐसी चर्चा में यह कहा जाता है कि इसमें सबसे बड़ी भूमिका भारत में पढ़ाई पर बढ़ते खर्च की है. एक ताजा रिपोर्ट के मुताबिक रहन-सहन, बोली और खान-पान की समानताओं के कारण पश्चिम बंगाल के छात्र बांग्लादेश को अपना ठिकाना बना रहे हैं. रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद से वहां से बांग्लादेश जाने वाले छात्रों की तादाद और तेजी से बढ़ी है. मोटे अनुमान के मुताबिक हर साल पश्चिम बंगाल से तीन हजार से ज्यादा छात्र बांग्लादेश के सरकारी और निजी मेडिकल कालेजों में दाखिला ले रहे हैं. विदेशों में छात्रों के दाखिले में मदद करने वाली कोलकाता की एक सलाहकार फर्म के अधिकारियों ने मीडिया से कहा है कि भारत में निजी मेडिकल कालेजों में पढ़ाई का न्यूनतम खर्च 50 से 60 लाख रुपये के बीच है. कई कॉलेजों में तो यह खर्च एक करोड़ से भी ऊपर है, जबकि बांग्लादेश के मेडिकल कॉलेजों में यह खर्च लगभग आधा है. यही वजह है कि बांग्लादेश अब भारतीय छात्रों की पसंद बन गया है. बांग्लादेश के 37 सरकारी मेडिकल कॉलेजों में करीब 4350 सीटें हैं, जबकि 72 निजी कॉलेजों में सीटों की तादाद 6,489 है. सार्क देशों के लिए आरक्षण के तहत बांग्लादेश के सरकारी मेडिकल कॉलेजों में कुछ सीटें भारतीय छात्रों के लिए आरक्षित हैं. भारतीय छात्र इसका भी लाभ उठा रहे हैं. मगर यह भारत की स्थिति पर एक नकारात्मक टिप्पणी है. सवाल है कि आखिर भारतीय छात्रों को सस्ती शिक्षा के लिए उन देशो में क्यों जाना पड़ रहा है, जो भारत की आर्थिक हैसियत से कमतर हैं. भारत के राजनेताओं को इस पर आत्म मंथन करने की जरूरत है. यूक्रेन रूस युद्ध के दौरान यूक्रेन में पढ़ रहे भारतीय मेडिकल छात्रों का भविष्य क्या बना, इसकी चर्चा नहीं की जाती है, लेकिन भारत सरकार को इस दिशा में गंभीर पहल करने की जरूरत है कि भारत के संस्थान न केवल बेहतर प्रदर्शन करें, बल्कि वे सस्ते भी हों, ताकि गरीब से गरीब भारतीय नागरिक उस तक अपनी पहुंच बना सकें.

> बांग्लादेश के 37 सरकारी मेडिकल कॉलेजों में करीब 4350 सीटें हैं, जबकि 72 निजी कॉलेजों में सीटों की तादाद 6,489 है. सार्क देशों के लिए आरक्षण के तहत बांग्लादेश के सरकारी मेडिकल कॉलेजों में कुछ सीटें भारतीय छात्रों के लिए आरक्षित हैं.

सुभाषित

सुखं शेते सत्यवक्ता सुखं शेते मितव्ययी।
हितभुक् मितभुक् चैव तथैव विजितेन्द्रियः॥

जो हमेशा सत्य बोलता है, जो मर्यादित रूप से अपने धन का खर्चा करता है, जो शरीर के लिए हितकारक पदार्थ आवश्यक प्रमाण में खाता है तथा जिसने इन्द्रियों पर विजय पाप्त कर ली है, वह चैन की नींद सोता है. उसकी नींद कभी हराम नहीं होती.

आरक्षण संबंधी सुप्रीम कोर्ट का नया फैसला

पिछड़े वर्ग में तो आतंरिक विभाजन हो गया था (जो कि अखिल भारतीय स्तर के मंडल ढांचे में अभी नहीं हुआ है) लेकिन अनुसूचित जातियों के संवर्ग में यह नहीं था. हम लोगों ने यह मांग उठाई कि वहां भी यह होना चाहिए. दलित समूह के बीच उनके अधिक पिछड़े हिस्से के लिए हमने महादलित और अति दलित शब्द पर विचार किया और अंततः महादलित शब्द तय माना गया. मुसलमानों के बीच उसके पिछड़े हिस्से का एक वर्गीकरण पसमांदा नाम से अली अनवर कर चुके थे.

• देश-काल

प्रेमकुमार मणि

गत 1 अगस्त '24 को आये सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले कि अनुसूचित जातियों और जनजातियों में शामिल समूहों का आतंरिक वर्गीकरण राज्य सरकारें कर सकती हैं, महत्वपूर्ण है, जिसका स्वागत किया जाना चाहिए. सन 2000 में ही जब बिहार परिवर्तन मोर्चा का कुछ साथियों के साथ मिल कर हमने गठन किया था, तब इस बिंदु पर हमारा ध्यान गया था. पिछड़े, दलित और मुसलमानों के बीच इस वर्गीय विभाजन की जरूरत थी. पिछड़े वर्गों का एक तबका, जिसे उच्च शूद्र कहा जा सकता है, पेशा से कृषक था. ज़मींदारी उन्मूलन और अन्य भूमि सुधारों, साथ ही लोकतान्त्रिक राजनीति में इनके बढ़ते प्रभाव ने, न केवल इनका संतोषजनक नगरीकरण किया था, बल्कि सरकारी-गैर सरकारी नौकरियों और अन्य आधुनिक पेशों से जुड़ कर समाज में इनकी सम्मानजनक स्थिति बन गई थी. कर्पूरी ठाकुर ने पिछड़े वर्गों का एक विभाजन अति पिछड़े वर्ग में किया था और सरकारी नौकरियों में किये गए बीस फीसद आरक्षण में से उनके लिए बारह फीसद तय किया गया था. मुंगेरी लाल कमीशन द्वारा प्रस्तावित कुल छब्बीस फीसद आरक्षण में तीन-तीन फीसद क्रमशः महिलाओं और आर्थिक तौर से पिछड़े वर्गों के लिए था, जिसे आज ईडब्ल्यूएस कहा जाता है. उत्तर भारतीय राजनीति में कोटा-पॉलिटिक्स का यह आरम्भ ही था.

पिछड़े वर्ग में तो आतंरिक विभाजन हो गया था (जो कि अखिल भारतीय स्तर के मंडल ढांचे में अभी नहीं हुआ है) लेकिन अनुसूचित जातियों के संवर्ग में यह नहीं था. हम लोगों ने यह मांग उठाई कि वहां भी यह होना चाहिए. दलित समूह के बीच उनके अधिक पिछड़े हिस्से के लिए हमने महादलित और अति दलित शब्द पर विचार किया और अंततः महादलित शब्द तय माना गया. मुसलमानों के बीच उसके पिछड़े हिस्से का एक वर्गीकरण पसमांदा नाम से अली अनवर कर चुके थे. इसे भी हमने स्वीकार किया. इस तरह अति पिछड़े, महादलित और पसमांदा समूहों के सम्यक विकास को हमने राजनीतिक एजेंडा बनाया, क्योंकि बिहारी समाज के बुनियादी परिवर्तन के लिए यह जरूरी था. 2004 में जब कांग्रेस के नेतृत्व में केंद्र में सरकार बनी तब नीतीश कुमार दिल्ली से आकर पटना में जमे. उन्होंने मोर्चा की गतिविधियों में गहराई से रुचि ली. इस के सभी कार्यक्रमों को अपने जनतादल यूनाइटेड का कार्यक्रम घोषित किया. यह उनसे गहरे जुड़ाव का एक कारण बना.

2005 के आखिर में वह बिहार के मुख्यमंत्री बने. उनके चुनाव में इस सामाजिक समीकरण ने केंद्रीय भूमिका निभाई थी. इसलिए सरकार में आने के बाद उन्होंने अत्यंत पिछड़े वर्ग के लिए एक आयोग और दलितों के अधिक पिछड़े हिस्सों के लिए महादलित मिशन गठित किया. अत्यंत पिछड़े वर्गों और महिलाओं के लिए भी पंचायती राज व्यवस्था में क्रमशः बीस और पचास फीसद स्थान आरक्षित किये. इन सबने उन्हें सामाजिक परिवर्तन का नायक बना दिया. इसके पुराने नायक लालू प्रसाद 2009 और 2010 के चुनावों में लगभग हाशिये पर धकेल दिए गए. यह अलग बात है कि नीतीश कुमार ने ही इसके बाद एक प्रतिक्रांतिकारी रुख लिया और सवर्ण आयोग का गठन कर बैठे. तब से ही उनके राजनीतिक पतन का भी दौर शुरू हुआ. 2010 वाली मजबूत स्थिति में फिर वह कभी नहीं आ सके. तब उनकी पार्टी बिहार की सबसे बड़ी पार्टी तो थी ही, दूसरे नंबर की पार्टी भाजपा को भी पीछे रहने केलिए मजबूर किये हुए थी. बिहार विधान सभा में महाबली लालू प्रसाद सिमट कर बाईस पर आ गए थे और रामविलास पासवान केवल तीन पर. यह राजनीतिक ताकत इसी विखण्डन से निकली थी. लेकिन यह विषयांतर हो रहा है. हमें अनुसूचित जातियों जनजातियों के वर्गीकरण पर विचार करना था. मैं केवल बिहार का उदाहरण रख रहा हूं. उसमें भी केवल अनुसूचित संवर्ग का. जनजातिसमूह बिहार विभाजन के बाद हमारे यहां नगण्य (सिर्फ एक फीसद) रह गया था. 2005 में अनुसूचित जातियों का जो आंकड़ा उपलब्ध था, उसके अनुसार इस संवर्ग में कुल तेईस जातियां हैं, जो कुल जनसंख्या की 16.5 फीसद थीं. इनमें दुसाध और चमार आबादी में लगभग बराबर थे और दलितों की कुल आबादी के 62 फीसद से कुछ अधिक थे. सामाजिक तौर पर दो जातियां अधिक विकसित थीं - धोबी और पासी. पढाई-लिखाई और सरकारी नौकरियों में इनकी संख्या अन्य दलितों से बेहतर थीं. इसका कारण यह था कि इनके पेशों में नगदी आती थीं. धोबी कपड़ा की धुलाई के धंधे से जुड़े थे और पासी लोग ताड़ के उत्पाद और कुछ जलखेती (खास कर सिंघाड़ा और मखाना) कर के नगदी हासिल करते थे. इस कारण इनका नगरीकरण भी बेहतर हुआ और शिक्षा भी. इन दोनों की आबादी दलितों की कुल जनसंख्या के लगभग दस फीसद थीं. अब शेष लगभग 28 फीसद, दलित जिसमें सबसे बड़ी आबादी 16 फीसद मुसहरों की थी, जीवन के सभी क्षेत्रों में बहुत पिछड़े थे. गांव में कहा जाता था कि क्या आप ने किसी श्वेत बाल वाले मुसहर को देखा है? जवाब आता नहीं. सचमुच उजले बाल वाले मुसहर शायद ही मिलते थे. लेकिन दुखद पक्ष यह कि इसका कारण उनका बेहतर स्वास्थ्य नहीं था. दरअसल कम प्रोटीन वाले भोजन करते-करते उनका स्वास्थ्य इतना ख़राब हो जाता था कि कम उम्र में ही वे मर जाते थे. नीतीश सरकार ने महादलित विभाजन में ईमानदार रुख नहीं अपनाया. धोबी और पासी जाति को इसमें शामिल कर लिया गया, ताकि राजनीतिक लाभ हासिल किया जा सके. दुसाधों पर राम विलास जी और चमारों पर बसपा का प्रभाव था. दलितो के उतने ही वोट का समर्थन नीतीश हासिल कर लेना चाहते थे. वह सफल भी हुए. इसी तरह अत्यंत पिछड़े वर्ग के आन्तरिक विभाजन में भी हुआ. ये ऐसे उदाहरण हैं जिन से भविष्य में इस वर्गीकरण के राजनीतिक लाभ उठाये जाने के प्रसंग आएंगे. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

• बोधि-वृक्ष | सुज्ञ

सदाचार और नास्तिक

सदाचार और नास्तिकता दोनों के मार्ग विपरीत दिशा में जाते हैं. इसलिए इन दोनों को एक साथ रख पाना असंभव है. आस्तिकता सदाचार को संपुष्ट करती है तो नास्तिकता उसे क्षति पहुंचाती है. इसी आशय से मैंने कहा था, 'नास्तिकी-सदाचार के तो पैर ही नहीं होते.' उसके पास दृढ़ता से खडे रहने का नैतिक बल ही नहीं होता. किस भरोसे खड़ा रहेगा? भला वह क्यों मोल लेगा भावी के भरोसे, निश्चित कष्ट, प्रतीक्षा और अनावश्यक तनाव? तत्क्षण प्रतिशोध ही उसके लिए न्यायमार्ग होता है. और प्रतिशोध किसी भी दृष्टि से सदाचार नहीं है. सदाचरण सदैव, घोर परिश्रम, सहनशीलता और धैर्य की मांग करते है. अधिकांश बार उपकार का बदला अपकार से भी मिलता है. कई बार सदाचारियों की गणना कायरों में की जाती है. सामान्यतया तो उसे डरपोक ही मान लिया जाता है. सदाचारी के शत्रुओं की भी संख्या बढ जाती है. उसे पाखण्डी ही समझा जाता है. कभी कभी तो उसे शान्ति के बदले मिलती कीर्ति का भी हनन कर दिया जाता है. इतना सब होने के बाद, अनास्थावान का सदाचारों पर टिके रहना तलवार की धार पर चलने के समान होता है. सदाचारों का लाभ तो मिले या न मिले, जीवन को क्यों लोहे के चने चबाने जैसे दुष्कर कार्य में व्यर्थ करना. जबकि कर्म-फल पर विश्वास करता हुआ आस्तिक, श्रद्धा के साथ प्रतिफल धारणा पर अटल रहता है और विश्वास के प्रति सजग भी. उसे भरोसा होता है कि देर-सबेर अच्छे कर्मों का प्रतिफल अच्छा ही मिलना है. आज नहीं तो कल, इस जन्म में नहीं तो अगले जन्म में. वह सोचता है मैं अपने सब्र की डोर क्यो छोडूं. वह सदाचरण दृढता से निभाता चला जाता है. इसी आत्मबल के कारण सदाचार निभ भी जाते हैं. जबकि प्रतिकूल परिस्थिति में नास्तिक के सब्र का बांध टूट जाता है. भलाई का बदला बुराई से मिलते ही उसके भौतिक नियमों में खलबली मच जाती है. वह सोचता है, आजकल तो सदाचार का बदला बुरा ही मिलता है. कोई आवश्यक नहीं अच्छे कार्यों का नतीजा अच्छा ही हो. ऐसा कोई भौतिक नियम तो है नहीं कि नियमानुसार भले का परिणाम भला ही मिले. फिर क्यों किसी उलजलूल कर्म-सिद्धांतो की पग-चंपी की जाय और अनावश्यक सदाचार निभाकर क्यों दुख पीड़ा और प्रतीक्षा मोल लें. इस प्रकार धर्मग्रंथों से मिलने वाले नीतिबल के अभाव में व प्रतिफल की धारणा के अभाव में, अपनी नैतिक उर्ज़ा दांव पर नहीं लगाना चाहता. इसीलिए पैरविहीन नास्तिक, सदाचार की 'लम्बी दौड' दौड़ने में अक्षम होता है. नास्तिक-सदाचार की श्रद्धाविहीन धारणाओं को पैर रहित ही कहा जाएगा.

लोकतंत्र की बुनियाद शब्द और भाषा की गरिमा

• विमर्श

विश्वनाथ सचदेव

जब दिल्ली में किसानों का आंदोलन चल रहा था तो प्रधानमंत्री मोदी ने कुछ लोगों के लिए एक शब्द काम में लिया था– आंदोलनजीवी! उनका यह शब्द विपक्ष के लिए था, और विपक्ष के कई सदस्यों ने प्रधानमंत्री के इस प्रयोग पर आपत्ति भी प्रकट की थी. पता नहीं इस शब्द को असंसदीय कहा गया था या नहीं, पर यदि अब यह शब्द बोला गया तो निश्चित है इसे संसद की कार्रवाई के विवरण से हटा दिया जायेगा. यह बात इसलिए कही जा सकती है कि संसद में जुमलाजीवी शब्द को आपत्तिजनक माना गया है. इसी तरह कुछ और शब्द हैं, जिन्हें हमारी संसद में असंसदीय माना गया है. अराजकतावादी, शकुनी, तानाशाह, जयचंद, विनाश पुरुष, खून से खेती जैसे और भी कई शब्द हैं जिन्हें संसद की कार्रवाई से हटा दिया गया है. कुछ शब्दों को बोलने पर रोक लगाने की यह परिपाटी क्यों शुरू की गई थी, पता नहीं, पर चौबीसों घंटे के समाचार चैनलों वाले इस युग में किसी शब्द को 'कार्रवाई से निकाल दिये जाने' का कोई खास मतलब रह नहीं जाता. अब संसद के दोनों सदनों की कार्रवाई 'लाइव' दिखाई जाती है. जब जो शब्द वहां बोला जाता है, सारी दुनिया तत्काल देख-सुन सकती है. ऐसे में किसी शब्द को रिकॉर्ड में न रखे जाने से क्या फर्क पड़ता है? फर्क तो तब पड़ेगा जब बोलने वाले को यह अहसास हो कि वह कुछ अनुचित तो नहीं बोल रहा. जैसे मीडिया के लिए यह कहा जाता है कि वह अपनी मर्यादा स्वयं निर्धारित करे, वैसे ही सांसदों और विधायकों से भी यह उम्मीद की जाती है कि वे बोलने से पहले अपने शब्दों को तोल लिया करें. वैसे, अपेक्षा तो हर व्यक्ति से यह की जाती है कि वह तोल कर बोले, पर जनतांत्रिक व्यवस्था में इस बारे में भी हमारे निर्वाचित प्रतिनिधियों का आचरण बाकियों के लिए आदर्श होना चाहिए. पर, सदन में जिस तरह का अप्रिय व्यवहार अक्सर दिख जाता है, उससे यह शंका होनी स्वाभाविक है कि हमारे नेता अपने बोले गये के प्रति कोई सावधानी बरतने के लिए सजग भी हैं अथवा नहीं? यह कहना तो गलत होगा कि हमारे प्रतिनिधि हमेशा आपत्तिजनक व्यवहार करते हैं, लेकिन सही यह भी है कि कई बार सदनों में संवादहीनता की स्थिति सीमाएं लांघ जाती है. इन सीमाओं का सम्मान होना चाहिए. संसद सड़क नहीं है. यूं तो सड़क पर भी व्यक्ति के व्यवहार की सीमाएं होती हैं, पर सदन के भीतर जो कुछ होता है वह आम नागरिक के लिए आदर्श व्यवहार का एक उदाहरण होना चाहिए. संसद के सदनों में, या विधानसभाओं में, जो कहा जाता है, जो किया जाता है, वह उच्चतम स्तर का होना चाहिए. सदन में होने वाली बहस तथ्यों पर आधारित होनी चाहिए, शालीन होनी चाहिए. आज सवाल 'चाहिए' और 'है' के बीच के अंतर को समझने का है. सदन के भीतर हमारे प्रतिनिधि जो कहते हैं जिस तरह की शब्दावली काम में लेते हैं, उसके खिलाफ कोई कानूनी कार्रवाई नहीं हो सकती. यह पीठासीन अधिकारी के विवेक पर निर्भर करता है कि वह किस शब्द को असंसदीय माने और उसे सदन की कार्रवाई से हटाने का निर्णय ले. असंसदीय मानी जाने वाली शब्दावली भी पीठासीन अधिकारी के विवेक का ही परिणाम होती है. इस संदर्भ में अक्सर विवाद होता है. अक्सर सांसद या विधायक अपने कहे को अनुचित मानने को लेकर आपत्ति करते हैं. जुमलाजीवी या बालबुद्धि या विनाश पुरुष जैसे शब्दों पर प्रतिबंध को लेकर भी विवाद सामने आये हैं. अक्सर विपक्ष के सदस्यों की शिकायत यह रहती है कि शब्दों को असंसदीय घोषित करके बोलने के उनके अधिकार का हनन किया जाता है, एक तरह से उनका गला घोंटा जाता है. तकनीकी दृष्टि से देखा जाये तो स्पीकर का कहना सही लगता है, लेकिन सदस्य द्वारा बोले गये किसी शब्द को सदन की कार्रवाई से हटाए जाने का मतलब प्रतिबंध से कम भी नहीं है. सत्तारूढ़ पक्ष और विपक्ष का एक-दूसरे के व्यवहार को अनुचित ठहराना स्वाभाविक माना जा सकता है, पर जब विपक्ष को यह लगता है कि वह सारे शब्द कार्रवाई के विवरण से हटा दिये गये हैं जो सरकार की वास्तविकता को सामने लाते हैं तो 'असंसदीय शब्दों' को हटाने की परिपाटी पर सवाल तो उठता है. लेकिन सवाल माननीय सदस्यों के व्यवहार का भी है. निर्वाचित प्रतिनिधियों से यह अपेक्षा करना कतई ग़लत नहीं है कि वे मर्यादित आचरण का उदाहरण प्रस्तुत करेंगे और सही यह भी है कि सत्तारूढ़ पक्ष और विपक्ष, दोनों, मर्यादा लांघते दिख जाते हैं. बोलने में चूक हो सकती है, पर ज़रूरी है ऐसी चूक को तत्काल सुधारने का प्रयास हो. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

> जैसे मीडिया के लिए यह कहा जाता है कि वह अपनी मर्यादा स्वयं निर्धारित करे, वैसे ही सांसदों और विधायकों से भी यह उम्मीद की जाती है कि वे बोलने से पहले अपने शब्दों को तोल लिया करें. वैसे, अपेक्षा तो हर व्यक्ति से यह की जाती है कि वह तोल कर बोले, पर जनतांत्रिक व्यवस्था में इस बारे में भी हमारे निर्वाचित प्रतिनिधियों का आचरण बाकियों के लिए आदर्श होना चाहिए.

भाजपा को भी वैचारिक पुनर्गठन की जरूरत

• सियासत

अरुण श्रीवास्तव

करोड़ों भारतीयों का सपना है कि उनका देश जल्द ही सशक्त हो जायेगा और तेज़ कनेक्टिविटी, अधिक नौकरियां, बेहतर शिक्षा और जीवन की बेहतर गुणवत्ता होगी, लेकिन ऐसा संभव लगता नहीं है, क्योंकि सत्तारूढ़ भाजपा रास्ता भटक रही है, उसका मुखिया पार्टी कार्यकर्ताओं की आकांक्षाओं से जुड़ने में असमर्थ है और वह संगठनात्मक चुनौतियों को समझने में अप्रभावी साबित हो रहा है. 1980 में भारतीय जनता पार्टी की शुरुआत के बाद, संस्थापक नेताओं ने दावा किया था कि एक अलग पार्टी का जन्म हुआ है. लेकिन उस समय वे एक बात भूल गये थे कि यह किस तरह से अलग है? क्या यह मात्रात्मक या गुणात्मक अंतर था? इसमें कोई संदेह नहीं कि इसका पुराना संस्करण जनसंघ सांप्रदायिक था, लेकिन इसका नवीनतम संस्करण भाजपा न केवल सांप्रदायिक बल्कि फासीवादी भी है. पहली बार यह लालकृष्ण आडवाणी की रथ यात्रा में प्रकट हुआ, जिसने सांप्रदायिक भावना को भड़काया और पूरे देश में हिंसा को भड़काया. चौंकाने वाली बात यह है कि नरेंद्र मोदी के निरंकुश शासन में भारतीयों ने सांप्रदायिकता और नफरत की राजनीति का सबसे बुरा रूप देखा. सुशासन देने और विकास के गुजरात मॉडल को लागू करने के नाम पर मोदी ने न केवल देश की धर्मनिरपेक्ष और उदार छवि को धूमिल किया, बल्कि भाजपा को महत्वहीन और गैर-कार्यात्मक बना दिया. उन्होंने 'पार्टी विद डिफरेंस' के टैग को मिटा दिया. आज भारत को बदलने की क्षमता का धुंधलापन खत्म हो गया. भाजपा ने अपनी जड़ें खो दीं, लेकिन वह मोदी के 'भारत के लिए दृष्टिकोण की एक विकृत अवधारणा का मुकाबला करने में बुरी तरह विफल रही. भाजपा ने अपना संगठनात्मक चरित्र खो दिया और मोदी के विचारों को प्रदर्शित करने वाले दीवार-पोस्टर में बदल गई, जिससे पार्टी को अस्तित्व के सबसे बुरे संकट का सामना करना पड़ा. लगभग सभी वरिष्ठ नेताओं को मार्गदर्शक खेमे में डाल दिये जाने के बाद पार्टी को दिशा देने वाला कोई वरिष्ठ नेता नहीं बचा. संगठनात्मक ढांचा पहले से ही चरमरा चुका है. ऐसे में नेताओं के लिए इसे पुनर्जीवित करना और दिशा देना वाकई मुश्किल काम है. मोदी के दस साल के शासन में पार्टी कार्यकर्ताओं का पतन हुआ है. लगभग सभी सांप्रदायिक दंगे और हिंसा में आरएसएस की मौजूदगी थी. लेकिन मोदी राज में हुई लिंचिंग जैसी घटनाएं आरएसएस की मदद करने से कहीं ज़्यादा मोदी के हित में थीं, ताकि उन्हें हिंदू हृदय सम्राट के रूप में पेश किया जा सके. मोदी के चुनावी जादू को खोने के बाद, भाजपा को खुद को फिर से तलाशना होगा और अपनी प्रासंगिकता वापस हासिल करनी होगी. मोदी ने अपने बयानबाजी के ज़रिये जो लोकलुभावनवाद किया, उसमें पांच-टी शामिल थे-टैलेंट, ट्रेड, ट्रेडिशन, टूरिज्म और टेक्नालॉजी. भाजपा के सामने संगठनात्मक चुनौतियां बहुत हैं. बचे हुए नेतृत्व को समाधान के लिए मोदी की ओर देखने के बजाय अपनी रणनीति और तंत्र पर काम करना चाहिए. अगर भाजपा वाकई राजनीतिक क्षेत्र में अपनी जगह बनाये रखना चाहती है तो उसे प्रशासन का ऐसा इस्तेमाल सुनिश्चित करना चाहिए, जिसमें समाज के सबसे कमज़ोर तबके की भी देश के विकास में बराबर की हिस्सेदारी हो. सब कुछ इसी एक विचार से शुरू होता है और आगे बढ़ता है. 2022 में ही भाजपा ने पार्टी संगठन का पुनर्गठन शुरू कर दिया था. पार्टी में महत्वपूर्ण पदों पर नये चेहरे लाये थे, जो 2024 के लोकसभा चुनावों पर नज़र रखते हुए किया गया था. लेकिन ये बदलाव नतीजे देने में विफल रहे, क्योंकि मोदी ने बदलावों को दरकिनार कर दिया और इसके कामकाज को निर्देशित करना जारी रखा. पार्टी तंत्र में सुधार की सख्त ज़रूरत है.जिस तरह से मोदी अपने शिष्य जेपी नड्डा को पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में जारी रखने का इरादा रखते हैं, उससे निस्संदेह पार्टी के हितों को नुकसान होगा. एक नया अध्यक्ष नये विचारों और कार्यक्रमों के साथ आयेगा जो अंततः पार्टी की मदद करेगा.लोकसभा चुनाव में पार्टी की हार ने इसे दिशाहीन बना दिया है. पार्टी ने गतिशीलता और उद्देश्य खो दिया है और यह पिछले महीने ही हुए विधानसभा उपचुनावों में पार्टी की हार से स्पष्ट हुआ. लगभग सभी राज्यों में पार्टी इकाइयां अव्यवस्थित हैं. गुटबाजी चरम पर है. यह उस पार्टी के लिए कुछ असामान्य बात है जो अनुशासन की अवधारणा पर दृढ़ता से विश्वास करती है. यह रेखांकित करता है कि पार्टी पहले से ही राज्य स्तर पर भी मोदी-केंद्रित संगठन बन गई है. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

> भाजपा ने अपनी जड़ें खो दीं, लेकिन वह मोदी के 'भारत के लिए दृष्टिकोण की एक विकृत अवधारणा का मुकाबला करने में बुरी तरह विफल रही. भाजपा ने अपना संगठनात्मक चरित्र खो दिया और मोदी के विचारों को प्रदर्शित करने वाले दीवार–पोस्टर में बदल गई, जिससे पार्टी को अस्तित्व के सबसे बुरे संकट का सामना करना पड़ा.

मीडिया में अन्यत्र

मतों की चोरी : वेनेजुएला का राष्ट्रपति चुनाव

निकोलस मादुरो की देखरेख में, वेनेजुएला की अर्थव्यवस्था एक दशक से भी कम वक्त में 80 फीसदी सिकुड़ गई. लगभग 7.8 मिलियन वेनेजुएलावासी आर्थिक कठिनाइयों के चलते पलायन कर गए. अगर 2013 में, जिस साल ह्यूगो चावेज़ की मौत हुई और मादुरो राष्ट्रपति बने, घोर गरीबी 11 फीसदी थी, तो अब यह 53 फीसदी है. जबकि संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक, घरेलू गरीबी बेहद ज्यादा, 82 फीसदी है. तेल के मामले में धनी यह देश हाल के सालों में कई सरकार विरोधी प्रदर्शनों का गवाह रहा. इन प्रदर्शनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई. बीते 28 जुलाई को हुए राष्ट्रपति चुनाव से पहले, जनमत सर्वेक्षणों से पता चला कि मुख्य विपक्षी उम्मीदवार एडमंडो गोंजालेज को राष्ट्रपति के खिलाफ 20 अंकों की बढ़त हासिल थी. लेकिन आधिकारिक नतीजों के मुताबिक, इनमें से किसी भी बात का चुनाव में मायने नहीं रहा. वेनेजुएला के चुनाव प्राधिकरण ने बताया कि मादुरो को 51 फीसदी मत मिले, जबकि गोंजालेज को 44 फीसदी मत हासिल हुए. श्री मादुरो अब अपने शासन को छह और सालों के लिए बढ़ा सकते हैं. लेकिन विपक्ष ने मतों की गिनती में व्यापक अनियमितताओं की सूचना दी है और राष्ट्रपति तथा राजकीय संस्थानों में बैठे उनके सहयोगियों पर मतों की चोरी का आरोप लगाया है. विपक्ष के मुताबिक, उसके मतों के आंकड़ों से पता चलता है कि गोंजालेज को मादुरो के 3.2 मिलियन मतों के मुकाबले लगभग 7.1 मिलियन मत हासिल हुए. आधिकारिक नतीजों के एलान के बाद मादुरो-विरोधी प्रदर्शन शुरू हो गए. और सरकार को अभी विस्तृत मतदाता आंकड़ा जारी करना बाकी है. मादुरो आर्थिक संकट के लिए अकेले जिम्मेदार नहीं हैं. एक पूर्व टैंक कमांडर रहे चावेज़ चुनावों के रास्ते सत्ता में आए और उन्होंने उदार आर्थिक रूढ़िवाद को खारिज करके एक नया कल्याणकारी राज्य बनाया, जो तेल से हासिल होने वाले राजस्व द्वारा वित्त पोषित था. अपने पूर्ववर्ती जैसा करिश्मा से महरूम मादुरो जब सत्ता में आए, उस वक्त तक तेल की गिरती कीमतों के चलते वेनेजुएला की अर्थव्यवस्था को गहरा झटका लग चुका था. तेल उद्योग पर ट्रम्प प्रशासन द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों ने अर्थव्यवस्था को पतन के कगार पर पहुंचा दिया. मादुरो की प्रतिक्रिया सत्ता पर अपनी पकड़ मजबूत करने की थी. जब वेनेजुएला अत्यधिक मुद्रास्फीति की मार और आवश्यक वस्तुओं व दवाओं की कमी से जूझ रहा था, तब उनका शासन बिल्कुल लाचार नजर आया. चुनावों से पहले, सरकार ने स्वतंत्र और निष्पक्ष मतदान का वादा किया था. लेकिन चुनाव अभियान शुरू होने से पहले ही, विपक्ष की सबसे लोकप्रिय उम्मीदवार मारिया कोरिना मचाडो को चुनाव लड़ने से प्रतिबंधित कर दिया गया. **(द हिंदू)**

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

उत्साह/उमंग/उल्लास

कोई भी काम हो, अगर उत्साह से किया जाये तो उसका परिणाम अच्छा ही होता है. मानव जीवन में उत्साह का बहुत ही महत्व है, इसलिए उत्साह को समझना बहुत जरूरी है. हिंदी शब्दसागर के अनुसार उत्साह संस्कृत से आया तत्सम संज्ञा पुल्लिंग शब्द है. इसका अर्थ है वह प्रसन्नता, जो किसी आनेवाले सुख को सोच कर होती है और मनुष्य को कार्य में प्रवृत्त करती है, उमंग, उछाह, जोश, हौसला, साहस, हिम्मत. यानी उत्साह का एक अर्थ उमंग भी है. उत्साह एक उच्च ऊर्जा स्तर का भाव है, जो हमारे अंदर सक्रिय होता है. यह एक अधिक सक्रिय भावना होती है जो हमें कुछ बात को लेकर उत्सुक बनाती है. उत्साह हमें कुछ नया करने की प्रेरणा देता है और हमें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है. दूसरी ओर, उमंग एक सुखद भावना है, जो हमें कुछ चीज को प्राप्त करने के लिए उत्तेजित करती है. उमंग वह भावना होती है जो हमें खुशी देती है और हमें चीजों को प्राप्त करने में मदद करती है. उमंग हमें सफलता का एहसास दिलाती है, जो हमें नए काम में लगने के लिए प्रेरित करता है. उत्साह एक सक्रिय भावना है, जो हमें कुछ नया करने की प्रेरणा देती है, जबकि उमंग एक सुखद भावना है जो हमें खुशी देती है और हमें चीजों को प्राप्त करने में मदद करती है. उत्साह और उमंग दोनों ही भावनाएं हैं और व्यक्ति के आंतरिक स्थिति को दर्शाती हैं, लेकिन ये दोनों में थोड़ा सा अंतर होता है. उत्साह और उमंग दोनों ही जीवनशैली के महत्वपूर्ण भावनात्मक अंग हैं, लेकिन इनमें थोड़ा सा अंतर होता है. उत्साह विशेष रूप से किसी उद्यम, कार्यक्रम, या लक्ष्य के प्रति जोश और उत्कर्ष की भावना है, जबकि उमंग अधिक खुशी, संतोष, और आनंद के प्रति प्रेरणा देता है. उत्साह जिसके पीछे उद्दीपक कारण होते हैं, वहीं उमंग आनंदमयी और खुशीपूर्ण भावनाओं का उत्पन्न करने में मदद करता है.

हर ओर पानी, जलजमाव के सुंदर दृश्य

• तीर-तुक्का

यशवन्त कोठारी

हे प्राणप्यारी, सुमुखी, मयूर-पंखिनी, कमल लोचनी, सुनयने,सखि, तुम कहां हो. देखो, बाहर सम्पूर्ण आर्यावर्त में कैसा हाहाकार मचा है. कभी ब्रज में ऐसी विनाश लीला हुई थी और भगवान कृष्ण ने गोवर्धन को ऊपर उठाकर सम्पूर्ण ब्रज की रक्षा की थी. देख सखि, आज देख, देवराज (दिनेश) इन्द्र ने कैसा कहर बरपा दिया है. हर ओर पानी.....पानी और पानी. सर्वत्र जल-प्लावन का सुन्दर दृश्य उपस्थित है, तुम भी अपनी आंखों से यह महान घटना देख लो. देख सखि, बाहर देख, खिड़की के बाहर झांक. हर शहर पानीदार हो गया है. कैसी तेज मूसलाधार बारिश हो रही है. वृक्ष टूट-टूट कर जमीन पर गिर गये हैं और सड़कों पर राज्य परिवहन निगम की बसों के बजाय नावें चल रही हैं. प्रेस वाले फोटो उतार रहे हैं. हेलिकॉप्टरों से रोटियां और बासी आलू की सब्जी गिर रही है. लगता है वास्तव में ही बाढ़ आ गई है. जल का राज आ गया है, और हम सभी इस भंवर में डूब जायेंगे. सखि, देर मत कर और इस अलौकिक चमत्कार को किसी आधुनिक भगवान का चमत्कार समझ कर नमस्कार कर. बाढ़ ने क्या-क्या नहीं किया. जिले, गांव, शहर और मोहल्ले तबाह हो गये. पुल ढह गये, पुलियाएं बह गयीं और हमारे निर्माण विभाग वाले हैं कि रेत की बोरियां और फर्जी मस्ट्रोल लेकर दौड़े फिर रहे हैं. चीफ साब आ रहे हैं और एक्सइन साब जा रहे हैं. रेत में सीमेन्ट या सीमेन्ट में रेत, कोई फर्क नहीं पड़ता. तो देख, उस ओर एक अफ्सर पत्नी अपनी सरकारी कार में, अपनी कान्वेंट पढ़ी पच्चीस वर्षीया बेबी को बाढ़ दिखा रही है. यू सी बेबी, इट इज फ्लड. और बेबी कह रही है, ममी, हाऊ लवली. रियली फनी. मम्मी, ऐसी सुन्दर बाढ़ रोज क्यों नहीं आती. आओ हम पिकनिक मनाएं....और उधर देख, वहां बाढ़ पीड़ित जवानी अपनी अस्मत का सौदा कर रही है, ताकि पेट भरे और घर में चूल्हा जले. इंजीनियरों, स्वयंसेवकों, नेताओं, सरकारी अफसरों, चोरों, गिरहकटों और उठाईगिरों के लिए तो बाढ स्वर्ण अवसर है. वे तो इसे दीवाली की तरह मना रहे हैं. मरणासन्न लोगों के हाथ पांव के आभूषण उतारना, कपड़े उतारना बाढ़ में बह गए कपड़ों, सामानों को अपने घर में भर लेने का नया कर्मकाण्ड शुरू हो गया है. हे सखि, हर तरफ यही मनोरम दृश्य दिखाई दे रहा है. जम्बू द्वीप में तो बाढ़ ही बाढ़ है. अब तुम ही सोचो, यदि कोई गांव समुद्री टापू हो गया है तो इसमें सरकार क्या करे. सरकार सड़क ठीक होने का इंतजार करती हैं और ठीक होते ही अफसर अपने अमलों के साथ गांव का दौरा करते हैं. पटवारी हाजरी भरते हैं, हुक्का, चिलम भरते हैं. दौरा खत्म होता है. बाढ़ का पानी भी उतर जाता है, और सरकार किसी नई बाढ़ का इन्तजार करने लगती है. बाढ़ के समय मानव मात्र का चरित्र बदल जाता है. मनुष्य-मनुष्य का भक्षण कर लेता है. गिद्ध और कौवों की तरह मनुष्य को खाता हैं. सखि, यह सब देखकर मेरी आत्मा ग्लानि से भर गई है, और अब नहीं लिखा जाता. सखि रे, भगवान को पुकार कि इस बाढ़ से देश को बचाएं. -तुम्हारी सखि.

स्टाइल और कंफर्टेबल राइडिंग क्रॉसओवर

मौजूदा समय में ऑटोमोबाइल बाजार में विकल्पों की अधिकता इतनी अधिक है कि कई बार हम समझ नहीं पाते कि कौन सी गाड़ी हमारे लिए सबसे बढ़िया रहेगी. अगर रफ्तार के प्रेमी हैं तो कूपे, कंवर्टिबल और क्रॉसओवर गाड़ियों की शब्दावली भी लुभाती होगी. खासकर क्रॉसओवर कारों की चर्चा हाल के दिनों में बढ़ गई है. दरअसल एमजी मोटर इंडिया द्वारा आगामी विंडसर ईवी लॉन्च की घोषणा की गई है जो क्रॉसओवर कार है. इससे पहले मारुति और टोयोटा जैसी कंपनियां क्रॉसओवर पेश कर चुकी हैं मसलन मारुति सुजूकी एस-क्रॉस, वोल्वो एस60, हॉन्डा डब्ल्यू आर-वी आदि. क्रॉसओवर कारें अपने अनूठे डिजाइन, बड़े स्पेस और बेहतरीन राइडिंग एक्सपीरियंस के लिए जानी जाती हैं. हालांकि इनकी कीमत भी अन्य कारों से अधिक होती है. आइए, आज हम क्रॉसओवर कारों की खासियत से हों रू-ब-रू

स्टाइलिश लुक

क्रॉसओवर कारों के डिजाइन आकर्षक और स्टाइलिश होते हैं. इनमें एसयूवी जैसी ऊंची बिल्ड और हैचबैक कार जैसी स्पोर्टी लुक होती है. यह डिजाइन उन्हें सड़क पर एक अलग पहचान देता है.

शानदार ड्राइविंग व हैंडलिंग अनुभव

चाहे गांव-कस्बे की कच्ची सड़के हों या पहाड़ी-पठारी इलाके की उबड़-खाबड़ रास्ते, क्रॉसओवर कारें कंफर्टेबल ड्राइविंग का मजा देती हैं. इनकी सस्पेंशन सिस्टम को इस तरह से डिजाइन किया जाता है कि वे छोटे-मोटे गड्ढों और खड्डों को आसानी से पार कर सकें. साथ ही इनकी हैंडलिंग भी काफी अच्छी होती है, जिससे आप उन्हें आसानी से चला सकते हैं.

बेहतर ग्राउंड क्लीयरेंस

अगर आप अक्सर शहर से बाहर जाते हैं तो क्रॉसओवर कारों आपके लिए बेहतर विकल्प है. दरअसल इन कारों की ग्राउंड क्लीयरेंस काफी अच्छी होती है, जिससे आप उन्हें आसानी से उबड़-खाबड़ रास्तों पर चला सकते हैं. यह फीचर खासकर उन लोगों के लिए काफी लाभकारी है, जो अक्सर शहर से बाहर जाते हैं.

ज्यादा स्पेस

सीट कैपेसिटी और बूट स्पेस के लिहाज से भी क्रॉसओवर कारें अन्य कारों से बेहतर हैं. इसमें केबिन स्पेस इतनी बड़ी होती हैं कि 5 लोग आसानी से बैठ सकते हैं. इसके अलावा इनमें काफी बड़ा बूट स्पेस भी होता है, जिसमें आप काफी सारे सामान आसानी से रख सकते हैं.

बेशुमार फीचर

भारत समेत दुनियाभर में लॉन्च होने वालीं क्रॉसओवर कारों में कई तरह के आधुनिक फीचर्स मिल जाते हैं. इनमें बड़ा टचस्क्रीन इन्फोटेनमेंट सिस्टम, रियर व्यू कैमरा, पार्किंग सेंसर, एबीएस, ईबीडी, 360 डिग्री कैमरा, हेड-अप डिस्प्ले और मल्टीपल एयरबैग्स समेत काफी सारे और भी स्टैंडर्ड और सेफ्टी फीचर्स मिल जाते हैं.

आ रही है एमजी ईवी विंडसर क्रॉसओवर

एमजी की ईवी विंडसर जल्दी ही भारत की सड़कों पर दौड़ती नजर आएगी. यह इलेक्ट्रिक क्रॉसओवर होगी, जो कि लुक-फीचर्स और रेंज के मामले में काफी अच्छी होगी. उम्मीद की जा रही है कि 20 लाख रुपये तक की प्राइस रेंज में लॉन्च हो सकती है.

लुक और फीचर्स भी अच्छे

लुक और डिजाइन की बात करें तो एमजी विंडसर ईवी करीब 4.3 मीटर लंबी होगी और इसका व्हीलबेस 2,700 एमएम होगा. सड़क पर यह अलग ही पहचान में आएगी क्योंकि देखने में यह भारत में बिकने वाली कारों के मुकाबले कुछ अलग और खास होगी. इस 5 सीटर इलेक्ट्रिक क्रॉसओवर की खूबियों की बात करें तो इसमें बड़ा फ्लोटिंग टचस्क्रीन इन्फोटेनमेंट सिस्टम, डिजिटल ड्राइवर डिस्प्ले, वायरलेस चार्जर, वेंटिलेटेड सीट्स, पैनोरमिक सनरूफ, 360 डिग्री कैमरा और अडवांस्ड ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम समेत काफी सारे और भी स्टैंडर्ड और सेफ्टी फीचर्स मिलेंगे.

बैटरी-रेंज

अब तक की प्राप्त जानकारी के अनुसार एमजी विंडसर ईवी क्रॉसओवर में दो तरह के बैटरी पैक विकल्प देखने को मिल सकते हैं, जिनमें 37.9 किलोवाट बैटरी पैक की सिंगल चार्ज रेंज 360 किलोमीटर तक की और 50.6 किलोवॉट बैटरी पैक वाले वेरिएंट की सिंगल चार्ज रेंज 460 किलोमीटर तक की होगी. एमजी विंडसर ईवी को फ्रंट माउंटेड परमानेंट मैग्नेट सिंक्रोनस मोटर से 134 एचपी के करीब पावर मिल सकता है.

लग्जरी कारों की नई शब्दावली

लग्जरी सेग्मेंट में कूपे, कंवर्टिबल और क्रॉसओवर, ये तीनों कारें आती हैं. आइए ऑटोमोबाइल की इस नई शब्दावली से परिचित हों-

कूपे

इन कारों में मुख्य रूप से दो दरवाजे दिए जाते हैं. आमतौर पर ढलान वाली छत के साथ आती हैं. दो सीटों वाली ये कारें स्पोर्टी लुक में होती हैं. केबिन और बूट स्पेस अन्य कारों से बहुत कम होता है. इन दिनों कुछ कंपनियां अपनी 4 डोर वाली कारों को भी कूपे नाम से मार्केट में लाने लगी हैं. जगुआर एफ टाइप, निसान जीटी-आर, फोर्ड मस्टंग आदि प्रमुख उदाहरण हैं.

कंवर्टिबल

भारत जैसे तीखे धूप वाले देश में इन कारों का चलन कम है. जहां धूप कम निकलती हैं, वहां इन खुली कारों का लुत्फ लोग उठाते हैं. इन कारों में छत और बिना छत के साथ चलाने का विकल्प होता है. इच्छानुसार जब चाहें खुली छत वाली और जरुरत पड़ने पर बंद कार के रूप में इस्तेमाल कर सकते हैं. लैम्बोर्गिनी अवेंटाडोर, फेरारी कैलिफोर्निया और मर्सिडीज बेंज सी क्लास आदि प्रमुख कंवर्टिबल कारें हैं.

क्रॉसओवर

क्रॉसओवर कारें दरअसल अपने नाम के अनुरुप हैचबैक और एसयूवी का मिश्रण होती हैं और दो दो कैटेगरी वाली खूबियों के साथ आती हैं. सॉफ्ट राइडिंग कंफर्टख अधिक स्पेस और बेहतर डिजाइन इनकी खासियत हैं. मारुति सुजूकी एस क्रॉस ओवर, वोल्वो एस 69 और हॉन्डा डब्ल्यू आर-वी पहले से ही क्रॉसओवर कारें हैं और अब एमजी ने भी क्रॉसओवर ईवी विंडसर को भारतीय बाजार में लॉन्च करने की घोषणा की है.

गजेट्स रिव्यू : रेडमी पैड प्रो फाइव जी

कॉम्पैक्ट डिजाइन शानदार परफॉर्मेंस

हाल ही रेडमी का नया पैड रेडमी पैड प्रो फाइव जी मार्केट में आया है. प्रोफेशनल वर्क के लिए इसे बेहतर विकल्प बताया जा रहा है. आइए, इसके कुछ फीचर्स के बारे में जानकारी हासिल करें-

- **डिजाइन**

रेडमी पैड प्रो फाइव जी मैटेलिक बॉडी डिजाइन में आती है. ग्रेफाइट ग्रे और क्विक सिल्वर, इन दो कलर ऑप्शन इसके आते हैं. बैक पैनल पर इस पैड का कैमरा सेटअप दिया गया है. उपयोग कर्ताओं का कहना है कि इसके वेट और ग्रिप का अनुभव शानदार है. कॉम्पैक्ट डिजाइन के कारण इसे कैरी करना काफी आसान है.

- **डिस्प्ले**

रेडमी पैड प्रो फाइव जी का डिस्प्ले 12.1 इंच का है, जो 120 हर्ट्ज रिफ्रेश रेट के साथ आता है. इसमें गोरिल्ला ग्लास 3 प्रोटेक्शन दी जाती है. डिस्प्ले के मामले में उपयोगकर्ताओं का कहना है कि आउटडोर में डिस्प्ले अच्छी नजर नहीं आती है और कहीं-कहीं पर कलर्स के साथ भी परेशानी होती है. रेडमी के इस पैड में डॉल्बी एटमॉस विजन का सपोर्ट भी दिया जाता है.

- **परफॉर्मेंस**

रेडमी पैड प्रो फाइव जी में स्नैपड्रैगन 7एस जेन 2 चिपसेट दिया गया है. यह शिओमी हाइपर ओएस के साथ आता है जो एंड्रॉयड 14 बेस्ड है. इसमें स्प्लिट विंडो और फ्लोटिंग विंडो का ऑप्शन भी दिया जाता है. इसमें 5 जी सपोर्ट मिलता है और आप सिम का यूज भी कर सकते हैं. स्पीड अच्छी है.

- **स्मार्ट पेन और कीबोर्ड**

इस पैड के पेन और कीबोर्ड की डिजाइन कॉम्पैक्ट और शानदार है. हालांकि कुछ उपयोगकर्ता कीबोर्ड के थोड़े भारी होने की शिकायत भी करते हैं. टाइप सी चार्जिंग पोर्ट की मदद से दोनों असेसरीज को चार्ज किया जा सकता है.

- **कीमत**

रेडमी पैड प्रो फाइव जी की शुरुआती कीमत 21,498 रुपए है. स्मार्ट पेन के साथ लेने पर 25,497 रुपए की कीमत आएगी. वहीं, पेन और कीबोर्ड के साथ पैड लेने पर 27,997 रुपए खर्च करने होंगे.

हाइड्रोजन से चलने वाली मोटरसाइकल

प्रदूषण और फॉसिल फ्यूल से राहत दिलाएंगी ये बाइक

प्रदूषण एक ग्लोबल समस्या बन गई है. वाहनों के धुएं से होने वाले प्रदूषण फेफड़ों के कैंसर, सांस संबंधी बीमारी आदि का कारण बन रहे हैं और बड़ी संख्या में लोगों को अपनी चपेट में ले रहे हैं. वहीं फॉसिल फ्यूल की सीमित उपलब्धता एक गंभीर चिंता का विषय है. इन समस्याओं से निजात के लिए दुनिया भर के वैज्ञानिक और इंजीनियर लगातार शोध कर रहे हैं और नए-नए विकल्पों पर काम कर रहे हैं. ऐसी ही एक विकल्प है हाइड्रोजन से चलने वाली मोटरसाइकल. आइए, आज इसी की करें चर्चा...

पिछले दिनों भारत में सीएनजी से चलने वाली मोटरसाइकल बजाज फ्रीडम 125 लॉन्च हुई. यह टू व्हीलर में ट्रेडिशनल फॉसिल फ्यूल यानी पेट्रोल के बेहतर विकल्प के तौर पर सामने आने के कारण आकर्षण का केंद्र बना. फिर इसी साल मोबिलिटी एक्सपो में जॉय ई-बाइक की ओर से हाइड्रोजन पावर्ड स्कूटर को प्रदर्शित किया गया. जैसा कि नाम से जाहिर है, यह पानी से चलने वाला टू-व्हीलर है. हाइड्रोजन से चलने वाली मोटरसाइकल प्रदूषण व सीमित फॉसिल फ्यूल की वजह से आने वाले दिनों में आवाजाही का महत्वपूर्ण हिस्सा हो सकती हैं. बेशक इस तकनीक को अपनाने से पहले कई चुनौतियों का सामना करना होगा और इसी दिशा में दुनिया भर के वैज्ञानिक और इंजीनियर काम कर रहे हैं. इन प्रयासों के कारण ही उम्मीद जाहिर की जा रही है कि आने वाले समय में हम सड़कों पर हाइड्रोजन से चलने वाली मोटरसाइकल्स को देख पाएंगे.

कैसे चलती हैं ये मोटरसाइकिल?

हाइड्रोजन मोटरसाइकिल में पेट्रोल या डीजल इंजन वाली मोटरसाइकल से अलग हाइड्रोजन फ्यूल सेल्स होती हैं. जब हाइड्रोजन और ऑक्सीजन इन कोशिकाओं में मिलते हैं तो एक रासायनिक प्रतिक्रिया होती है और इसकी वजह से बिजली पैदा होती है. यह बिजली मोटर को चलाती है और मोटरसाइकल को स्पीड देती है. इस प्रक्रिया में केवल पानी निकलता है, जिससे यह एक प्रदूषण मुक्त विकल्प बन जाता है.

यह है सिस्टम

हाइड्रोजन फ्यूल सेल्स दो मुख्य भाग होते हैं, पहला एनोड और दूसरा कैथोड. हाइड्रोजन गैस एनोड में प्रवेश करती है और इलेक्ट्रॉन्स को छोड़ती है. इलेक्ट्रॉन एक बाहरी सर्किट के माध्यम से कैथोड तक पहुंचते हैं, जहां वे ऑक्सीजन के साथ मिलकर पानी बनाते हैं. इलेक्ट्रॉन्स का यह प्रवाह इलेक्ट्रिक फ्लो पैदा करता है, जिससे मोटर चलता है.

पर्यावरण के लिए हितकर

पर्यावरण के लिए हाइड्रोजन से चलने वाली मोटरसाइकिल वरदान की तरह हैं क्योंकि ये हानिकारक धुएं नहीं बल्कि केवल पानी का उत्सर्जन करती हैं. हाइड्रोजन फ्यूल सेल बहुत ही शक्तिशाली होती हैं और वे पेट्रोल इंजन की तुलना में ज्यादा एनर्जी पैदा करती हैं और बहुत तेजी से रफ्तार पकड़ सकती हैं.

ये हैं चुनौतियां

हाइड्रोजन का उत्पादन महंगी प्रक्रिया हो सकती है. साथ ही हाइड्रोजन को स्टोर करना मुश्किल होता है, क्योंकि यह एक बहुत ही हल्का और ज्यादा प्रतिक्रिय ाशील एलिमेंट है. इसके अलावा जहां झारखंड जैसे स्टेट में आज के दौर में ईवी व्हीकल्स को चार्ज करने के स्टेशन कम हैं, वहीं हाइड्रोजन फ्यूल रीफीलिंग स्टेशन बहुत दूर की बात लगती है.

चैटजीपीटी के चर्चे अब नौकरी खाने वाले के रूप में भी खूब हो रही है. इंजीनियर, लेखक, एकाउंटेंट, टीचर... सब बनने को तैयार है चैट जीपीटी. पर तमाम कोशिशों के बाद भी अभी डॉक्टर नहीं बन सकता. जी हां, प्लस वन द्वारा कराए गए एक सर्वे में खुलासा हुआ है कि चैट जीपीटी लक्षण पहचानने में अभी अनाड़ी है और इससे इलाज कराना नीम हकीम खतरे जान वाला मामला हो सकता है.

चैट जीपीटी से इलाज यानी...

नीम हकीम खतरे जान

प्लस वन की रिपोर्ट के मुताबिक, चैट जीपीटी लैंग्वेज मॉडल के रूप में धाक जमा चुका है लेकिन मेडिकल संबंधित सवालों के जवाब के लिए फिसड्डी है. रिसर्चर ने मेडस्केप क्लीनिकल चैलेंजेस के इस्तेमाल से पेशेंट की कंडिशन का सिनेरियो पेश किया. इन केस में मल्टीपल हेल्थ संबंधित समस्या को दिखाया गया. इसमें वे देखना चाहते थे कि क्या चैट जीपीटी आसानी से बीमारी को डाइग्नोस कर सकता है और उससे संबंधित इलाज की सलाह दे सकता है. रिसर्चर ने चैट जीपीटी पर 150 क्लीनिकल चैलेंजेस पर टेस्ट किया है, जो अगस्त 2021 के बाद पब्लिश किए गए हैं. हर एक केस में मरीज की हिस्ट्री, इलाज और टेस्ट की जानकारी थी और रिसर्चर चैटजीपीटी से मिले परिणामों की तुलना अपनी इन रिपोर्ट्स से करना चाहते थे.

- **रिसर्च के रिजल्ट से क्या हुआ खुलासा**

चैटजीपीटी ने 49 पर्सेंट केस में सही जवाब दिए. जब इन जवाब की तुलना मेडस्केप यूजर्स के रिस्पोंस किया, तो चैटजीपीटी ने करीब 61 पर्सेंट जवाब समय पर दिए. स्टडी में पाया कि चैटजीपीटी ने करीब 74 पर्सेंट एक्युरेसी हासिल की है, जिसके साथ 49पर्सेंट में क्लियर जवाब दिए हैं. इसने गलत जवाब को तो अलग किया, लेकिन इलाज के दौरान के इस पर भरोसा कम किया गया है.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

मनु भाकर होंगी समापन समारोह में भारत की ध्वजवाहक

एजेंसी।पेरिस

पेरिस ओलंपिक खेलों में दो कांस्य पदक जीतकर इतिहास रचने वाली निशानेबाज मनु भाकर रविवार को यहां होने वाले समापन समारोह में भारत की ध्वजवाहक होंगी. मनु ने 10 मीटर एयर पिस्टल में कांस्य पदक जीत कर पेरिस ओलंपिक में भारत का खाता खोला था. इस तरह से वह ओलंपिक में पदक जीतने वाली पहली भारतीय निशानेबाज बनी थी. इसके बाद उन्होंने सरबजोत सिंह के साथ मिलकर 10 मीटर एयर पिस्टल में मिश्रित टीम का कांस्य पदक भी जीता.

भारतीय ओलंपिक संघ के एक अधिकारी ने कहा, मनु को ध्वजवाहक के रूप में चुना गया है. उन्होंने बेजोड़ प्रदर्शन किया और

वह इसकी हकदार हैं. हरियाणा की इस 22 वर्षीय निशानेबाज ने इससे पहले कहा था कि भारत का ध्वजवाहक बनना सम्मान की बात होगी. मनु ने कहा था, भारतीय दल में कई ऐसे खिलाड़ी हैं जो अधिक हकदार हैं लेकिन अगर मुझे ऐसा करने के लिए कहा जाता है तो यह वास्तविक सम्मान होगा. भारतीय ओलंपिक संघ ने अभी तक पुरुष ध्वजवाहक के नाम की घोषणा नहीं की है.

मनु ने रचा था इतिहास

मनु एक ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली भारत की पहली एथलीट हैं. वहीं, मनु ओलंपिक में भारत की ओर से सबसे सफल एथलीट में से भी एक हैं. मनु के अलावा अब तक किसी भारतीय एथलीट ने एक ओलंपिक में दो पदक नहीं जीते हैं. सुशील कुमार और शटलर पीवी सिंधू के नाम दो-दो पदक हैं, लेकिन ये अलग-अलग ओलंपिक में आए हैं. सुशील ने 2008 बीजिंग (कांस्य) और 2012 लंदन (रजत) ओलंपिक में दो पदक जीते थे, जबकि सिंधू ने 2016 रियो (रजत) और 2020 टोक्यो ओलंपिक (कांस्य) में दो पदक जीते थे. मनु ने सभी को पीछे छोड़ते हुए इतिहास रच दिया था. इसी के साथ

वह एक ओलंपिक में दो या इससे ज्यादा पदक जीतने वाले एथलीट्स की लिस्ट में भी शामिल हो गई थीं.

वह इसकी हकदार हैं

भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के अधिकारी ने कहा, ''हां, मनु को ध्वजवाहक के रूप में चुना गया है. उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया था और वह इसकी हकदार हैं.'' हरियाणा की 22 वर्षीय निशानेबाज ने इससे पहले कहा था कि भारत का ध्वजवाहक बनना सम्मान की बात की है. मनु के अलावा भारत को स्वप्निल कुसाले ने पुरुषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन में कांस्य पदक दिलाया था. आईओए ने अभी तक पुरुष ध्वजवाहक की घोषणा नहीं की है, लेकिन माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में इसकी घोषणा भी कर दी जाएगी.

नीरज चोपड़ा के पेरिस में चमकने का इंतजार

एजेंसी।पेरिस

- आज क्वालीफिकेशन दौर में उतरेंगे
- फाइनल आठ अगस्त को खेला जायेगा

भारतीय एथलेटिक्स के लिये कई कीर्तिमान रच चुके नीरज चोपड़ा अपने दूसरे ओलंपिक में एक बार फिर अपने भाले से इतिहास रचना चाहेंगे चूंकि 140 करोड़ भारतीयों को उनसे एक बार फिर पीले तमगे की उम्मीद है .उनकी अप्रतिम निरंतरता की एक बार फिर परीक्षा होगी क्योंकि पूरे सत्र में वह जांघ के भीतरी हिस्से की मांसपेशी में (एडक्टर) परेशानी से जूझते आये हैं . वह मंगलवार को क्वालीफिकेशन दौर में उतरेंगे और फाइनल आठ अगस्त को खेला जायेगा . चोपड़ा अगर स्वर्ण जीतते हैं तो ओलंपिक के इतिहास में खिताब बरकरार रखने वाले पांचवें खिलाड़ी हो जायेंगे . इसके साथ ही ओलंपिक व्यक्तिगत वर्ग में दो स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले भारतीय भी बनेंगे . ओलंपिक की पुरूष भालाफेंक स्पर्धा में अभी तक एरिक लेमिंग (स्वीडन 1908 और 1912), जोन्नी माइरा (फिनलैंड 1920 और 1924), चोपड़ा के आदर्श जान जेलेंजी (चेक गणराज्य 1992 और 1996) और आंद्रियास टी (नॉर्वे 2004 और 2008) की ओलंपिक में भालाफेंक स्पर्धा में खिताब बरकरार रख सके हैं . इस साल चोपड़ा ने सिर्फ तीन स्पर्धाओ में भाग लिया लेकिन उनके बाकी प्रतिस्पर्धी भी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं . दोहा डायमंड लीग में मई में चोपड़ा ने 88 . 36 मीटर का थ्रो फेंका . वहीं एडक्टर में असहजता के कारण 28 मई को ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक में एहतियात के तौर पर भाग नहीं लिया . उन्होंने जून में फिनलैंड में पावो नुरमी खेलों में 85 . 97 मीटर का थ्रो फेंककर स्वर्ण के साथ वापसी की . इसके बाद सात जुलाई को पेरिस डायमंड लीग में भाग नहीं लिया . उनके कोच ने फिटनेस को लेकर चिंताओं को खारिज करते हुए कहा कि अब उनके एडक्टर में कोई परेशानी नहीं है और वह कड़ा अभ्यास कर रहे हैं .तोक्यो ओलंपिक के रजत पदक विजेता चेक गणराज्य के याकूब वालेश, जर्मनी के जूलियन वेबर और पूर्व विश्व चैम्पियन ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स उन्हें फिर चुनौती देंगे . भारत के किशोर जेना भी दौड़ में हैं जिन्होंने पिछले साल एशियाई खेलों में 87 . 54 मीटर का थ्रो फेंककर क्वालीफाई किया था लेकिन उसके बाद से 80 मीटर तक भी नहीं पहुंच पाये हैं .

पेरिस ओलंपिक 2024 पदक तालिका

देश	गोल्ड	सिल्वर	कांस्य	कुल
1. चीन	21	17	13	51
2. अमेरिका	19	27	26	72
3. फ्रांस	12	14	18	44
4. ऑस्ट्रेलिया	12	11	8	31
5. ब्रिटेन	10	12	16	38
6. द.कोरिया	11	08	07	26
7. जापान	10	5	11	26
8. इटली	08	10	06	26
9. नीदरलैंड	6	5	4	15
10. जर्मनी	6	5	2	13
54. भारत	0	0	3	3

ब्रीफ खबरें

सीन नदी में तैरने के बाद बीमार पड़ी खिलाड़ी

पेरिस। बेल्जियम की एक खिलाड़ी सीन नदी में तैरने के बाद बीमार पड़ गई जिस कारण उसकी टीम पेरिस ओलंपिक खेलों की मिश्रित रिले ट्रायथलॉन से हट गई. बेल्जियम ओलंपिक समिति ने बयान में कहा कि बुधवार को महिला ट्रायथलॉन में भाग लेने वाली उसकी खिलाड़ी क्लेयर मिशेल दुर्भाग्य से बीमार पड़ गई है जिसके कारण उनकी टीम को मिश्रित रिले ट्रायथलॉन से हटना होगा.पेरिस ओलंपिक खेलों के आयोजकों ने मिशेल की बीमारी को लेकर तत्काल कोई बयान जारी नहीं किया लेकिन कहा कि यह प्रतियोगिता पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार होगी. बेल्जियम की ओलंपिक समिति ने भी उनकी बीमारी के बारे में विस्तार से जानकारी नहीं दी.सीन नदी के पानी की गुणवत्ता पर शुरू से ही चिंता व्यक्त की जा रही है. इस कारण पहले ट्रायथलॉन के अभ्यास सत्र रद्द करने पड़े थे.

इंग्लैंड के पूर्व बल्लेबाज ग्राहम थोर्प का निधन

लंदन। इंग्लैंड और सरे के पूर्व बल्लेबाज ग्राहम थोर्प का निधन हो गया है. वह 55 वर्ष के थे. इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने यह जानकारी दी.इंग्लैंड की तरफ से 1993 से 2005 तक 100 टेस्ट मैच खेलने वाले थोर्प 2022 में गंभीर रूप से बीमार हो गए थे लेकिन उनकी चिकित्सा स्थिति का विवरण ज्ञात नहीं है. इस बल्लेबाज ने टेस्ट क्रिकेट में 44.66 की औसत से रन बनाए जिसमें 16 शतक भी शामिल हैं.ईसीबी ने बयान में कहा,''ईसीबी बहुत दुख के साथ यह खबर साझा कर रहा है कि ग्राहम थोर्प का निधन हो गया है.'ईसीबी ने हालांकि उनके निधन का कारण नहीं बताया. इस बल्लेबाज ने सरे के लिए काउंटी क्रिकेट खेला और टीम के लिए करीब 20,000 रन बनाए.

स्वर्ण से दो जीत दूर भारतीय हॉकी टीम देना चाहती है श्रीजेश को यादगार विदाई

जर्मनी के खिलाफ भारतीय टीम आज दिखाएगी दम

एजेंसी।पेरिस

ओलंपिक में 44 साल बाद स्वर्ण पदक जीतने की राह पर भारतीय हॉकी टीम के सामने मंगलवार को सेमीफाइनल में विश्व चैम्पियन जर्मनी की चुनौती होगी और इस बाधा को पार करके टीम संकटमोचक पीआर श्रीजेश को शानदार विदाई देने के अपने मिशन की अगला कदम रखेगी. ब्रिटेन के खिलाफ क्वार्टर फाइनल में दस खिलाड़ियों तक सिमटने के बावजूद भारतीय टीम ने जिस साहस और कौशल का प्रदर्शन करके मुकाबला पेनाल्टी शूटआउट तक खिंचा, वह काबिले तारीफ है.

तोक्यो ओलंपिक कांस्य पदक मैच में जर्मनी की पेनाल्टी बचा कर भारत को 41 साल बाद पदक दिलाने वाले नायक श्रीजेश एक बार फिर जीत के सूत्रधार बने. उन्होंने शूटआउट में ब्रिटेन के दो शॉट बचाये और इससे पहले निर्धारित समय के भीतर भी ब्रिटेन ने 28 बार भारतीय गोल पर हमला बोला और दस पेनाल्टी कॉर्नर बनाये, लेकिन महज एक सफलता मिली.36 वर्ष के श्रीजेश का यह आखिरी टूर्नामेंट है और उन्हें स्वर्ण पदक के साथ विदा करने का मिशन भारतीय टीम के लिये अतिरिक्त प्रेरणा बना है. भारत ने आठ ओलंपिक स्वर्ण में से आखिरी 1980 में मॉस्को में जीता था और अब पेरिस में उसके पास 44 साल बाद इतिहास रचने का मौका है. सेमीफाइनल जीतने पर भारत का रजत तो पक्का हो जाएगा जो आखिरी बार उसने 1960 में रोम में जीता था. ब्रिटेन के खिलाफ भारत ने करीब 40 मिनट दस खिलाड़ियों के साथ खेला क्योंकि अमित रोहिदास को रेडकार्ड दिखाया गया था. अब सेमीफाइनल में भी भारत को अपने नंबर एक फर्स्ट रशर के बिना ही खेलना होगा जिन पर एक मैच का प्रतिबंध लगाया गया है. हॉकी इंडिया ने हालांकि इसके खिलाफ अपील की है. रोहिदास की गैर मौजूदगी भारत को पेनाल्टी कॉर्नर में भी खलेगी क्योंकि कप्तान हरमनप्रीत सिंह के बाद वह भारत के ड्रैग फ्लिक विशेषज्ञ हैं.

अमित रोहिदास पर एक मैच का प्रतिबंध, सेमीफाइनल मैच से बाहर

- हॉकी इंडिया की अपील खारिज

पेरिस । भारतीय हॉकी टीम के प्रमुख डिफेंडर अमित रोहिदास जर्मनी के खिलाफ मंगलवार को होने वाले सेमीफाइनल मैच में नहीं खेल पाएंगे क्योंकि उन पर लगाए गए एक मैच के निलंबन के खिलाफ दायर की गई हॉकी इंडिया की अपील को इस खेल की विश्व संस्था एफआईएच ने खारिज कर दिया. रोहिदास को ग्रेट ब्रिटेन के खिलाफ रविवार को खेले गए क्वार्टर फाइनल मैच के दौरान रेड कार्ड मिला था जिसके कारण एफआईएच ने उन्हें एक मैच के लिए निलंबित कर दिया था. इसका मतलब है कि इस महत्वपूर्ण मैच के लिए भारत के केवल 15 खिलाड़ी ही उपलब्ध रहेंगे जो आठ बार के ओलंपिक चैंपियन के लिए करारा झटका है.अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) ने आधिकारिक बयान ने कहा,'भारत और ग्रेट ब्रिटेन के बीच चार अगस्त को खेले गए मैच के दौरान अमित रोहिदास को एफआईएच आचार संहिता के उल्लंघन के लिए एक मैच के लिए निलंबित कर दिया गया था.'बयान के अनुसार, 'निलंबन का असर मैच नंबर 35 (जर्मनी के खिलाफ भारत का सेमीफाइनल मैच) पर पड़ेगा, जिसमें अमित रोहिदास भाग नहीं लेंगे और भारत केवल 15 खिलाड़ियों की टीम के साथ खेलेगा.'हॉकी इंडिया ने रोहिदास के निलंबन के खिलाफ अपील दर्ज की थी लेकिन एफआईएच की जूरी बेंच ने उसे नामंजूर कर दिया.

अल्काराज ने कहा- दबाव में हारा ओलंपिक फाइनल

पेरिस। स्पेन के कार्लोस अल्काराज ने ओलंपिक खेलों की टेनिस प्रतियोगिता के पुरुष एकल के फाइनल में नोवाक जोकोविच से हारने के बाद कहा कि उन्होंने खुद पर अपने देश की तरफ से खेलने का दबाव बना दिया था. जोकोविच ने अल्काराज को 7-6 (3), 7-6 (2) से हराकर अपना पहला ओलंपिक स्वर्ण पदक जीता. इससे अल्काराज का सबसे कम उम्र में ओलंपिक स्वर्ण पदक जीतने का सपना भी टूट गया. वह रफेल नडाल की बराबरी करने से भी चूक गए, जिन्होंने 2008 में अपने पहले प्रयास में ही स्वर्ण पदक जीता था. 21 वर्षीय अल्काराज ने कहा, मुझे लगता है कि मैंने खुद पर अधिक दबाव बना दिया था क्योंकि मैं स्पेन और स्पेनिश लोगों के लिए खेल रहा था.

किरण 400 मीटर हीट में सातवें स्थान पर रही

- सेमीफाइनल में जगह के लिए रेपेचेज में लेंगी हिस्सा

एजेंसी।पेरिस

भारत की किरण पहल सोमवार को पेरिस ओलंपिक की अपनी हीट रेस में सातवें स्थान पर रहने के बाद महिलाओं की 400 मीटर में स्वतः सेमीफाइनल में जगह बनाने में असफल रहीं. अब वह रेपेचेज दौर में दौड़ेंगी.अपना 24वां जन्मदिन मना रही किरण ने 52.51 सेकेंड का समय लिया जो उनके सत्र के 50.92 सेकेंड के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ से काफी कम था.डोमिनिका की विश्व

चैंपियन मारिलिडी पॉलिनो ने 49.42 सेकेंड के समय के साथ हीट जीती, उसके बाद अमेरिका की आलिया बटलर (50.52) और ऑस्ट्रिया की सुजैन गोगल-वाल्ली (50.67) क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहीं. छह हीटों में से प्रत्येक में शीर्ष तीन ने सेमीफाइनल में जगह पक्की की जबकि डीएनएस (रेस शुरू नहीं करने वाले) डीएनएफ (रेस खत्म नहीं करने वाले) और डीक्यू (अयोग्य) को छोड़कर अन्य सभी मंगलवार को होने वाले रेपेचेज दौर में भाग लेंगे. किरण ने जून में राष्ट्रीय अंतर-राज्य चैंपियनशिप में अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 50.92 सेकंड का समय निकालकर पेरिस ओलंपिक के लिए सीधे क्वालीफाई किया था. इस ओलंपिक खेल में बाधा दौड़ स्पर्धाओं सहित 200 मीटर से 1500 मीटर तक की सभी व्यक्तिगत ट्रैक स्पर्धाओं में रेपेचेज राउंड शुरू किया जाएगा.

नौकायन के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की मांग

एजेंसी।पेरिस

पेरिस ओलंपिक में पुरूषों की एकल स्कल स्पर्धा में 23वें स्थान पर रहे भारतीय नौकायन खिलाड़ी बलराज पंवार ने देश में नौकायन के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और जूनियर स्तर पर प्रतिस्पर्धायें बढाने की मांग की है ताकि भविष्य में भारत का प्रदर्शन बेहतर हो सके. पेरिस ओलंपिक में एकमात्र भारतीय नौकायन खिलाड़ी पंवार रेपेचेज के जरिये क्वार्टर फाइनल में पहुंचे थे और फिर ग्रुप सी और डी में सेमीफाइनल खेलकर 23वें स्थान पर रहे . पंवार ने इंडिया हाउस में पीटीआई से कहा ,' हमें नौकायन में बुनियादी ढांचा मजबूत करना होगा . जूनियर स्तर पर अधिक खिलाड़ियों को प्रशिक्षण

देना होगा और उस स्तर पर प्रतिस्पर्धायें भी बढानी होगी .' उन्होंने कहा ,' हमें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तीन चार क्लबों की जरूरत है और जूनियर स्तर पर अधिक प्रतिस्पर्धायें चाहिये .' ओलंपिक में अपने प्रदर्शन पर उन्होंने कहा ,' मेरा अनुभव बहुत अच्छा रहा . हमारे राष्ट्रीय टूर्नामेंटों में फाइनल तक तीन रेस होती है लेकिन यहां पांच रेस थी और मैने सभी में अच्छा किया. भविष्य में यह अनुभव मेरे काम आयेगा.'

महेश्वरी और नरूका स्कीट मिश्रित टीम अब कांस्य के लिए खेलेंगी

शेटराउ। भारतीय निशानेबाजों महेश्वरी चौहान और अनंत जीत सिंह नरूका ने पेरिस ओलंपिक स्कीट मिश्रित टीम स्पर्धा के कांस्य पदक के मुकाबले के लिये क्वालीफाई कर लिया. भारतीय जोड़ी ने क्वालीफिकेशन में 146 स्कोर किया. अब कांस्य पदक के लिये उनका मुकाबला चीन से होगा . भारतीय जोड़ी क्वालीफिकेशन के पहले चरण के बाद 49 अंक लेकर संयुक्त दूसरे स्थान पर थी . पहले दौर में नरूका ने 25 में से 25 और महेश्वरी ने 24 अंक बनाये . दूसरे दौर में महेश्वरी ने 25 अंक बनाये लेकिन नरूका दूसरी और पांचवीं सीरिज में चूककर 23 अंक ही बना सके . तीसरे दौर में महेश्वरी ने 25 और नरूका ने 24 अंक बनाये .

मनिका की अगुआई में रोमानिया को 3-2 से हराया

टेबल टेनिसःभारत महिला टीम क्वार्टर फाइनल में

एजेंसी।पेरिस

स्टार खिलाड़ी मनिका बत्रा की अगुआई में भारत ने सोमवार को यहां पेरिस ओलंपिक की महिला टेबल टेनिस टीम स्पर्धा में अपने से ऊंची रैंकिंग वाले रोमानिया को रोमांचक मुकाबले में 3-2 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया.भारत 2-0 से आगे चल रहा था लेकिन रोमानिया ने वापसी करते हुए 2-2 से बराबरी हासिल कर ली लेकिन निर्णायक मैच में मनिका ने जीत दर्ज करने टीम को जीत दिला दी.श्रीजा अकुला और अर्चना कामथ ने युगल मैच में एडिना

डायकोनू और एलिजाबेटा समारा पर 11-9, 12-10, 11-7 से जीत दर्ज करके मुकाबले की शुरुआत की.मनिका ने अपने से बेहतर रैंकिंग वाली बर्नाडेट जोक्स को 11-5, 11-7, 11-7 से हराया जिससे भारत ने अपने चौथे वरीयता प्राप्त प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ 2-0 की बढ़त हासिल की. प्रतियोगिता में भारत को 11वीं वरीयता दी गई है.दूसरे एकल में पहला गेम जीतने के बाद श्रीजा यूरोपीय चैंपियन समारा से 2-3 (11-8 4-11 11-7 6-11 8-11) से हार गईं.श्रीजा की हार के बाद अर्चना और बर्नाडेट के बीच मुकाबला हुआ. बर्नाडेट ने पहला गेम 11-5 से जीत लिया लेकिन भारतीय खिलाड़ी ने दूसरा गेम 11-8 से जीतकर बराबरी हासिल कर ली. बर्नाडेट ने अगले दो गेम 11-7, 11-9 से जीतकर मैच अपने नाम कर लिया और मुकाबला 2-2 से बराबर कर दिया. इसके बाद मनिका ने एडिना को 3-0 (11-5, 11-9, 11-9) से हराकर भारत को अंतिम आठ में जगह दिलाई.क्वार्टर फाइनल में भारत का मुकाबला अमेरिका या जर्मनी से होगा.

टूर्नामेंट

भारत के सहायक कोच अभिषेक नायर ने हार का ठीकरा पिच पर फोड़ा

पिच बहुत स्पिन ले रही थी, मैच किसी भी तरफ पलट सकता था: नायर

एजेंसी।कोलंबो

भारत के सहायक कोच अभिषेक नायर ने दूसरे एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में श्रीलंका से मिली अप्रत्याशित हार का ठीकरा पिच पर फोड़ते हुए कहा कि विकेट काफी स्पिन ले रहा था और ऐसे में मैच किसी भी तरफ पासा पलट सकता था. भारतीय बल्लेबाजों की स्पिन के खिलाफ कमजोरी खुलकर सामने आई जब उसे दूसरे वनडे में 32 रन से हार का सामना करना पड़ा. श्रीलंका की तरफ से लेग स्पिनर जेफरी वांडरसे ने छह विकेट लेकर भारतीय बल्लेबाजों को टिकने नहीं दिया.नायर ने मैच के बाद संवाददाता सम्मेलन में

कहा, यह आश्चर्य जनक था लेकिन आप जानते हैं कि इस तरह की परिस्थितियों में मैच का पासा किसी भी तरह पलट सकता था क्योंकि पिच से बहुत अधिक स्पिन मिल रही थी. भारत के सामने 241 रन का लक्ष्य था लेकिन उसकी पूरी टीम 42.2 ओवर

खास बातें

- दूसरे वनडे में 32 रन से हार का सामना करना पड़ा
- कप्तान को छोड़ कर बाकी बल्लेबाज रन बनाने में विफल रहे

में 208 रन पर आउट हो गई. कप्तान रोहित शर्मा को छोड़ कर बाकी अन्य बल्लेबाज रन बनाने के लिए संघर्ष करते रहे. नायर ने कहा, अगर आप पहले मैच पर भी गौर करो तो नई गेंद से रन बनाना थोड़ा आसान था. गेंद के पुरानी पड़ जाने के बाद बल्लेबाजी करना आसान नहीं था विशेषकर जबकि आप बाद में बल्लेबाजी कर रहे हों. कुछ अवसरों पर मुश्किल परिस्थितियों में विशेष कर 50 ओवर के प्रारूप में ऐसा होता है. भारत के सहायक कोच ने कहा कि टीम प्रबंधन उन चीजों पर गौर करेगा जो अभी तक टीम के अनुकूल नहीं रही हैं. उन्होंने कहा, हमें उन चीजों पर गौर करना होगा जिन पर सुधार करने की जरूरत है. हमें इस पर विचार करना होगा कि लगातार दूसरे मैच में ऐसा क्यों हुआ. पहले मैच में हम कुछ हद तक साझेदारियां निभाने में सफल रहे थे लेकिन इस मैच में हमने लगातार विकेट गंवाए.

भारत ने अपने मध्यक्रम में बदलाव करके शिवम दुबे को चौथे नंबर पर जबकि श्रेयस अय्यर को छठे और केएल राहुल को सातवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए भेजा लेकिन यह तीनों नहीं चल पाए.

नायर ने कहा, मेरा मानना है कि खेल में बल्लेबाजी पोजीशन तभी मायने रखती है जब आप मैच के विभिन्न चरणों में खेल रहे हैं. हमने बीच के ओवरों में विकेट गंवाए और तब मध्यक्रम के बल्लेबाज बल्लेबाजी कर रहे होते हैं. मेरा मानना था कि ऐसा करना सही था और जब यह नहीं चल पाता है तो अक्सर सवाल उठाए जाते हैं. मेरा मानना है कि अगर मध्यक्रम का बल्लेबाज मध्यक्रम में बल्लेबाजी कर रहा हो तो उसे देखते हुए यह फैसला सही था.

कई गर्भवती भी ओलंपिक में दिखा रही हैं दम खम

पेरिस। ओलंपिक में भाग ले रहे कई खिलाड़ी अपनी जीत और हार की खबरें इंस्टाग्राम पर साझा करते हैं लेकिन पिछले सप्ताह तलवारबाजी में भाग लेने वाली मिस्र की नाडा हाफिज ने कुछ और ही साझा किया.उन्होंने खुलासा किया कि वह अकेले तलवारबाजी नहीं कर रही थी, कोई और भी उनके साथ था. हाफिज सात महीने की गर्भवती है.हाफिज ने मैच के दौरान की अपनी तस्वीर साझा करते हुए लिखा, 'मंच पर आपको दो खिलाड़ी दिखाई दे रहे हैं लेकिन वह असल में तीन हैं. मैं, मेरी प्रतिद्वंदी और मेरा होने वाला बच्चा. प्रतियोगिता में 16वें स्थान पर रही जो तीन ओलंपिक खेलों में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है.इसके एक दिन बाद अजरबेजान की तीरंदाज ने भी खुलासा किया कि वह साढ़े छह महीने की गर्भवती है.

विजेता की तरह खेलो और स्वर्ण तुम्हारा है : पाक हॉकी दिग्गज

एजेंसी।नयी दिल्ली

पेरिस ओलंपिक में भारतीय हॉकी टीम के प्रदर्शन से प्रभावित पाकिस्तान के महान सेंटर फॉरवर्ड हसन सरदार ने हरमनप्रीत सिंह की अगुवाई वाली टीम को एक ही सलाह दी है ,'' विजेता की तरह खेलो और तुम्हें स्वर्ण जीतने से कोई नहीं रोक सकता .' लॉस एंजिलिस ओलंपिक 1984 में पाकिस्तान को स्वर्ण पदक दिलाने में सूत्रधार रहे सरदार ने कराची से भाषा को दिये इंटरव्यू में कहा ,' जब हॉकी या क्रिकेट में पाकिस्तान नहीं खेल रहा होता है तो मैं हमेशा भारत का समर्थन करता हूं . यह भारत की सर्वश्रेष्ठ टीमों में से है जिसमें काफी सुधार आया है और जो

यूरोपीय टीमों को कड़ी टक्कर दे रही है .' उन्होंने कहा ,' इस टीम के पास 1980 के बाद ओलंपिक हॉकी में पहला स्वर्ण जीतने का सुनहरा मौका है और मुझे लगता है कि वे जीतेंगे .'उन्होंने कहा ,' आस्ट्रेलिया के खिलाफ उनके प्रदर्शन से मैं काफी प्रभावित हुआ . भारतीय टीम अच्छी है और उसे दिमाग में यह बिठाकर खेलना है कि हम जीत सकते हैं . इस स्तर पर मानसिक तैयारी का ही फर्क होता है .'

ब्रीफ खबरें

अंर्तराज्यीय चोर धराए, 34 मोबाइल बरामद

पूर्वी चंपारण । जिले के बंजरिया थाना पुलिस ने बीती देर रात चेकिंग के दौरान खढवा पुल के समीप राष्ट्रीय उच्च पथ 28 पर चोरी के 34 मोबाइल एवं एक लैपटॉप के साथ एक अंर्तराज्यीय शातिर चोर को गिरफ्तार किया है. पुलिस ने इसके पास से छह मोबाइल सिम भी बरामद किया है. पकड़ा गया चोर आदापुर थाना क्षेत्र का निजामुल हक बताया गया है. सोमवार को इसकी जानकारी देते हुए एएसपी शिखर चौधरी ने बताया कि पकड़ा गया. फिलहाल बंजरिया थाना में मामला दर्ज कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है.

2530 नेपाली शराब के साथ दो गिरफ्तार

पूर्वी चंपारण । एसएसबी 71वीं वाहिनी के अठमोहान पोस्ट के जवानों ने गुप्त सूचना के आधार पर गश्ती के दौरान सोमवार की सुबह पिलर संख्या 359/4 के समीप कोइरगांवा गांव के निकट से 2530 बोतल नेपाली कस्तूरी शराब के साथ दो बाइक और दो साईकल के साथ दो तस्कर को पकड़ा है.वही अन्य तस्कर अंधेरा का फायदा उठा कर भागने मे सफल रहे. पकड़े गये तस्कर की पहचान जितना थाना क्षेत्र के अगरवा गांव निवासी कृष्णनंदन कुमार पिता बृजबिहारी राय,विजय कुमार पिता ओमप्रकाश के रूप में किया गया जिसे गिरफ्तार कर जितना पुलिस को सौंप दिया गया.

आईपीएस काम्या मिश्रा ने इस्तीफा दिया

पटना । राज्य की चर्चित आईपीएस अधिकारी काम्या मिश्रा ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है. वह पिछले दिनों पूर्व मंत्री मुकेश सहनी के पिता जीतन सहनी की हत्या के बाद बनाई गई एसआईटी की प्रमुख भी रहीं और इस केस के खुलासे में अहम भूमिका निभाती हुई दिखी थीं. पूर्व मंत्री के पिता की हत्या के बाद भी आईपीएस काम्या मिश्रा का नाम चर्चा में था. उन्हें ही इस बड़े केस को सॉल्व करने की जिम्मेवारी मिली थी. उन्होंने जल्द ही इस केस को सॉल्व भी कर दिया. लेडी सिंघम के नाम से मशहूर काम्या मिश्रा मूल रूप से ओडिशा की रहने वाली हैं. 12वीं की बोर्ड परीक्षा में उन्होंने 98 प्रतिशत अंक लाया था.

बीमा भारती के पति अवधेश मंडल ने कोर्ट में किया सरेंडर

पूर्णिया । पूर्णिया के चर्चित व्यवसाई गोपाल यादुका हत्याकांड मामले में पूर्व विधायक बीमा भारती के पति अवधेश मंडल ने सरेंडर कर दिया है. सोमवार को पूर्णिया सिविल कोर्ट स्थित मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी (सीजेएम) कोर्ट में सरेंडर किया है. कोर्ट ने अवधेश मंडल को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है. इस मामले में आरोपी पुत्र राजा अब भी फरार है. मामले में अवधेश मंडल के अधिवक्ता जय हिंद कुमार ने कहा कि गोपाल यादुका हत्याकांड में अवधेश मंडल को अप्राथमिक अभियुक्त बनाया गया है. इस मामले को लेकर अवधेश मंडल ने कोर्ट में सरेंडर किया और बेल पिटिशन फाइल किया.

जन्दाहा रोड के सुल्तानपुर गांव में हुई घटना, ग्रामीण बोले-लटका हुआ था हाईटेंशन तार

विभाग की लापरवाही से 9 की गई जान

संवाददाता । हाजीपुर

वैशाली जन्दाहा रोड के सुल्तानपुर गांव में हाई टेंशन तार की चपेट में डीजे के आने से 9 कांवड़ियों की मौत हो गई है. कई झुलस गए, जिनका सदर अस्पताल में इलाज चल रहा है. घटना रविवार रात 11:45 बजे की है, जहां डीजे ट्राली के बिजली के तार की चपेट में आने से घटना हुई. बताया जाता है कि डीजे अधिक ऊंचा था, इस वजह से बिजली का तार उसमें फंस गया. ग्रामीणों का दावा है कि बिजली का तार टूटकर लटक रहा था, जिस वजह से ये घटना हुई है. वहीं सवाल यह भी है कि इतने बड़े व ऊंचे डीजे ट्रॉली ले जाने की अनुमति कैसे दी गई, या बिना अनुमति के ही कांवड़िये डीजे ले जा रहे थे? सुल्तानपुर गांव से कांवड़िये जल लेने के लिए पहलेजा घाट निकले थे. पहलेजा घाट से जल लेकर सभी को बाबा हरिहरनाथ मंदिर में सोमवार की सुबह जलाभिषेक करना था. इससे पहले ही ये हादसा हो गया. घटनास्थल पर कांवड़ियों के चप्पल हैं जो जल चुके हैं. मौके पर जली हुईं चीजें इधर-उधर बिखरी पड़ी है.

ग्रामीणों का कहना है कि बिजली के तारों को बदलने की जरूरत है. तार जगह-जगह लटक रहा है. ग्रामिणों ने बताया कि बिजली विभाग में हम लोगों ने कल घटना के समय लाइन काटने के लिए फोन किया,

घटनास्थल पर पुलिस अधिकारी.

लेकिन किसी ने फोन नहीं उठाया. आधा घंटा तक कांवड़िये झुलसते रहे. विभाग पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए. लटके हुए तार को ठीक करने के लिए कई बार हम लोग शिकायत कर चुके हैं, लेकिन हम लोगों की नहीं सुनी गई. गांव वालों का ये भी कहना है कि घर के सामने नीचे हाइट पर ट्रांसफॉर्मर लगा दिया गया है. जिससे पूरे गांव को बिजली सप्लाई होती है. इससे भी हादसों को आमंत्रित किया जा रहा है. वहीं, घटनास्थल पर तिरहुत रेंज के आईजी शिवदीप लांडे भी पुलिसकर्मियों के साथ पहुंचे हैं, हालात का जायजा ले रहे हैं. मृतक के परिवार वालों को प्रशासन ने 4, 4 लाख रुपये का चेक दिया है.

ट्रैक्टर और बाइक की टक्कर में एक की मौत,दूसरा गंभीर

पूर्वी चंपारण । जिले के सुगौली थाना क्षेत्र के छपवा रक्सौल मुख्य मार्ग पर बड़हरवा गांव के समीप ट्रैक्टर और बाइक की टक्कर में बाइक सवार एक की मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया. मृतक और घायल दोनों मझौलिया थाना क्षेत्र के परसा डुमरिया के बताये गये है. घटना में बाइक चला रहे समशुल मियां की मौत घटना स्थल पर ही हो गई, जबकि घायल अजमुल्लाह का गंभीर स्थिति में इलाज चल रहा है.

कटिहार में हादसा, दो बाइक में टक्कर, 4 कांवड़ियों की मौत

कटिहार । कटिहार में सोमवार सुबह दो बाइक के बीच हुई टक्कर में चार कांवड़ियों की मौत हो गई. बताया जा रहा है कि सुबह करीब 3 बजे मनिहारी थाना क्षेत्र के कुमारीपुर के पास यह घटना हुई है. दो बाइक से चार कांवड़िया मनिहारी गंगा घाट पर जल भरने जा रहे थे. इसी दौरान दोनों गाड़ियों के बीच में टक्कर हो गई. दो की मौके पर मौत हो गई जबकि दो लोगों ने इलाज के क्रम में दम तोड़ दिया. मृतकों में दो कटिहार जिले के उदामा रहिका और दो पूर्णिया जिले के रहने वाले बताए जा रहे हैं. मृतकों की पहचान सूरज कुमार और कृष्ण राम के रूप में की गई है. ये कटिहार के उदामा रहिका के रहने वाले थे. वहीं दो अन्य मृतकों को उनके साथी लेकर रवाना हो गए. ऐसे में उनकी पहचान नहीं हुई. हादसे के बाद स्थानीय लोग घटनास्थल पर पहुंचे और

अस्पताल में परिजन.

पुलिस को सूचना दी. बता दें कि सिर्फ दो शवों का ही पोस्टमार्टम कटिहार में हुआ. दरअसल, हर साल सावन में कटिहार जिले और आसपास के कई जिलों के लोग गंगा से जल भरकर गोरखनाथ धाम एवं अन्य शिवालयों में अर्पित करने जाते हैं. इस तरह की घटना से हड़कंप मचा है. मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू कर दी है.

हथियार के बल पर बदमाशों ने 21 लाख रुपये लूट लिए

डीवीआर भी ले गए लुटेरे, इलाके में मची हड़कंप

संवाददाता । पटना

पटना में बेखौफ बदमाशों ने बैंक लूट की घटना को अंजाम दिया है. सोमवार सुबह पालीगंज अनुमंडल के दुल्हिन बाजार थाना क्षेत्र के कोरैया गांव स्थित पंजाब नेशनल बैंक में हथियार के बल पर बदमाश घुसे और कर्मचारियों को बंधक बनाकर करीब 21 लाख रुपये लूट लिए. बताया जाता है कि घटना को अंजाम देने के बाद हथियार लहराते हुए बदमाश बैंक से निकले और फरार हो गए. घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई. घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची. यह लूट 21 लाख रुपये की बताई जा रही है, हालांकि मिलान के बाद पता चल पाएगा कि कुल कितने रुपये की लूट हुई है.

तीन से चार के करीब थी संख्या : कहा जा रहा है कि लूटपाट करने वाले बदमाशों की संख्या तीन से चार थी. नकाब पहनकर वे लोग बैंक में सुबह करीब 10 से 10:30 बजे के बीच घुसे थे. मैनेजर के अनुसार लूटी गई कुल राशि 21 लाख है. बताया गया कि बदमाशों ने बैंक कर्मियों को एक कमरे में बंद कर दिया था. इस मामले में पटना पश्चिम के एसपी अभिनव धीमान ने बताया कि करीब 21 लाख रुपये की लूट हुई है. लुटेरे डीवीआर को अपने साथ लेकर चले गए हैं. आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं. उनके भागने के रास्ते की तरफ भी पता किया जा रहा है. डॉग स्क्वॉड की टीम बुलाई गई है. एफएसएल की टीम भी बुलाई गई है. जल्द से जल्द जो अपराधी हैं उनकी गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाएगी.

तेजस्वी ने पत्नी संग मंदिर में की पूजा-अर्चना

पटना में तेजस्वी यादव पत्नी के साथ पहली बार मंदिर में पूजा-अर्चना करते हुए.

किशनगंज से पूर्णिया जा रही बस में लगी आग

बस में करीब 25 यात्री सवार थे, सभी यात्री बाल-बाल बचे

संवाददाता । किशनगंज

सिलीगुड़ी से पूर्णिया जा रही समीर बस में अचानक आग लग गई. बस में करीब 25 यात्री सवार थे. बस जैसे ही खगड़ा ओवरब्रिज पर पहुंची गियर बॉक्स से अचानक धुआं निकलने लगा. धीरे-धीरे बस में आग लगने लगी. यात्रियों ने बताया कि खिड़कियों से कूदकर लोगों ने अपनी जान बचाई. बच्चों को भी खिड़कियों से बाहर निकाला गया.

मामला खगड़ा ओवरब्रिज एनएच-27 का है. हादसे में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है. बस में आग की सूचना सदर थाने की पुलिस

और फायर ब्रिगेड को दी गई. आधे घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया, लेकिन तब तक बस पूरी तरह से खाक हो चुकी थी. बस करीब 1 बजे सिलीगुड़ी से किशनगंज बस स्टैंड पर पहुंची थी. बस वातानुकूलित थी. किशनगंज बस स्टैंड से पूर्णिया के लिए खुली थी. गाड़ी में सफर कर रहे यात्रियों ने बताया कि ओवरब्रिज पर पहुंचते ही बस रुक गई. आगे किसी ने देखा कि धुआं निकल रहा है. ड्राइवर और खलासी कोई नहीं था. हमने अपनी जान बचाने के लिए सामने वाले को धक्का मारा. लोग जल्दी से उतरने की कोशिश में थे. कई लोग खिड़की से कूदे. बच्चों को भी खिड़की से निकाला गया. ड्राइवर ने बस एकदम साइड कर दी थी, इसलिए उतरने में भी परेशानी हुई. पीछे से धुआं निकलने लगा. बस में करीब 25 यात्री सवार थे और ये पूर्णिया जा रहे थे.

तालाब में डूबे तीन बच्चों के शव को निकाला गया

किशनगंज । जिले के ठाकुरगंज प्रखंड अंतर्गत कुर्लीकोर्ट थाना क्षेत्र के हाजीबस्ती गांव में तालाब में डूबे तीन बच्चों के शव को सोमवार को निकाला गया. एक बच्चों का शव मिलने के बाद परिजनों की चीख को पुकार से इलाके में हाहाकार मच गया. घर के चिरागों को बुझते देख परिजन बिलख-बिलख कर रो रहे हैं. बीते रविवार को तीन बच्चों के तालाब में डूबने की खबर के बाद से दिनभर प्रशासन की टीम द्वारा खोजबीन जारी रही बावजूद इसके बीते दिन लापता बच्चों का कोई सुराग नहीं मिला, लेकिन सोमवार सुबह पुलिस टीम, एसडीआरएफ की टीम, एसएसबी के सहयोग से तीनों बच्चों को मृत अवस्था में बाहर निकला गया.

धार में डूबने से एक की मौत

अररिया । फारबिसगंज प्रखंड के सैफगंज वार्ड संख्या सात के निवासी 45 वर्षीय दिलीप साह की धार में डूबने से मौत हो गई. दिलीप साह धार को पारकर खेत से वापस लौट रहा था. इसी क्रम में गहरे पानी में जाने के कारण उनकी मौत हो गई. घटना की जानकारी मिलने के बाद सांसद प्रदीप कुमार सिंह के निर्देश पर भाजपा अति पिछड़ा मोर्चा के जिलाध्यक्ष दिलीप पटेल मृतक के घर पहुंचे और पीड़ित परिजनों को सांत्वना दिया. भाजपा नेता दिलीप पटेल ने बताया कि घटना की जानकारी सांसद प्रदीप कुमार सिंह को दूरभाष पर दी गई.सत्र चलने के कारण सांसद दिल्ली में है. वह दिल्ली से आने के बाद मृतक के घर पहुंचेंगे. दिलीप ने सांत्वना देते हुए मिलने वाला अनुग्रह अनुदान राशि दिलाने का भरोसा दिलाया.

कारोबार

स्विगी ने कृष्णमूर्ति को सीओओ बनाया

नयी दिल्ली । वाणिज्य मंच स्विगी इंस्टामार्ट ने साईराम कृष्णमूर्ति को सीओओ नियुक्त किया है. कंपनी ने कहा, कृष्णमूर्ति स्विगी इंस्टामार्ट की परिचालन इकाइयों की देखरेख करेंगे. इसमें 'डार्क स्टोर' संचालन, बुनियादी ढांचा संचालन, विकास व विस्तार शामिल हैं. उनके पास दैनिक उपभोग की वस्तुओं, उपभोक्ता तकनीक और खुदरा क्षेत्र में 18 वर्षों से अधिक का अनुभव है. इससे पहले, कृष्णमूर्ति मोर रिटेल में सुपर मार्केट व्यवसाय के मुख्य परिचालन अधिकारी के रूप में सेवाएं दे चुके हैं.

ओएनजीसी त्रिपुरा में गैस उत्पादन बढ़ाएगी

अगरतला । ऑयल एंड नैचुरल गैस कॉरपोरेशन (ओएनजीसी) ने त्रिपुरा में गैस उत्पादन बढ़ाने के लिए कदम उठाए हैं. इसके पीछे मकसद पूर्वोत्तर राज्य के बिजली उत्पादक संयंत्रों को गैस उपलब्ध कराना है. यह निर्णय राज्य में विभिन्न गैस आधारित बिजली उत्पादन संयंत्रों को गैस आपूर्ति में कमी की खबरों के बीच लिया गया है. ओएनजीसी ने वित्त वर्ष 2023-24 में त्रिपुरा में 1,52.7 करोड़ मानक घनमीटर गैस का उत्पादन किया, जबकि उसने चालू वित्त वर्ष में 1,67.5 करोड़ मानक घनमीटर गैस उत्पादन का लक्ष्य रखा है.

जापान का सूचकांक निक्की 12.4% लुढ़का

तोक्यो । जापान का शेयर सूचकांक निक्की-225 सोमवार को भारी बिकवाली के कारण 12 प्रतिशत से अधिक लुढ़क गया. अमेरिकी अर्थव्यवस्था में नरमी के बीच यह गिरावट आई. सूचकांक निक्की 4,451.28 अंक गिरकर 31,458.42 अंक पर आ गया. इसमें शुक्रवार को 5.8% की गिरावट आई थी. पिछले दो कारोबारी सत्रों में 18.2% की गिरावट के साथ यह अभी तक की सबसे अधिक दो दिवसीय गिरावट दर्ज कर चुका है. निक्की में अक्टूबर 1987 में 3,836 अंक या 14.9% की गिरावट आई थी जिसे ब्लैक मंडे (काला सोमवार) करार दिया गया था. वैश्विक वित्तीय संकट के दौरान अक्टूबर 2008 में इसमें 11.4% की गिरावट आई थी.

एशिया ज्वेल्स शो 2024

सोमवार को बेंगलुरु में एशिया ज्वेल्स शो 2024 से पहले एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान एक मॉडल प्राचीन आभूषण प्रदर्शित करती हुई.

अमेरिका की वो रिपोर्ट जिसने धड़ाम कर दिए दुनियाभर के शेयर मार्केट

एजेंसी । वाशिंगटन

आखिर दुनियाभर के शेयर मार्केट में इतनी बड़ी गिरावट की वजह क्या है? दरअसल, इसके लिए अमेरिका के नौकरियों के आंकड़ों को जिम्मेदार माना जा रहा है. शुक्रवार को अमेरिका ने नौकरियों पर डेटा जारी किया था. इसमें सामने आया था कि अमेरिका में बेरोजगारी दर लगातार बढ़ रही है. इससे अमेरिका में मंदी की आशंका पैदा हो गई है. अमेरिका से आए इस नौकरियों के डेटा ने दुनियाभर में हलचल पैदा कर दी है. सवाल उठने लगा है कि क्या दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था मंदी की चपेट में आने वाली है?

क्या कहता है यूएस का नौकरियों का डेटा

बीते शुक्रवार को अमेरिका के ब्यूरो ऑफ लेबर स्टेटिस्टिक्स ने नौकरियों पर डेटा जारी किया था. इसमें बताया था कि जुलाई में 1.14 लाख लोगों को ही नौकरियां मिलीं. जबकि, अब तक हर महीने औसतन 2.15 लाख नौकरियां मिलती थीं. इसमें बताया गया है कि जुलाई लगातार तीसरा महीना रहा, जब बेरोजगारी दर बढ़ी. जुलाई में बेरोजगारी दर 4.3% रही. जबकि, इससे पहले जून में 4.1% और मई में 4% थी. जुलाई में बेरोजगारी दर का आंकड़ा अक्टूबर 2021 के बाद सबसे ज्यादा रहा. आंकड़े बताते हैं कि पुरुषों में बेरोजगारी दर 4% और महिलाओं में 3.8% रही. सबसे ज्यादा बेरोजगारी दर ब्लैक और अफ्रीकी-अमेरिकियों में रही. ब्लैक और अफ्रीकी-अमेरिकियों में बेरोजगारी दर 6.3% रही, जबकि जुलाई 2023 में ये 5.7% थी.

इन आंकड़ों ने बढ़ाई चिंता

- जुलाई में बेरोजगारी दर 0.2% बढ़कर 4.3% हो गई. इस महीने 3.52 लाख लोग बेरोजगार हो गए. जुलाई तक कुल 72 लाख लोग बेरोजगार थे.
- बेरोजगारों में तकरीबन 11 लाख लोग ऐसे हैं, जिन्हें अस्थाई तौर पर नौकरी से निकाला गया है. यानी, इन्हें बाद में फिर से नौकरी पर रखा जा सकता है. जबकि, 17 लाख लोग ऐसे हैं जिन्हें कंपनियों ने स्थाई तौर पर नौकरी से निकाल दिया है.
- अमेरिका में लंबे वक्त से बेरोजगारों की संख्या भी सालभर में तीन लाख से ज्यादा बढ़ गई है. जुलाई तक अमेरिका में 15 लाख से ज्यादा लोग ऐसे थे, जो लंबे वक्त से बेरोजगार हैं. जबकि, एक साल पहले तक ऐसे बेरोजगारों की संख्या 12 लाख के आसपास थी.

मंदी की आशंका क्यों

अमेरिकी सरकार ने बेरोजगारी पर जुलाई के जो आंकड़े जारी किए हैं, उससे मंदी की आशंका पैदा हो गई है. अमेरिका में मंदी को लेकर एक नियम चलता है. ये नियम पूर्व अर्थशास्त्री क्लाउडिया सैम ने बनाया था. ये नियम कहता है कि अगर लगातार तीन महीने तक बेरोजगारी दर पिछले साल के निचले स्तर से आधे प्वॉइंट भी बढ़ जाती है तो मान लेना चाहिए कि मंदी आ गई है. आंकड़े बताते हैं कि अमेरिका में लगातार पांच महीने से बेरोजगारी दर बढ़ रही है. मार्च में बेरोजगारी दर 3.8% थी, जो जुलाई में बढ़कर 4.3% हो गई. इतना ही नहीं, अमेरिका में जुलाई में लगभग ढाई लाख लोगों को कंपनियों ने छंटनी में नौकरी से निकाल दिया. पिछले साल भी एपल, माइक्रोसॉफ्ट और गूगल जैसी बड़ी टेक कंपनियों ने लगभग दो लाख छंटनियां की थीं.

भारत पर असर क्यों?

शुक्रवार को बेरोजगारी पर रिपोर्ट आने के बाद अमेरिकी शेयर मार्केट में भी गिरावट देखी गई थी. शुक्रवार को डाउ जोंस 600 प्वॉइंट गिर गया था. अब सोमवार को दुनियाभर में शेयर बाजारों में गिरावट देखी जा रही है. भारत में सोमवार को सेंसेक्स में दो हजार और निफ्टी 650 से ज्यादा प्वॉइंट की गिरावट देखी जा रही है. इसके लिए अमेरिका की जॉब पर रिपोर्ट को ही जिम्मेदार माना जा रहा है. वो इसलिए क्योंकि इस रिपोर्ट के कारण अमेरिका में मंदी की आशंका तेज हो गई है. इसका असर शेयर मार्केट में दिख रहा है. दरअसल, जब-जब अमेरिका में अर्थव्यवस्था के कमजोर होने का संकेत मिलता है, तब-तब निवेशक अपना पैसा निकालना शुरू कर देते हैं, जिस कारण शेयर मार्केट गिर जाता है.

इंडिगो के सह-संस्थापक राहुल भाटिया ने कहा-

कंपनी यहां टिके रहने के लिए है

नयी दिल्ली । इंडिगो के सह-संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक राहुल भाटिया ने सोमवार को कहा कि वह तथा इंटरग्लोब एंटरप्राइजेज यहीं बने रहेंगे. उन्होंने कहा कि हालिया हिस्सेदारी बिक्री का उद्देश्य कारोबार और सामान्य कॉर्पोरेट कामों के लिए धन जुटाना है. इंटरग्लोब एंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड ने जून में अपने 77.2 लाख शेयर बेचे, जो इंडिगो की मूल कंपनी इंटरग्लोब एविएशन की कुल शेयर पूंजी का करीब दो प्रतिशत था. इंडिगो उड़ान सेवा के 18 वर्ष पूरे होने के अवसर पर राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित एक कार्यक्रम में भाटिया ने कहा कि हिस्सेदारी को व्यवसाय तथा सामान्य कॉर्पोरेट कामों के लिए धन जुटाने हेतु बेचा गया. भाटिया ने कहा, इंटरग्लोब और मैं यहां टिके रहने के लिए हैं.

रिपोर्ट जारी

द मिडिल इनकम ट्रैप रिपोर्ट के जरिये वर्ल्ड बैंक ने कहा है

भारत को तीन आई पर फोकस करना चाहिए

भाषा । नयी दिल्ली

दुनिया में एक तरफ वो देश हैं, जो आर्थिक रूप से समृद्ध हैं. वो विकसित देश के रूप में जाने जाते हैं. उनका मुकाबला अपने स्तर के देश से है. वहीं दूसरी ओर वो देश हैं, जो खुद को आर्थिक रूप से समृद्ध कर विकसित देश की श्रेणी में शामिल होने की राह पर अग्रसर हैं. उसी में भारत भी है. जो पिछले कुछ सालों से अपने दम पर आर्थिक मोर्चे पर शीर्ष देशों में एक के बाद एक पायदान ऊपर चढ़ रहा है. वहीं इस पर वर्ल्ड बैंक की भी नजर है, जो रिपोर्ट जारी कर उन देशों को मार्गदर्शन करता है. इसी क्रम में वर्ल्ड बैंक ने एक रिपोर्ट जारी की है, जिसमें भारत के

विकसित बनने के सफर के बारे में विस्तार से बताया गया है.

वर्ल्ड बैंक इस रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत और चीन समेत 108 देशों को हाई इनकम वाला देश बनने में कई साल लग सकते हैं. रिपोर्ट के मुताबिक भारत को अमेरिका की प्रति व्यक्ति आय का एक-चौथाई तक पहुंचने में ही 75 साल का समय लग सकता है. यह चीन और इंडोनेशिया के मुकाबले काफी ज्यादा है. रिपोर्ट के मुताबिक यहां तक पहुंचने में चीन को 10 साल और इंडोनेशिया को करीब 70 साल लगेंगे.

वर्ल्ड बैंक रिपोर्ट

- ये तीन आई इन्वेस्टमेंट, इनोवेशन व इन्फ्यूजन हैं
- भारत को मध्यम इनकम वाले देश की श्रेणी में रखा है

इस रिपोर्ट का नाम वर्ल्ड डेवलपमेंट रिपोर्ट 2024: द मिडिल इनकम ट्रैप है. रिपोर्ट में कहा गया है कि इन देशों को 'मिडिल इनकम ट्रैप' से निकलने के लिए तीन आई (3आई) पर फोकस करना चाहिए. ये तीन आई इन्वेस्टमेंट, इनोवेशन और नई तकनीक में इन्फ्यूजन हैं.वर्ल्ड बैंक के मुताबिक भारत और चीन समेत इन 108 देशों को मध्यम इनकम वाले देश की श्रेणी में रखा गया है. इन देशों की अभी प्रति व्यक्ति आय सालाना 1136 डॉलर (करीब 95 हजार रुपये) से 13845 डॉलर (करीब 11.60 लाख रुपये) के बीच है. रिपोर्ट में बताया गया है कि इन देशों को हाई इनकम वाले देश बनने में अभी कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है. 1990 के बाद से केवल 34 देश मध्यम इनकम से बाहर निकल पाए हैं. रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत मध्यम आय वाली अर्थव्यवस्था के जाल से कैसे बाहर निकल सकता है और अमीर बन सकता है. इसमें बताया गया है कि भारत को विकसित देश बनने के लिए अगले 20 से 30 साल तक लगातार 7 फीसदी से10 फीसदी की दर से बढ़ने की जरूरत है. अगर भारत ऐसा करता है तो यह साल 2047 तक एक विकसित देश बन सकता है. उस समय देश की प्रति व्यक्ति आय 18000 डॉलर सालाना होगी. साथ ही अर्थव्यवस्था का आकार 30 ट्रिलियन डॉलर होगा. भारत की प्रति व्यक्ति आय 2370 डॉलर है. रिपोर्ट में कहा गया है कि हाई इनकम वाली अर्थव्यवस्था बनने की राह में पहले की तुलना में और भी कठिन चुनौतियां हैं.

वैश्विक बाजारों में गिरावट से सेंसेक्स, निफ्टी धड़ाम

निवेशकों को 15 लाख करोड़ रुपये की चपत

एजेंसी । मुंबई

स्थानीय शेयर बाजारों में सोमवार को जोरदार गिरावट आई और बीएसई सेंसेक्स 2,200 अंक से अधिक का गोता लगा गया. वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के निफ्टी में भी 662 अंक की बड़ी गिरावट आई. दुनिया के अन्य देशों के शेयर बाजारों में गिरावट के रुख के बीच बैंक, आईटी, धातु तथा तेल एवं गैस शेयरों में चौतरफा बिकवाली से बाजार नीचे आया. इस गिरावट से निवेशकों को एक दिन में 15 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है.

तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स 2,222.55 अंक यानी 2.74 प्रतिशत लुढ़क कर एक महीने से अधिक के निचले स्तर 78,759.40 अंक पर बंद हुआ. बाजार में चार जून, 2024 के बाद एक दिन में यह सबसे बड़ी गिरावट है. उस दिन यह 2,686.09 अंक टूटकर 78,295.86 अंक पर बंद हुआ था. नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 662.10 अंक यानी 2.68 प्रतिशत का गोता लगाकर 24,055.60 अंक पर बंद हुआ. कारोबार के दौरान एक समय यह 824 अंक लुढ़क कर 23,893.70 अंक तक आ गया था. निफ्टी में भी चार जून के बाद यह एक दिन की सबसे बड़ी गिरावट है. उस दिन आम चुनाव के नतीजों के बाद बाजार में पांच प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई थी. सेंसेक्स और निफ्टी में शुक्रवार को एक प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई थी. इस प्रकार, पिछले दो कारोबारी सत्रों में दोनों मानक सूचकांकों में करीब चार प्रतिशत की गिरावट आ चुकी है.

बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण सोमवार को घटकर 441.84 लाख करोड़ रुपये पर आ गया. निवेशकों को शुक्रवार को 4.46 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ था. इस प्रकार, दो दिनों में उन्हें 19 लाख करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हो चुका है. छोटी कंपनियों के शेयरों का प्रतिनिधित्व करने वाले बीएसई स्मॉलकैप सूचकांक 4.21 प्रतिशत तथा मझोली कंपनियों से संबद्ध मिडकैप 3.60 प्रतिशत नीचे आया.

ब्रीफ खबरें

ममता बनर्जी ने की शांति बनाये रखने की अपील

कोलकाता। पड़ोसी देश बांग्लादेश में जारी अशांति के बीच पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को राज्य के लोगों से शांति बनाए रखने और किसी उकसावे में न आने अपील की. बांग्लादेश के घटनाक्रम पर टिप्पणी करने से इनकार करते हुए मुख्यमंत्री बनर्जी ने कहा कि इस विषय पर विदेश मंत्रालय ही कोई प्रतिक्रिया देगा. पश्चिम बंगाल विधानसभा परिसर में बनर्जी ने कहा, "मैं पश्चिम बंगाल के सभी नागरिकों से शांति बनाए रखने और किसी भी उकसावे में नहीं आने की अपील करती हूं."

उद्धव आज से तीनदिनी दौरे पर दिल्ली पहुंचेंगे

मुंबई। शिवसेना (उद्धव) प्रमुख और महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे मंगलवार से तीन दिवसीय दौरे पर नई दिल्ली पहुंचेंगे और विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के नेताओं से मुलाकात करेंगे. पार्टी सांसद संजय राउत ने सोमवार को दिल्ली में पत्रकारों को बताया कि हाल ही में हुए लोकसभा चुनाव के बाद ठाकरे का यह राष्ट्रीय राजधानी का पहला दौरा होगा. राज्यसभा सदस्य ने कहा, 'यह संवाद यात्रा है. तृणमूल कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, आम आदमी पार्टी के नेता उनसे मुलाकात करेंगे.

जम्मू कश्मीर में विस चुनाव सितंबर में होंगे

आरएस पुरा। केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी ने सोमवार को कहा कि जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव सितंबर में होंगे. रेड्डी ने केंद्र शासित प्रदेश के लोगों से विकास की गति बनाए रखने और आतंकवाद को जड़ से उखाड़ फेंकने के लिए भाजपा को वोट देने का आग्रह किया. उन्होंने कहा कि पांच साल पहले, पांच अगस्त को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा अनुच्छेद 370 को निरस्त किये जाने के बाद से जम्मू कश्मीर में पाकिस्तान और इसकी खुफिया एजेंसी आईएसआई की गतिविधियों पर काफी हद तक अंकुश लगा है.

परमाणु संपन्न 250 मिसाइल लॉन्चर सौंपे

सियोल। उत्तर कोरिया ने एक समारोह में अग्रिम मोर्चे पर तैनात सैन्य इकाइयों को परमाणु सक्षम 250 मिसाइल लॉन्चर सौंपे. उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन ने अमेरिका के संभावित खतरों का मुकाबला करने के लिए अपनी सेना के परमाणु कार्यक्रम के निरंतर विस्तार का आह्वान किया. उत्तर कोरिया की आधिकारिक 'कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी' ने बताया कि देश की युद्ध सामग्री संबंधी फैक्टरियों में इन मिसाइल लॉन्चर को 'सामरिक' रूप से महत्वपूर्ण बैलिस्टिक मिसाइलों को दागने के लिए बनाया गया है.

हिमाचल में बारिश के कारण 87 सड़कें बंद

शिमला। हिमाचल प्रदेश में कई दिनों से भारी बारिश के कारण अचानक आयी बाढ़ और भूस्खलनों के बाद राज्य के विभिन्न हिस्सों में 87 सड़कें बंद कर दी गई हैं. आपात अभियान केंद्र ने सोमवार को यह जानकारी दी. यहां मौसम विज्ञान केंद्र ने बृहस्पतिवार तक राज्य के विभिन्न स्थानों में भारी बारिश के लिए 'येलो' अलर्ट जारी किया है. हिमाचल प्रदेश में लगभग एक सप्ताह से भारी बारिश हो रही है. कुल्लू, मंडी और शिमला जिलों में 31 जुलाई को बादल फटने से अचानक आयी बाढ़ में 13 लोगों की मौत हो गयी और अन्य 40 लापता हैं.

बांग्लादेश में लगातार चौथी बार प्रधानमंत्री चुनी गईं हसीना को समर्थक 'आयरन लेडी', तो विराधी बताते हैं 'तानाशाह'

शेख हसीना के 15 साल के राज का नाटकीय अंत

लगातार न्यूज नेटवर्क

बांग्लादेश में लगातार चौथी बार और कुल मिलाकर पांचवीं बार प्रधानमंत्री निर्वाचित हुईं शेख हसीना को उनके समर्थक हमेशा एक 'आयरन लेडी' के रूप में सराहते रहे हैं. लेकिन, अब उनके 15 साल के शासन का नाटकीय ढंग से अंत हो गया है. हसीना को एक समय सैन्य शासित बांग्लादेश को स्थिरता प्रदान करने के लिए जाना जाता है, लेकिन साथ ही उनके विरोधियों द्वारा उन्हें एक 'निरंकुश' नेता बताकर उनकी आलोचना भी की जाती है.बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख़ हसीना ने कई सप्ताह चले छात्रों के हिंसक प्रदर्शनों के राष्ट्रव्यापी अशांति में बदलने के बाद इस्तीफ़ा देकर देश छोड़ दिया है. रिपोर्टों के मुताबिक़, 76 वर्षीय शेख़ हसीना सोमवार को हेलीकॉप्टर से बांग्लादेश छोड़कर भारत के लिए निकल गईं. इस बीच हज़ारों प्रदर्शनकारियों ने ढाका में उनके अधिकारिक आवास पर धावा बोल दिया. इसी के साथ बांग्लादेश की सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री रहीं शेख़ हसीना के राज का भी अंत हो गया. कुल 20 साल तक शेख़ हसीना ने मज़बूत पकड़ के साथ बांग्लादेश पर शासन किया है. शेख़ हसीना को दक्षिण एशियाई देश बांग्लादेश की आर्थिक प्रगति का श्रेय दिया जाता है लेकिन हाल के सालों में उन पर तानाशाही के आरोप भी लगे.

आर्मी चीफ वकार उज जमान

1947 में पैदा हुईं हसीना को विरासत में मिली राजनीति

1947 में पूर्वी बंगाल के एक मुसलमान परिवार में पैदा हुईं शेख़ हसीना को राजनीति विरासत में मिली. उनके पिता राष्ट्रवादी नेता शेख़ मुजीबुर्रहमान थे. वो बांग्लादेश के संस्थापक और राष्ट्रपिता थे, जिन्होंने 1971 में देश को पाकिस्तान से आज़ाद कराया और देश के पहले राष्ट्रपति भी बने. उस दौर में शेख़ हसीना स्वयं ढाका यूनिवर्सिटी में एक छात्र नेता के रूप में ख़ुद को स्थापित कर चुकी थीं. 1975 में सैन्य तख़्तापलट के दौरान, मुजीबुर्रहमान और उनके परिवार के अधिकतर लोगों को मार दिया गया था. सिर्फ़ शेख़ हसीना और उनकी छोटी बहन की जान बची थी क्योंकि उस समय वो विदेश यात्रा पर थीं. भारत में निर्वासित जीवन बिताने के बाद शेख़ हसीना 1981 में बांग्लादेश लौटीं और अपने पिता के राजनीतिक दल अवामी लीग की नेता बन गईं. जनरल हुसैन मुहम्मद इरशाद के सैन्य शासन के ख़िलाफ़ उन्होंने अन्य राजनीतिक दलों के साथ मिलकर सड़कों पर प्रदर्शन किया और लोकतंत्र की मांग की. देश में उठे विद्रोह ने तेज़ी से शेख़ हसीना को राष्ट्रीय आईकॉन बना दिया. वो सबसे पहले साल 1996 में चुनकर सत्ता तक पहुंचीं. उन्हें भारत के साथ जल-संधि करने और देश के दक्षिण पूर्वी इलाक़े में विद्रोहियों के साथ संधि करने का श्रेय जाता है. लेकिन इसी समय, उन पर कई सौदों में भ्रष्टाचार करने और भारत के अधिक प्रभाव में होने के आरोप भी लगे. आगे चलकर, वो साल 2001 में अपनी राजनीतिक सहयोगी से प्रतिद्वंदी बनी बांग्लादेश राष्ट्रवादी पार्टी (बीएनपी) की बेगम ख़ालिदा ज़िया से चुनाव हार गईं. राजनीतिक परिवारों की वारिस, ये दोनों महिलाएं तीन दशकों तक बांग्लादेश की राजनीति पर हावी रहीं. इन्हें 'बैटलिंग बेगम' भी कहा जाता है. बेगम, उच्च परिवारों की मुसलमान महिलाओं को कहा जाता है. विश्लेषक मानते हैं कि इन दोनों महिला नेताओं की कड़वी राजनीतिक प्रतिद्वंदिता के नतीजे में बांग्लादेश में बसों में बम धमाके हुए, लोग अग़वा किए गए और ग़ैर-न्यायिक हत्याएं आम बात हो गईं.

किन विवादों में घिरी रहीं शेख़ हसीना

सत्ता संभालने के बाद से, शेख़ हसीना के सामने आया सबसे गंभीर संकट ताज़ा विरोध प्रदर्शन ही है. ये प्रदर्शन बेहद विवादित चुनाव नतीजों के बाद हुए हैं. विवादित आम चुनावों में लगातार चौथी बार उनकी पार्टी को चुन लिया गया था. इस्तीफ़ा देने की बढ़ती मांगों के बीच शेख़ हसीना डटी हुईं थीं. उन्होंने प्रदर्शनकारियों की 'आतंकवादी' कहकर आलोचना की. उन्होंने इन 'आतंकवादियों' से सख़्ती से निपटने के लिए समर्थन भी मांगा था. ढाका और देश के दूसरे हिस्सों में प्रदर्शन सरकारी नौकरियों में आरक्षण समाप्त करने की मांग से शुरू हुए थे लेकिन ये व्यापक सरकार विरोधी आंदोलन में बदल गए. कोविड महामारी के बाद से बांग्लादेश लगातार बढ़ती महंगाई और बढ़ते ख़र्चों से जूझ रहा है. महंगाई आसमान पर है, विदेशी मुद्रा भंडार गिर रहा है और 2016 के बाद से बांग्लादेश का विदेशी क़र्ज़ दोगुना हो चुका है. आलोचकों ने इसके लिए हसीना सरकार के प्रबंधन को ज़िम्मेदार ठहराया है और आरोप लगाये कि बड़े पैमाने पर हो रहे भ्रष्टाचार की वजह से बांग्लादेश की आर्थिक तरक्की का फ़ायदा सिर्फ़ उन लोगों को पहुंचा जो हसीना की अवामी लीग पार्टी के नज़दीक थे.

शेख़ हसीना ने की बांग्लादेश की आर्थिक प्रगति

हसीना के शासन वाला बांग्लादेश एक विपरीत तस्वीर पेश करता है. एक समय दुनिया का सबसे ग़रीब देश रहा मुस्लिम बहुल बांग्लादेश, उनके नेतृत्व में 2009 के बाद से विश्वसनीय आर्थिक प्रगति हासिल कर चुका है. अब बांग्लादेश, इस क्षेत्र में सबसे तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है, आर्थिक प्रगति के मामले में बांग्लादेश अपने विशाल पड़ोसी देश भारत से भी आगे निकल गया है. पिछले एक दशक के दौरान बांग्लादेश की प्रति व्यक्ति आय तीन गुना बढ़ चुकी है. विश्व बैंक के मुताबिक़ बीते दो दशकों में बांग्लादेश में ढाई करोड़ लोगों को ग़रीबी से बाहर निकाला गया है. बांग्लादेश की आर्थिक प्रगति का श्रेय देश के कपड़ा उद्योग को जाता है. देश के कुल निर्यात का अधिकतर हिस्सा कपड़ा उद्योग से ही है और हाल के दशकों में ये उद्योग तेज़ी से बढ़ा है. बांग्लादेश का ये उद्योग यूरोप, अमेरिका और एशिया के बाज़ारों को आपूर्ति करता है. अपने देश के स्वयं के संसाधनों, कर्ज़ और विकास के लिए मदद लेकर, हसीना की सरकार ने कई विशाल आधारभूत ढांचा विकास योजनाएं शुरू की हैं, इनमें गंगा नदी पर 2.9 अरब डॉलर से बनने वाला पदमा पुल भी शामिल है.

आलोचकों का कहना है कि देश की तरक्की लोकतंत्र और मानवाधिकारों की क़ीमत पर हुई है. वो आरोप लगाते हैं कि हसीना के शासन में उनके राजनीतिक विपक्षियों, मीडिया और विरोधियों का दमन किया गया. बांग्लादेश सरकार और शेख़ हसीना इस तरह के आरोपों को हमेशा ख़ारिज करते रहे. लेकिन हाल के महीनों में, बीएनपी के कई वरिष्ठ नेताओं को गिरफ़्तार किया गया, उनके साथ सरकार विरोधी प्रदर्शनों में शामिल हज़ारों राजनीतिक कार्यकर्ताओं और आम लोगों को भी गिरफ़्तार किया गया. कभी देश में बहुदलीय लोकतंत्र के लिए लड़ने वाली नेता में यह एक उल्लेखनीय बदलाव था. बांग्लादेश में मानवाधिकार समूहों ने साल 2009 के बाद से सैकड़ों लोगों के ग़ायब होने और ग़ैर न्यायिक हत्याओं को लेकर भी चिंताएं ज़ाहिर की हैं. शेख़ हसीना की सरकार ऐसे आरोपों को सिरे से ख़ारिज करती रही थी. हालांकि ऐसे आरोपों की जांच करने का इरादा रखने वाले विदेशी पत्रकारों की यात्राओं को भी उनकी सरकार रोकती रही.

जानिए छात्रों ने एशिया की सबसे ताक़तवर महिला शेख़ हसीना को कैसे हिला दिया?

हिंसक प्रदर्शनों के बीच शेख़ हसीना ने बांग्लादेश के प्रधानमंत्री पद से इस्तीफ़ा दिया और अपनी बहन के साथ देश से बाहर निकल गई हैं. शेख़ हसीना वर्ष 2009 से लगातार बांग्लादेश की प्रधानमंत्री थीं. कई लोगों का मानना है कि पिछले सोलह सालों में प्रधानमंत्री शेख हसीना वाजिद ने बांग्लादेश को ग़रीबी से बाहर निकाला है. कुछ लोग ये भी मानते हैं कि बांग्लादेश ने जो प्रगति की है, वो शेख़ हसीना की वजह से है. साथ ही जानकारों का कहना है कि यह शेख़ हसीना के लगातार बढ़ रहे तानाशाही शासन के बावजूद हुआ है. लेकिन उनकी स्थिति जितनी कमज़ोर अब है, उतनी पहले कभी नहीं थी. यूनिवर्सिटी और कॉलेज के छात्रों का प्रदर्शन, देशभर में व्यापक असंतोष, ख़ून ख़राबे और अफ़रातफ़री तक पहुंच गया है. बांग्लादेश की सरकार ने प्रदर्शनों को रोकने की कोशिश की, लेकिन लोग पीछे नहीं हटे. इसी दबाव की वजह से आखिर में शेख़ हसीना को इस्तीफ़ा देकर देश छोड़ना पड़ा है.

हिंसक प्रदर्शनों के बीच हेलीकॉप्टर से भारत रवाना होतीं शेख हसीना.

क्या छात्रों के प्रदर्शन ने गिरा दी सरकार?

शेख़ हसीना ने सोमवार को प्रधानमंत्री पद से इस्तीफ़ा देकर देश छोड़ दिया. बड़ी तादाद में प्रदर्शनकारियों ने उनके निवास पर धावा बोल दिया. शांत लेकिन मज़बूत मानी जाने वाली शेख़ हसीना देश के संस्थापक राष्ट्रपति की बेटी हैं और कई बार अपनी जान पर हमलों और संकट के समय से उबर चुकी हैं. मानवाधिकारों के उल्लंघन के आरोपों और विपक्षी दलों के कई बार व्यापक प्रदर्शनों का सामना कर चुकी हैं. लेकिन देश भर में छात्रों के प्रदर्शन से शुरू हुआ ये मौजूदा संकट उनके राजनीतिक जीवन की सबसे मुश्किल चुनौती साबित हुआ. छात्रों के प्रदर्शन में समूचा देश घिर गया और विपक्षी दल छात्रों के पीछे एकजुट हो गए. बांग्लादेश के सुप्रीम कोर्ट ने विवादित कोटा व्यवस्था को समाप्त कर छात्रों की मुख्य मांग को तो पूरा कर दिया लेकिन असंतोष समाप्त नहीं हुआ. इन प्रदर्शनों में 100 से अधिक छात्र मारे गए जबकि बीते सप्ताह सरकार के ख़िलाफ़ शुरू हुए जन-आंदोलन के दौरान बड़े पैमाने पर हिंसा हुई और बड़ी तादाद में लोग मारे गए हैं. अपने कार्यकाल के दौरान शेख़ हसीना की सरकार देश के सीमा सुरक्षा बलों के हिंसक विद्रोह से भी बच चुकी है. उसमें 57 सैन्य अधिकारी मारे गए. वो तीन विवादित आम चुनाव चुनाव जीत चुकी हैं. इन चुनावों की अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने भी आलोचना की है.

प्रेशर कुकर जैसे हालात

ओस्लो यूनिवर्सिटी से जुड़े डॉ. मुबशर हुसैन मानते हैं कि ये हालात एक दिन में नहीं बने हैं बल्कि 'प्रेशर कुकर की तरह फटे हैं.' डॉ मुबशर हुसैन ने एशिया में तानाशाही पर गहन अध्ययन किया है. डॉ. हसन ने बीबीसी बांग्ला से कहा, 'याद रखिए, हम ऐसे देश की बात कर रहे हैं जिसका प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक रूस से भी नीचे है.' वे कहते हैं, "शेख़ हसीना और उनकी पार्टी ने मुक्ति संग्राम की भावना का अति राजनीतिकरण किया, साल दर साल नागरिकों को मताधिकार के मूल मानवाधिकार से वंचित रखना, और उनकी सरकार की तानाशाही प्रवृति ने समाज के एक बड़े वर्ग को आक्रोशित कर दिया.

साभार : बीबीसी हिंदी

राष्ट्रपति विलियम मैवालिली कटोनिवेरे और प्रधानमंत्री सिटिवेनी राबुका के साथ बैठक करेंगी

संबंधों को प्रगाढ़ करने फिजी पहुंची मुर्मू

एजेंसी। सुवा (फिजी)

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू तीन देशों की अपनी यात्रा के पहले चरण में सोमवार को फिजी पहुंचीं. वह फिजी के राष्ट्रपति विलियम मैवालिली कटोनिवेरे और प्रधानमंत्री सिटिवेनी राबुका के साथ बैठक करेंगी.

मुर्मू फिजी के राष्ट्रपति कटोनिवेरे के निमंत्रण पर 5-7 अगस्त तक यहां रुकेंगी. यह किसी भारतीय राष्ट्राध्यक्ष की इस द्वीपसमूह राष्ट्र की पहली यात्रा है. राष्ट्रपति मुर्मू का हवाई अड्डे पर फिजी के उप प्रधानमंत्री विलियम गावोका, फिजी में भारतीय उच्चायुक्त पी एस कार्तिकेयन और फिजी के अन्य अधिकारियों ने स्वागत किया. फिजी सरकार के आधिकारिक फेसबुक

पेज पर एक पोस्ट में कहा गया, "भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू फिजी की दो दिवसीय राजकीय यात्रा के लिए नाडी पहुंची हैं. उनकी अगवानी उप प्रधानमंत्री विलियम गावोका और भारत में नियुक्त फिजी के उच्चायुक्त श्री जगन्नाथ सामी ने किया." मुर्मू अपनी यात्रा के दौरान, फिजी की संसद को संबोधित करेंगी और इसके सदस्यों से बातचीत करेंगी, जिनमें से कई भारतीय मूल के हैं. नयी दिल्ली में विदेश मंत्रालय के अनुसार, फिजी की अपनी यात्रा के बाद, मुर्मू न्यूजीलैंड और तिमोर-लेस्ते की यात्रा करेंगी.

मंत्रालय के अनुसार, राष्ट्रपति की छह दिवसीय तीन देशों की यात्रा का उद्देश्य भारत की 'एक्ट ईस्ट' नीति को आगे बढ़ाना है. विदेश मंत्रालय ने फिजी रवाना होने से पहले 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, "भारत की 'एक्ट ईस्ट' नीति को आगे बढ़ाते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू फिजी, न्यूजीलैंड और तिमोर-लेस्ते की तीन देशों की यात्रा पर रवाना हुईं. पहले चरण में राष्ट्रपति फिजी की राजकीय यात्रा करेंगी। यह यात्रा दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक संबंधों को और प्रगाढ़ करेगी."

फ्लोरिडा में तूफान 'डेब्बी' मचा सकता है भारी तबाही

टैंपा (अमेरिका)। तूफान 'डेब्बी' के सोमवार की सुबह फ्लोरिडा के बिग बेंड तट पर पहुंचने के आसार हैं जिससे रिकॉर्ड बारिश, विनाशकारी बाढ़ और जानलेवा तूफानी लहरें उठने का अनुमान है. यह तूफान जॉर्जिया और दक्षिण कैरोलिना के तटीय क्षेत्रों में रुकने से पहले राज्य के उत्तरी भाग में धीरे-धीरे बढ़ेगा. मियामी में राष्ट्रीय तूफान केंद्र ने रविवार शाम को कहा कि इस तूफान के कारण 120 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चल रही हैं. तूफान टैंपा से लगभग 100 मील दूर, पश्चिम में स्थित था और यह 19 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से उत्तर की ओर बढ़ रहा है. डेब्बी इस साल का चौथा अटलांटिक तूफान है. इससे पहले जून में उष्णकटिबंधीय तूफान अल्बर्टो, तूफान बेरिल और उष्णकटिबंधीय तूफान क्रिस आए थे.

पेंचीदा मामले में जल्दी सुनाएगा फैसला

वैवाहिक रेप के मामलों पर सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट

एजेंसी। नयी दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने अगले सप्ताह इस बहुचर्चित कानूनी प्रश्न पर सुनवाई करेगा कि यदि पति अपनी पत्नी को यौन संबंध बनाने के लिए मजबूर करता है, जो नाबालिग नहीं है, तो क्या पति को बलात्कार के अपराध के लिए अभियोजन से छूट मिलनी चाहिए ? चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने सोमवार को एक पक्ष की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता करुणा नंदी की दलीलों पर गौर किया कि वैवाहिक बलात्कार के मुद्दे पर याचिकाओं पर सुनवाई की जानी चाहिए. सीजेआई ने कहा कि याचिकाओं पर अगले सप्ताह सुनवाई होगी. अब इस महत्वपूर्व और पेंचादी मामले में देर नहीं करेंगे. उन्होंने कहा कि पीठ इस सप्ताह कराधान कानूनों से संबंधित कई मामलों से निपटने में व्यस्त रहेगी. 16 जुलाई को एक पक्ष की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता इंदिरा जयसिंह ने याचिकाओं का उल्लेख किया था और कहा था कि उन्हें कुछ प्राथमिकता दी जानी चाहिए. सीजेआई ने कहा था कि याचिकाओं पर सुनवाई की जाएगी. उन्होंने संकेत दिया था कि उन पर 18 जुलाई को विचार किया जा सकता है.

शीर्ष कोर्ट में कई याचिकाएं लंबित : पीठ ने कहा था, हमें वैवाहिक बलात्कार से संबंधित मामलों को सुलझाना है. केंद्र ने पहले कहा था कि इस मुद्दे के कानूनी और सामाजिक निहितार्थ हैं और सरकार याचिकाओं पर अपना जवाब दाखिल करना चाहेगी. याचिकाओं में से एक इस मुद्दे पर 11 मई, 2022 के दिल्ली हाईकोर्ट के खंडित फैसले से संबंधित है. यह अपील एक महिला द्वारा दायर की गई है, जो दिल्ली हाईकोर्ट के समक्ष याचिकाकर्ताओं में से एक थी. हाईकोर्ट के जज राजीव शकधर और न्यायमूर्ति सी हरिशंकर ने खंडित फैसला सुनाते हुए याचिकाकर्ताओं को सुप्रीम कोर्ट में अपील करने की अनुमति देने पर सहमति व्यक्त की थी, क्योंकि इस मामले में कानून के महत्वपूर्ण प्रश्न शामिल हैं, जिन पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा निर्णय लिया जाना आवश्यक है.

क्या कहता है नया कानून

अब निरस्त हो चुके और भारतीय न्याय संहिता द्वारा प्रतिस्थापित भारतीय दंड संहिता की धारा 375 के अपवाद खंड के तहत, यदि पत्नी नाबालिग नहीं हैं, तो पति द्वारा उसके साथ संभोग या यौन क्रिया किया जाना बलात्कार नहीं माना जाएगा. यहां तक कि नए कानून- भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के तहत, धारा 63 (बलात्कार) के अपवाद-2 में स्पष्ट किया गया है कि यदि पत्नी की उम्र 18 साल से कम नहीं है, तो पति द्वारा उसके साथ संभोग या यौन क्रिया किया जाना बलात्कार नहीं है. शीर्ष अदालत ने 16 जनवरी, 2023 को भारतीय दंड संहिता के उस प्रावधान के खिलाफ कुछ याचिकाओं पर केंद्र से जवाब मांगा था, जो पत्नी के वयस्क होने पर जबरन यौन संबंध के लिए पति को अभियोजन से सुरक्षा प्रदान करता है.

सेहत की बात — टीकाकरण खुद को और कमजोर बच्चों को संक्रमण से बचाने का सबसे अच्छा तरीका

छोटे बच्चों के लिए जानलेवा हो सकती है काली खांसी

एजेंसी। सिडनी

2024 में अब तक पूरे ऑस्ट्रेलिया में काली खांसी (पर्टुसिस) के 17,000 से अधिक मामले सामने आए हैं. यह हमारे सामान्य राष्ट्रीय औसत से काफी ऊपर है. यह पूरे 2023 के दौरान सामने आए इस तरह के मामलों की तुलना में छह गुना अधिक हैं. कई राज्यों में समाचारों की सुर्खियों में हाल के हफ्तों और महीनों में काली खांसी फैलने की चेतावनी दी गई है. हाल ही में, पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया में इसमें वृद्धि दर्ज की गई है, जो राज्य के दक्षिण-पश्चिम में सबसे अधिक है. इससे छोटे शिशुओं को गंभीर बीमारी और मृत्यु का सबसे बड़ा खतरा होता है. तो काली खांसी के लिए यह इतना बड़ा साल क्यों रहा? और हम इस खतरनाक बीमारी को आगे फैलने से कैसे रोक सकते हैं?

काली खांसी क्या है?

काली खांसी एक संक्रमण है जो फेफड़ों और वायुमार्ग को प्रभावित करता है. यह जीवाणु बोर्डेटेला पर्टुसिस के कारण होता है. अन्य श्वसन संक्रमणों की तरह, यह खांसने, छींकने या बात करने के माध्यम से एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में आसानी से फैल जाता है. वयस्क और बच्चे लंबे समय तक खांसी से पीड़ित हो सकते हैं जो हफ्तों या महीनों तक रह सकती है. शिशुओं में, जब इस तरह की खांसी होती है तो उनके सांस लेने पर "हूप" की आवाज आती है और खांसने के बाद उन्हें उल्टी हो सकती है. कुछ मामलों में, खांसी नहीं होती, और एक वर्ष से कम उम्र के बच्चों को सांस लेने में रुकावट का अनुभव हो सकता है या उनका रंग नीला पड़ सकता है. छह महीने से छोटे बच्चे विशेष रूप से काली खांसी की चपेट में आते हैं क्योंकि तब तक उनका पूरी तरह से टीकाकरण नहीं हुआ होता है. चार महीने से कम उम्र के शिशुओं में अस्पताल में भर्ती होने की दर सबसे अधिक है.

वैक्सीन के बारे में क्या?

टीकाकरण खुद को और कमजोर बच्चों को काली खांसी के संक्रमण से बचाने का सबसे अच्छा तरीका है. ऑस्ट्रेलिया में, बच्चों को छह सप्ताह, चार महीने और छह महीने (प्राथमिक पाठ्यक्रम) की उम्र में छह पर्टुसिस टीके लगाए जाते हैं. "बूस्टर" खुराक 18 महीने, चार साल और 7 साल की उम्र में दी जाती है. बहुत छोटे शिशुओं की सुरक्षा के लिए मातृ टीकाकरण सबसे अच्छा तरीका है. गर्भवती महिलाओं के लिए काली खांसी बूस्टर खुराक की सिफारिश गर्भावस्था के 20 सप्ताह से की जाती है. यह बच्चे में सुरक्षात्मक एंटीबॉडी के हस्तांतरण में मदद देता है, जिससे जीवन के पहले कुछ महीनों के दौरान काली खांसी होने की संभावना कम हो जाती है – विशेष रूप से छह सप्ताह में अपना पहला टीकाकरण प्राप्त करने से पहले. स्वास्थ्य देखभाल कर्मियों और वयस्कों के लिए भी बूस्टर खुराक की सिफारिश की जाती है जो शिशुओं के निकट संपर्क में आते हैं, या छोटे शिशुओं की देखभाल करते हैं.

वैक्सीन कितनी असरदार है?

वर्तमान में अनुशंसित टीके गंभीर काली खांसी (लगभग 85 प्रतिशत प्रभावकारिता) से सुरक्षा प्रदान करने में अच्छे हैं. वे बच्चों में हल्के संक्रमण से रक्षा करने में कम सक्षम हैं. इसका मतलब यह है कि उनका काली खांसी के संचरण को कम करने पर अधिक प्रभाव नहीं पड़ता है, जो तब होता है जब हल्के संक्रमण वाले लोग बाहर निकलने और समुदाय में घुलने-मिलने के लिए पर्याप्त रूप से स्वस्थ होते हैं. ऑस्ट्रेलिया में उपलब्ध काली खांसी के टीके "अकोशिकीय" टीके हैं. इन्हें "संपूर्ण कोशिका" निष्क्रिय टीकों (बोर्डेटेला पर्टुसिस के संपूर्ण निष्क्रिय संस्करण पर आधारित) के बजाय शुद्ध प्रोटीन का उपयोग करके बनाया जाता है. पहले संपूर्ण कोशिका टीकों का उपयोग किया जाता था और इससे बेहतर प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया उत्पन्न होती थी, लेकिन इसके अधिक दुष्प्रभाव भी होते थे, जैसे बुखार या इंजेक्शन स्थल पर प्रतिक्रिया. अकोशिकीय टीके कम दुष्प्रभाव पैदा करते हैं और बहुत सुरक्षित होते हैं, लेकिन इसके परिणामस्वरूप प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया थोड़ी कम हो सकती है, जो समय के साथ ठीक हो जाती है.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)